रायपुर, लखनऊ, नई दिल्ली और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

हमेशा सच के साथ

RNI NO. CHHHIN/2016/70655

www.dailypioneer.com रायपुर, मंगलवार 4 मई 2021 पृष्ठ-12 वर्ष-05, अंक- 252 मूल्य 3.00 ₹

क्विक न्यूज़

बंगलादेश में नाव दुर्घटना में 25 की मौत

ढाका। बंगलादेश के पुराने कंथलबारी घाट पर सोमवार को दो नावों के बीच टक्कर में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गयी तथा कई अन्य लापता हैं। बंगलाबाजार फेरी घाट के यातायात पुलिस इंस्पेक्टर ने बताया कि मुंशीगंज के शिमुलिया से 30 यात्रियों को लेकर एक नाव बंगलाबाजार फेरी घाट जा रही थी कि रास्ते में बंगलाबाजार फेरी घाट के पास पुराने कंथलबारी घाट पर बालू लदी एक अन्य नाव से टकरा गयी। इस घटना के कारण स्पीड बोट पानी में डूब गयी।

पाकिस्तान ने फिर किया संघर्षविराम उल्लंघन

जम्मू। संघर्षविराम समझौते के करीब दो माह बाद पाकिस्तानी रेंजर्स ने सोमवार को जम्मू क्षेत्र के सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास बगैर किसी उकसावे के गोलीबारी की। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के प्रवक्ता ने कहा कि आज तड़के 6.15 बजे पाकिस्तानी रेंजर्स ने रामगढ़ सेक्टर में बाड़ के पास बीएसएफ गश्ती दल पर बगैर किसी उकसावे के गोलीबारी की। उन्होंने कहा कि इस घटना में कोई जवान हालांकि हताहत नहीं हुआ। इससे पूर्व 25 अप्रैल को बीएसएफ के चौकस जवानों ने जम्मू के अरनिया सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तान की ओर से भारतीय क्षेत्र में घूसते एक ड्रोन के प्रयास को विफल कर दिया था।

रुपया 1.45 रुपए उछला

नई दिल्ली। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के कमजोर पड़ने के साथ ही घरेलू स्तर पर अमेरिकी मुद्रा की मांग सुस्त होने से आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 1.45 रुपए प्रति डॉलर मजबूत होकर 73.95रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पिछले सत्र में रुपया 74.09 रुपए प्रति डॉलर पर रहा था। आज 16 पैसे की गिरावट लेकर 74.25रुपए प्रति डॉलर पर खुला। खुलते ही यह 74.33 रुपए प्रति डॉलर के निचले स्तर तक उतरा लेकिन इसके बाद डॉलर की मांग नहीं आने से बने दवाब के कारण रूपया 73.91 रुपए प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर तक चढ़ा। अंत में यह 73.95 रुपए प्रति डॉलर पर रहा।

सीएम भूपेश ने लघु और मध्यम व्यवसायियों को राहत देने के लिए वित्त मंत्री को लिखा पत्र

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर प्रदेश में वर्तमान में 9 अप्रैल से 6 मई की सुबह तक कटैनमेंट जोन घोषित होने के कारण राज्य के लघु और मध्यम व्यवसायियों की परेशानियों को देखते हुए उन्हें वांछित राहत प्रदान करने का अनुरोध किया है। श्री बघेल ने छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इण्डट्रीज के अनुरोध पर केन्द्र सरकार से मांग की है कि व्यवसायियों द्वारा विभिन्न प्रकार की विवरणियों को प्रस्तुत करने की अप्रैल एवं मई माह की तिथियों को दो माह के लिए बढ़ाया जाए साथ ही व्यवसाय संचालन हेतु लिए गए ऋष्ा के मूलधन और ब्याज की किश्तों के भुगतान की समय-सीमा को कम से कम 3 माह की स्थगन अवधि प्रदान करने पर विचार किया जाए। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय वित्त मंत्री को पत्र में लिखा है कि - कोविड-19 महामारी की दूसरी और अधिक घातक लहर को रोकने के अंतिम प्रभावी कदम के रूप में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर सहित लगभग सभी जिलों में दिनांक 9 अप्रैल से प्रारंभ कर 6 मई की सुबह तक पूर्ण कटेनमेंट जोन घोषित किये जाने के कारण राज्य में आर्थिक गतिविधियां एवं व्यापार-व्यवसाय लगभग बंद है। इससे राज्य में लघु एवं मध्यम श्रेणी के व्यवसायियों के समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने इस आर्थिक परेशानी में उनकी सहायता के उद्देश्य से कुछ फौरी राहतों की मांग की गई है, जिन पर मैं आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ। श्री बघेल ने लिखा है कि -अप्रैल माह वित्तीय वर्ष 2021-22 का प्रथम माह होने के कारण टीडीएस एवं टीसीएस एक्ट में कई अनुपालनों की तिथियां निर्धारित है। ऐसे समय में व्यवसायियों द्वारा अपने खातों का मिलान कर विभिन्न प्रकार की विवरणियों को निर्धारित समय-सीमा में प्रस्तुत कर पाना संभव नहीं हो पा रहा है। इनके कार्यालयो, प्रतिष्ठानों में कार्यरत विभिन्न कर्मचारियों जैसे- एकाउंटेंट, डाटा एंट्री ऑपरेटर, प्रबंधन स्टाफ इत्यादि भी कोविड से संक्रमित होने के कारण या तो होम आइसोलेशन में है अथवा अस्पताल में हैं। इसी प्रकार व्यवसायियों के विभिन्न कर सलाहकार जैसे- चार्टर्ड एकाउंटेंट, कंपनी सेक्रेटरी, कर सलाहकार आदि भी इस महामारी से संक्रमित होने के कारण अपनी सेवाएं नहीं दे पा रहे हैं।

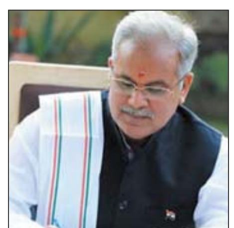

उपरोक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए चैम्बर द्वारा अनुरोध किया गया है कि अप्रैल एवं मई माह की विभिन्न तिथियों को आगामी 2 माह के लिये बढ़ाया जाए। मुख्यमंत्री ने लिखा है कि राज्य में वर्तमान में व्यापार-व्यवसायों के लगभग बंद होने जैसी स्थिति के कारण व्यवसाय एवं उद्योगों का नकदी प्रवाह बुरी तरह प्रभावित हुआ है एवं वर्तमान स्थिति में सुधार में लगने वाले संभावित समय को ध्यान में रखते हुए व्यवसायियों के द्वारा विभिन्न बैंकों व वित्तीय संस्थाओं से लिये गये ऋष्ा के मूलधन एवं ब्याज की वापसी में अत्यंत कठिनाई हो रही है। अतः चैम्बर द्वारा यह अनुरोध किया गया है कि उनके व्यवसाय संचालन हेतु लिये गये ऋष्ा के मूलधन एवं ब्याज की किश्तों के भुगतान की समय-सीमा में कम से कम 3 माह की स्थगन अवधि प्रदान किये जाने पर विचार किया जाए। श्री बघेल ने कहा है कि राज्य के चैम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा की गयी उपरोक्त दोनों मागों से राज्य शासन पूर्णतः सहमत है। ये दोनों ही विषय आपके मंत्रालय के क्षेत्राधिकार से संबंधित है। आपदा के इस गंभीर समय में राज्य के लघु एवं मध्यम व्यवसायियों की परेशानियों को दृष्टिगत रखते हुए इन पर गंभीरता से एवं सहानुभूतिपूर्वक विचार कर इन न्यायोचित मांगों पर शीघ सकारात्मक कदम उठाये जाने का आग्रह है। यह उपाय चालू वित्तीय वर्ष में राज्य के व्यवसायियों को वांछित राहत प्रदान करने में काफी सहायक राज्य के चैम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा की गयी उपरोक्त दोनों मागों से राज्य शासन पूर्णतः सहमत है। ये दोनों ही विषय आपके मंत्रालय के क्षेत्राधिकार से संबंधित है। आपदा के इस गंभीर समय में राज्य के लघु एवं मध्यम व्यवसायियों की परेशानियों को दृष्टिगत रखते हुए इन पर गंभीरता से एवं सहानुभूतिपूर्वक विचार कर इन न्यायोचित मांगों पर शीघ सकारात्मक कदम उठाये जाने का आग्रह है। यह उपाय चालू वित्तीय वर्ष में राज्य के व्यवसायियों को वांछित राहत प्रदान करने में काफी सहायक होंगे।

बंगाल में बीजेपी कार्यकर्ताओं पर हमला, 9 लोगों की मौत

गृह मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट

एजेंसी < कोलकाता
www.dailypioneer.com

बंगाल में विधानसभा चुनाव आने के बाद राजनीतिक हिंसा का सिलसिला शुरू हो गया है। नतीजे वाले दिन ही कोलकाता में बीजेपी के दफ्तर में आग लगा दी गई थी। सोमवार को भी पार्टी के दो कार्यकर्ताओं की पीट-पीटकर हत्या की खबर है। विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ताओं को निशाना बनाए जाने पर गृह मंत्रालय ने बंगाल सरकार से रिपोर्ट मांगी है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष ने दावा किया कि चुनाव के बाद शुरू हुई हिंसा में 24 घंटे में 9 लोगों की मौत हुई है। प्रदेश में डर का माहौल है। सत्ताधारी पार्टी हाथ बांध कर बैठी है। पुलिस कोई मदद नहीं कर रही है। हमने इस मसले पर राज्यपाल से मुलाकात की है। उन्होंने कार्रवाई का भरोसा दिया है। नॉर्थ 24 परगना जिले के भाटपाड़ा में भाजपा के ऑफिस और कुछ दुकानों पर कुछ लोगों ने हमला कर तोड़फोड़ की गई। इस दौरान बम भी फेंके गए। एक शख्स ने बताया कि ञस्ष्ट के उपद्रवियों ने मेरी दुकान लूट ली। यहां कम से कम 10 बम फेंके गए हैं। कूचबिहार के

सितलकुची से भी हिंसा की खबरें हैं। नंदीग्राम में बीजेपी के ऑफिस में तोड़फोड़ की गई। हल्दिया में रविवार शाम कुछ बदमाशों ने मीडियाकर्मियों से मारपीट की थी। राज्य में आगजनी, लूटपाट और हिंसा की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने सोमवार को पुलिस महानिदेशक और कोलकाता पुलिस कमिश्नर को लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति पर बात करने के लिए बुलाया। उन्होंने कहा कि नतीजे आने के बाद राज्य में हो रहीं हत्याएं खतरनाक स्थिति का संकेत हैं। पुलिस अफसरों से कानून का राज बहाल करने के लिए सभी कदम उठाने के लिए कहा गया है। राज्यपाल ने कहा कि यह दुख की बात है कि चुनाव के बाद राजनीतिक हिंसा में 9 लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए। इस तरह की राजनीतिक हिंसा और अराजकता की अनदेखी नहीं की जा सकती। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की।

सख्त टिप्पणियों को कड़वी घूंट की तरह लेना चाहिए : सुप्रीम कोर्ट

वार्ता < नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि अदालतों में मौखिक टिप्पणियों की रिपोर्टिंग से मीडिया को नहीं रोका जा सकता क्योंकि ये न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं और जनहित में हैं, साथ ही अदालतों की सख्त टिप्पणियों को 'कड़वी दवा की घूंट' की तरह लेना चाहिए। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एम आर शाह की खंडपीठ ने मद्रास उच्च न्यायालय की हाल की टिप्पणियों के खिलाफ चुनाव आयोग की याचिका की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। न्यायालय ने मामले में फैसला भी सुरक्षित रख लिया। मद्रास उच्च न्यायालय ने पिछले दिनों टिप्पणी की थी कि कोरोना की दूसरी लहर के लिए खुद आयोग जिम्मेदार है और उसके अधिकारियों पर हत्या का मुकदमा चलाया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, कि हम समझते हैं कि हत्या का आरोप लगाने से आप परेशान हैं। मैं अपनी बात करूं तो मैं ऐसी टिप्पणी नहीं करता, लेकिन उच्च न्यायालय की लोगों के अधिकार सुरक्षित रखने में एक बड़ी भूमिका है। न्यायमूर्ति शाह ने कहा कि उच्च न्यायालय की टिप्पणी को उसी तरह लेना चाहिए, जैसे डॉक्टर की कड़वी दवाई को लिया जाता है।

कर्नाटक में ऑक्सीजन की कमी से 24 लोगों की मौत

एजेंसी < चामराजनगर
www.dailypioneer.com

कर्नाटक के चामराजनगर जिले में पिछले 24 घंटों के दौरान ऑक्सीजन की कमी के कारण विभिन्न अस्पतालों में 24 कोरोना मरीजों की मौत हो गयी। चामराजनगर के उपायुक्त रवि ने कहा कि इनमें से 23 मरीजों की मौत सरकारी अस्पतालों में हुई जबकि एक अन्य मरीज ने निजी अस्पताल में दम तोड़ा। उन्होंने बताया कि मरीजों की मौत रविवार को आठ बजे से सोमवार के आठ बजे के बीच हुई। इसके अलावा 11 अन्य मरीजों की मौत विभिन्न प्रकार की गंभीर बीमारियों के कारण होने की रिपोर्टें सामने आई हैं। डा. रवि ने कहा कि जिन मरीजों की मौत हुई वे सभी वेंटिलेटर पर थे। उन्होंने कहा कि इन मरीजों की मौत ऑक्सीजन की कमी के कारण हुई हों यह जरूरी नहीं हैं। चामराजनगर में कोरोना रोगियों की मौत के कारण यहां पास के क्षेत्रों के लोगों में ऑक्सीजन की कमी को लेकर दहशत फैल गई है। उन्होंने कहा कि रविवार से सोमवार की सुबह तक 24 कोरोना रोगियों की मौत हुई है। हम यह नहीं कह सकते कि सभी की मौत ऑक्सीजन की कमी के कारण हुई है। जिला प्रभारी और प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा मंत्री सुरेश कुमार ने बेंगलुरु में संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने चामराजनगर जिले से मृत्यु के आंकड़े मांगे हैं और मौत के सही कारण का पता लगाया जाएगा। दोषी पाये जाने वाले लोगों को सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। मृतकों के परिजनों ने अस्पताल के सामने विरोध प्रदर्शन किया तथा दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

वरुण और संदीप के कोरोना संक्रमित होने के कारण बेंगलुरु-कोलकाता का मुकाबला स्थगित

एजेंसी < अहमदाबाद
www.dailypioneer.com

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और तेज गेंदबाज संदीप वारियर के कोरोना से संक्रमित होने के कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और केकेआर के बीच आज यहां होने वाला आईपीएल 14 का 30वां मुकाबला स्थगित कर दिया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने वरुण और संदीप के कोरोना संक्रमित होने के बाद यह मुकाबला स्थगित किए जाने की पुष्टि की है। जानकारी के मुताबिक कोरोना का मामला तब सामने आया, जब वरुण चक्रवर्ती को पेट की समस्या के चलते अस्पताल ले जाया गया। बाद में कोरोना टेस्ट में संदीप भी वायरस से संक्रमित पाए गए। फिलहाल पूरा केकेआर शिविर अपने अहमदाबाद के होटल में तुरंत क्वारंटीन में चला गया है। बीसीसीआई के मुताबिक टीम के अन्य सदस्य नेगेटिव पाए गए हैं। देश भर में कोरोना से जो स्थिति है उसको देखते हुए आईपीएल काफी सतर्कता बरत रहा है, लेकिन बावजूद इसके बायो-बबल में कोरोना संक्रमण के मामले सामने आना आईपीएल को संकट में डाल सकता है।

अब तक एक करोड़ 62 लाख 93 हजार से अधिक लोग कोरोना को मात दे चुके

देश में कोरोना के 3.68 लाख से अधिक नये मामले

वार्ता < नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) के भयावह रूप लेने के बीच पिछले 24 घंटों के दौरान इसके 3,68,147 नए मामले सामने आने के साथ संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर दो करोड़ के करीब पहुंच गयी है और इस अवधि में 3,417 लोगों की जान जाने से मृतकों की संख्या 2,18,959 हो गयी है। इस बीच राहत की बात यह रही कि तीन लाख से ज्यादा लोगों ने इस महामारी को मात दी है। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान 12,10,347 लोगों का टीकाकरण होने के साथ ही अब तक 15 करोड़ 71 लाख 98 हजार 207 लोगों को टीका लगाया जा चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान देश में 3,68,147 नये मामले आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर एक करोड़ 99 लाख 25 हजार 604 हो गया। इस दौरान 3,00,732 मरीज स्वस्थ भी हुए हैं। देश में अब तक एक करोड़ 62 लाख 93 हजार से अधिक लोग कोरोना को मात दे चुके हैं। इसी दौरान सक्रिय मामलों में लगातार बढ़ोतरी से इनकी संख्या 34,13,642 हो गयी है। वहीं 3417 और मरीजों की

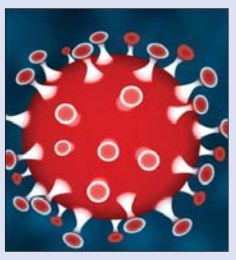

मौत के साथ इस बीमारी से मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 2,18,959 हो गया है। देश में रिकवरी रेट घटकर 81.77 प्रतिशत रह गयी जो कि चिंता की बात है और सक्रिय मामलों की दर बढ़कर 17.13 फीसदी हो गयी है, जो कि कुछ राहत की बात है, जबकि मृत्युदर घटकर 1.1 फीसदी हो गयी है। महाराष्ट्र कोरोना के सक्रिय मामलों में शीर्ष पर है और पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामलों में 4622 की बढ़ोतरी होने के बाद इनकी कुल संख्या बढ़कर 6,70,459 हो गई है। इस दौरान राज्य में 51,356 और मरीजों के ठीक होने के बाद कोरोना को मात देने वालों की तादाद बढ़कर 39,81,658 हो गयी है जबकि 669 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 70,284 हो गया है।

विश्व में कोरोना संक्रमण से 31.92 लाख से अधिक लोगों की मौत

विश्व भर में कोरोना संक्रमण तेजी से पांव पसारते जा रहा है और इस वायरस के संक्रमण से अभी तक 31.92 लाख से अधिक लोगों की मौत हो गयी और 15.22 करोड से अधिक लोग इससे प्रभावित हुए हैं। कोरोना संक्रमण से मरने वालों में अमेरिका शीर्ष पर है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केंद्र (सीएसएसई) की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार दुनिया के 192 देशों एवं क्षेत्रों में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 15 करोड़ 22 लाख पांच हजार 608 हो गयी है, जबकि 31 लाख 92 हजार 852 लोगों की मौत हो चुकी है। वैश्विक महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना वायरस का कहर तेजी से बढ़ता जा रहा है तथा यहां संक्रमितों की संख्या तीन करोड़ 23 लाख 92 हजार से अधिक हो गयी है जबकि 5,76,722 मरीजों की इस महामारी से मौत हो चुकी है। दुनिया में कोरोना संक्रमितों के मामले में भारत दूसरे स्थान पर और मृतकों के मामले में चौथे स्थान पर है। पिछले 24 घंटे में 3,92,488 नये मामले आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर एक करोड़ 95 लाख 57 हजार 457 हो गया। इस दौरान 3,07,865 मरीज स्वस्थ होने के साथ इससे निजात पाने वालों की कुल संख्या एक करोड़ 59 लाख 52 हजार 271 हो गयी है।

केजरीवाल ने होम आइसोलेशन प्रणाली को मजबूत करने के लिए ली समीक्षा बैठक

एजेंसी < नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने होम आइसोलेशन प्रणाली को और मजबूत करने के उद्देश्य से आज समीक्षा बैठक की जिसमें अधिकारियों को होम आइसोलेशन को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। श्री केजरीवाल ने निर्देश दिए गए कि दिल्ली में प्रतिदिन हो रही कोरोना जांच का स्पष्ट रिकॉर्ड रखा जाए। रिकॉर्ड में यह स्पष्ट किया जाए कि कितने लोग अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं और कितने लोग होम आइसोलेशन में घर पर ही अपना इलाज करा रहे हैं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि होम आइसोलेशन में इलाज करा रहे लोगों के पास हर हाल में 24 घंटे के अंदर डॉक्टर की कॉल चली जानी चाहिए, ताकि उनकी काउंसलिंग जल्द शुरू की जा सके।

साथ ही, जिन मरीजों के पास ऑक्सीमीटर नहीं है, उन्हें किट के साथ ऑक्सीमीटर भी तत्काल मुहैया कराई जाए। मुख्यमंत्री ने दिल्ली में कोरोना संक्रमित मरीजों का होम आइसोलेशन में बेहतर इलाज मुहैया कराने को लेकर आज दिल्ली सचिवालय में समीक्षा बैठक की जिसमें उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के अलावा मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य) और संभागीय आयुक्त समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को होम आइसोलेशन में इलाज करा रहे लोगों को दी जा रही सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि होम आइसोलेशन में अपना इलाज करा रहे मरीजों की अच्छी देखभाल की जा रही है और उनके स्वास्थ्य पर हर पल नजर रखी जा रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री के निर्देश पर होम आइसोलेशन को और प्रभावी मनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि होम आइसोलेशन प्रणाली को और अधिक मजबूत करने की जरूरत है, ताकि घर पर इलाज करा रहे मरीजों को समय से अच्छी काउंसलिंग के साथ अच्छा इलाज मिल सके। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि दिल्ली में प्रतिदिन होने वाली कोरोना की जांच का बहुत ही स्पष्ट और साफ रिकॉर्ड रखा जाए। रिकॉर्ड में यह भी दर्शाया जाए कि जो लोग कोरोना संक्रमित पाए जा रहे हैं, उनमें से कितने लोगों को इलाज कराने के लिए अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ रही है।

महामारी संक्रमण से निपटने राज्यपाल उईके ने आदिवासी समाज प्रमुखों से की सहयोग की अपील

टीकाकरण ब्रम्हास्त्र है इसके लिये लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता : राज्यपाल

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्यपाल अनुसुईया उईके ने आदिवासी समाज के प्रमुखों के साथ आयोजित वर्चुअल बैठक में वैश्विक महामारी का रूप ले चुकी कोरोना संक्रमण की स्थिति से निपटने के लिए प्रदेश के आदिवासी समाज प्रमुखों से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस समय प्रदेश एवं देश में कोरोना वायरस का संक्रमण बहुत तेजी से बढ़ रहा है जिसकी वजह से संसाधनों की कमी के साथ ही साथ आर्थिक गतिविधियॉ भी प्रभावित हो रही हैं और आमजनों को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कोरोना महामारी के संक्रमण से निपटने के लिये सभी की भागीदारी अत्यन्त आवश्यक है। आज महामारी से बचने के लिये प्रदेश एवं देश के सभी नागरिकों को एकजुट होकर अपने कर्तव्यों को निभाना है तभी हम इस महामारी पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। राज्यपाल उईके ने कहा कि हम कोविड से बहुत अधिक भयभीत हो गये हैं जिसकी वजह से अवसाद की स्थिति निर्मित होती है और व्यक्ति गंभीररूप से पीड़ित हो जाता है। मेरा ऐसा मानना है कि कोविड से भयभीत न हों मुकाबला करें और आत्मबल एवं संयम रखें। सकारात्मक भाव रखें, अपने लिये, अपने परिवार, पड़ोसियों, मित्रों के लिये, प्रदेश एवं देश के लिये अच्छा सोचें, अपने ईश्वर पर भरोसा रखें वह जो भी करेगें वह हमारे अच्छे के लिये ही होगा। उईके ने कहा कि हमने महामारी को हल्के रूप में लेकर कोविड प्रोटोकाल, कोविड बिहेवियर जो कि समय समय पर चिकित्सा विज्ञानियों के परामर्श से सरकार द्वारा जारी किये गये हैं उनका पालन करना छोड़ दिया था जिसके परिणामस्वरूप आज यह भयावह स्थिति आ गई है। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों, मनौवैज्ञानिकों, अध्यात्मिक गुरूओं, शासन द्वारा बताए जा रहे उपायों का पालन करें। हमारी प्राचीन चिकित्सा पद्धति, योग, व्यायाम, आहार, विहार, दिनचर्या का पालन करें तो निश्चित रूप से हम इस महामारी से मुक्ति पा सकते हैं।

राज्यपाल ईके ने कहा कि अच्छी बात यह है कि संक्रमण से बचने के लिये टीकाकरण प्रारंभ हो चुका है किन्तु टीकाकरण के प्रति जागरूकता का अभाव है। टीकाकरण ब्रम्हास्त्र है इसके लिये लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। वर्तमान परिस्थितियों में ÷दो गज दूरी मास्क है जरूरी÷ एवं ÷दवाई भी और कड़ाई भी÷ का नारा कारगर साबित हो सकता है। इस समय टीकाकरण प्रारंभ हो चुका है और देश में दो वैक्सीन लगाई जा रही है वे हैं कोविशील्ड और कोवैक्सीन। ये दोनो ही वैक्सीन सुरक्षित है। वैक्सीन हमारे शरीर को किसी बीमारी, वायरस या संक्रमण से लड़ने के लिए तैयार करते है। ये शरीर के इम्युन सिस्टम को वायरस की पहचान करने के लिए प्रेरित करती है और उनके खिलाफ एंटीबॉडी बनाते है, जो बाहरी हमले से लड़ने में हमारे शरीर की मदद करते है। कोविड वैक्सीनेशन न सिर्फ कोविड-19 से आपको सुरक्षा देती है अपितु दूसरों को भी सुरक्षित करती है। यह टीकाकरण इस कोरोना महामारी से बाहर निकलने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। मेरी अपील है कि अफवाह पर ध्यान न देकर अपने विवेक का परिचय देते हुए वैक्सीनेसन जरूर करवाएं एवं अपने देश को इस महामारी से बाहर निकालने में एक जिम्मेदार युवा नागरिक के रूप में अपनी भूमिका का निर्वाह करें।

हर जिले में अब कोरोना के इलाज के लिए डेडिकेटेड अस्पताल

- छह मेडिकल कालेज और एम्स रायपुर सहित 37 डेडिकेटेड व कुल 154 कोविड केयर सेंटर तैयार

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में अब कोरोना के इलाज के लिए लोगों को बड़े शहरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। राज्य के हर जिले में डेडिकेटेड अस्पताल शुरू कर दिया है। कोरोना मरीजों के लिए विशेष रूप से तैयार इन अस्पतालों में बड़े शहरों और अस्पतालों की सभी सुविधाएं मौजूद हैं। कोरोना के इलाज के लिए राज्य के सभी छह सरकारी मेडिकल कालेज और एम्स रायपुर सहित 37 डेडिकेटेड और कुल 154 कोविड केयर सेंटर तैयार किए गए हैं। सरकारी डेडिकेटेड कोविड हास्पिटल में पांच हजार 294 बेड व कोविड केयर सेंटर में 16 हजार 395 बेड तैयार किए गए हैं। निजी कोविड अस्पताल में कुल नौ हजार 596 बेड तैयार किए गए हैं। वहीं, एक हजार 151 वेंटिलेटर उपलब्ध है। आक्सीजन युक्त बेड की संख्या बढ़ाने के लिए 15 नए आक्सीजन जनरेशन प्लांट स्थापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त नौ प्लांट प्रक्रियाधीन हैं, जो अगले एक सप्ताह में प्रारंभ हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रतिदिन हालात की समीक्षा कर रहे हैं। राज्य में कोरोना जांच, इलाज व टीकाकरण की सुविधा बढ़ाने आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि कोरोना संक्रमण की रोकथाम व मरीजों के इलाज के लिए फंड की कोई कमी नहीं होगी। स्वास्थ्य विभाग के अफसरों ने बताया कि रायपुर मेडिकल कालेज में एक विशेष टेलीकंसल्टेशन हब स्थापित किया गया है, जिसके माध्यम से मेडिकल कालेज के विषय विशेषज्ञ हर दिन सभी सरकारी डेडिकेटेड कोविड अस्पतालों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संपर्क स्थापित कर उन्हें टेलीकंसल्टेशन दी जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर टेली राउंड भी लिए जाते हैं। अब तक राज्य में 2.5 लाख से अधिक लोगों को होम आइसोलेशन प्रदाय किया गया है, जिसमें 90 फीसद मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। होम आइसोलेटेड मरीजों की निगरानी के लिए प्रत्येक जिले में कंट्रोल रूम की स्थापना भी की गई है। राज्य में वर्तमान में 31 शासकीय लैब व पांच निजी लैब में ट्रू-नाट जांच की सुविधा उपलब्ध है। सात शासकीय लैब और पांच प्राइवेट लैब में आरटीपीसीआर जांच की सुविधा उपलब्ध है। रैपिड एंटीजन टेस्ट की सुविधा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर तक में उपलब्ध है।

जीवन रक्षक दवा और एक्स-रे मशीन की खरीदारी अटकी, शिकायत सीएम तक पहुंची

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में कोरोना के बढ़ते प्रकोप से लोगों की मौत हो रही है, लेकिन दवा और मशीन की खरीदी को लेकर छत्तीसगढ़ राज्य मेडिकल सर्विसेज कारपोरेशन (सीजीएमएससी) गंभीर नहीं है। कोरोना काल में जीवन रक्षक दवाओं और एक्स-रे मशीन की सीजीएमएससी से खरीदी नहीं हो पा रही है। सीजीएमएससी के अधिकारियों के रवैए के कारण खरीदी प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। प्रदेश के 21 जिलों में एक्स-रे मशीन की खरीदी होनी थी। इसके लिए 14 सितंबर 2020 को आर्डर हो गया, लेकिन अब तक खरीदी नहीं हुई। यही नहीं, जीवन रक्षक दवा फेवीपिराविर की 77 लाख टेबलेट के लिए 13 अप्रैल को डिमांग नोटिस भेजा गया, लेकिन अधिकारियों ने प्रक्रिया तक शुरू नहीं की। अब इस पूरे मामले की शिकायत मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और स्वास्थ्य विभाग की एससीएस से की गई है। स्वास्थ्य संचालनालय के अधिकारियों ने बताया कि सीजीएमएससी को दवा और अन्य सामग्री की खरीदी के लिए डिमांड नोटिस भेजा गया है। राज्य सरकार ने कोरोना काल में खरीदी के लिए कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी की स्वीकृति के बाद भी सुस्त प्रक्रिया के कारण खरीदी नहीं हो पा रही है। अधिकारियों ने बताया कि 13 अप्रैल को दवा, एंटीजन टेस्ट किट, इंजेक्शन, सैनिटाइजर, सर्जिकल ग्लब्स, थर्मल स्कैनर सहित 32 आइटम की खरीदी का प्रस्ताव भेजा गया था। अब तक इसमें से आधे से ज्यादा आइटम की खरीदी की प्रक्रिया शुरू ही नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि खरीदी की सुस्त रफ्तार के कारण ही रेमडेसिविर और अन्य इंजेक्शन के लिए मरीजों को भटकना पड़ा।

देरी की कराएंगे जांच

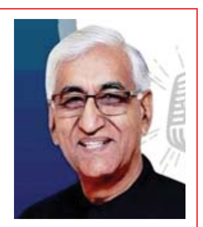

स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि जीवन रक्षक दवाओं की खरीदी की प्रक्रिया चल रही है। कुछ दवाओं और एक्स-रे मशीन की खरीदी में देरी हो रही है तो सीजीएमएससी के अधिकारियों से जानकारी ली जाएगी। किन कारणों से देरी हो रही है, उसकी जानकारी लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कोरोना के खिलाफ लड़ाई में स्वास्थ्य महकमा पूरी तरह से मुस्तैद

- कर्मवीर कोरोना योध्दा हमारे चिकित्सक

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

विश्व महामारी कोरोना के खिलाफ लड़ाई में स्वास्थ्य महकमा पूरी तरह से मुस्तैद है, लोगों को कहते सुना जा सकता है कि आज के समय मे चिकित्सक हमारे तारनहार है, जो कोरोना महामारी के सामने दीवार की तरह खड़े होकर समाज व देश के प्रति अपने कर्तव्यों का बखूबी से निर्वहन कर रहे हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तिल्दा, जिला-रायपुर में पदस्थ डॉ. पिंकी घृतलहरे अपने कर्तव्यों का निर्वहन करती हुई स्वयं, इनके एक वर्ष का पुत्र एवं पति डॉ. भुवनेश्वर घृतलहरे तीनों कोरोना पाजिटिव हो गये। डॉ. पिंकी घृतलहरे कहती है कि चिकित्सा फिल्ड के होने के बावजूद हम बहुत घबरा गए थे, खासकर एक वर्ष के पुत्र के बारे में ज्यादा चिंता होने लगी परन्तु धैर्य और हिम्मत और सकारात्मक सोच के साथ हम तीनों होम आइसोलेसन में हैं और एक सप्ताह मे ही होम आइसोलेशन के गाइडलाइन के सही तरीके से पालन करने से स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। आइसोलेशन की अवधि पूर्ण होते ही फिर से अपनी ड्यूटी पर दोगुनी ऊर्जा के साथ उपस्थित होकर, किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है, कर्तव्य मार्ग से पीछे नहीं हट सकती, भारत को कोरोना मुक्त करने में सहभागी बनूँगी। स्वयं पाजिटिव, होम आइसोलेशन में रहने के बावजूद भी होम आइसोलेशन में रहने वाले कोरोना पाजिटिव मरीजों का इलाज एवं चिकित्सकीय परामर्श लगातार कर रही है। डॉ. पिंकी घृतलहरे कहती है कि मरीजों की सेवा करना हमारा फर्ज है। इनके पति डॉ भुवनेश्वर घृतलहरे होम आइसोलेशन कन्ट्रोल रुम रायपुर में सेवारत हैं। वे कहते है कि जन मानस की सेवा करने का अवसर है। इस कोरोना महामारी को रोकने के लिए यथा संभव जतन करने के लिए संकल्पित है। मार्च 2020 से अब तक कोरोना महामारी के रोकथाम एवं बचाव, तथा कोरोना मरीजों को आवश्यक चिकित्सकीय उपचार परामर्श में लगातार लगे हुए हैं।

जैन सामाजिक संगठन 700 से ज्यादा मरीजों को दे रहा राहत

- 45 से अधिक ऑक्सीजन मशीन की सुविधा उपलब्ध कराई गई

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के तहत जैन दादाबाड़ी में चलाए जा रहे सेवाभावना कार्यों में 45 से अधिक ऑक्सीजन मशीन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पिछले 20 दिनों में 700 से अधिक मरीजों की उखड़ रही श्वांसों को वापस लाने में कामयाबी हासिल की है। राजधानी के अलावा आसपास के 10 से ज्यादा शहरों में जरूरमंदों को आक्सीजन मशीन भेजकर लाभ पहुंचाया गया। समिति के अध्यक्ष महेंद्र कोचर एवं महासचिव चंद्रेश शाह ने बताया कि कोरोना मरीजों को ठीक होने तक भगवान महावीर ऑक्सीजन सुविधा दी जा रही है। रायपुर, बालोद, डोंडीलोहारा, राजिम, अभनपुर, खैरागढ़, कांकेर, बालाघाट आदि अनेक क्षेत्रों में मशीनें भेजी गई।कई मरीजों को 10-12 दिनों तक लगातार कंसंट्रेटर मशीन या सिलेंडर दिए गए। यह सुविधा जैन दादाबाड़ी में भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति, ऋषभदेव जैन मंदिर ट्रस्ट व एस पी जी ग्रुप द्वारा संचालित हो रही है।

ऑक्सीजन लेवल 65 से 93 पहुंचा : संयोजक मनोज कोठारी व पंकज कांकरिया ने बताया कि एक मरीज के रिश्तेदार का कॉल आया कि वे घर पर ही डाक्टर की देखरेख में अपने बुजुर्ग पिता को रखना चाहते हैं, लेकिन इसके लिये उन्हें लगातार ऑक्सीजन सिलेंडर की जरूरत होगी। हमारी समिति ने पूरे सहयोग का भरोसा दिलाया और उन्हें सुबह शाम दोनों समय जेम्बो ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराया। इमरजेंसी के लिए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर भी दिया गया। सिलेंडर के बदलते समय मरीज को कंसंट्रेटर पर रखते रहे। लगातार 20 दिनों की मेहनत से मरीज ऑक्सीजन सिलेंडर से बाहर निकल कर कंसंट्रेटर के सहारे 93 ऑक्सीजन लेवल पर स्थिर है। महेंद्र कोचर ने बताया कि 45 कंसंट्रेटर व 40 सिलेंडर की सुविधा जारी रहेगी। आवश्यकता पड़ने पर सुविधा का विस्तार किया जाएगा।

कोरोना मरीजों की बेहतर उपचार के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं में हो रहा लगातार विस्तार

रायपुर। कोरोना संक्रमण की रोकथाम और कोरोना मरीजों की बेहतर उपचार के लिए राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार विस्तार किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज गरियाबंद जिला चिकित्सालय में दो नए एंबुलेंस के साथ ही ऑक्सीजन बेड की सुविधा में विस्तार किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन की पहल से गरियाबंद जिले को दो नए एंबुलेंस प्राप्त हुए हैं। इससे मरीजों को लाने-लेजाने में सुविधा होगी। इसी तरह ऑक्सीजन बेड की संख्या को भी बढ़ाया गया है। जिले में अब 90 आक्सीजनयुक्त बेड हो गये हैं। अब डेडिकेटेड हॉस्पिटल लाइवलीहुड कॉलेज में 50 बिस्तर आक्सीजन युक्त हो गए हैं। वही कोविड केयर सेंटर पॉलिटेक्निक में 30 बिस्तर को सेंट्रल लाइन ऑक्सीजन से जोड़ा गया है। जिला चिकित्सालय में 10 बिस्तर को ऑक्सीजन युक्त बनाया गया है। मरीजों के बेहतर इलाज के लिए पांच वेंटिलेटर और पांच आईसीयू बेड के लिए भी प्रयास जारी है। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 11 हजार 322 मरीज रिकवर हो चुके हैं, जबकि 3528 एक्टिव केस हैं, जिनका होम आइसोलेशन और कोविड हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

एसपी ऑफिस में पदस्थ एएसआई की मौत

- अब तक 200 पुलिसकर्मी हो चुके हैं संक्रमित

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

रायपुर एसपी ऑफिस में एएसआई के पद पर पदस्थ 37 वर्षीय कोमल देवांगन ड्यूटी करने के दौरान बीते दिनों कोरोना पॉजिटिव मिले थे। पिछले एक हफ्ते से मेकाहारा अस्पताल में इलाज चल रहा था। सुबह तबीयत ज्यादा बिगड़ गई और उन्होंने दम तोड़ दिया।

राजधानी रायपुर में कोरोना वायरस अपना कहर बरपा रहा है। रोजाना सबसे अधिक संक्रमित मरीज यही से मिल रहे है. इसी बीच सोमवार को एक एएसआई की कोरोना से मौत हो गई है। संक्रमित पाए जाने के बाद मेकाहारा अस्पताल में इलाज चल रहा था। एएसआई कोमल देवांगन के निधन के बाद मारवाड़ी शमशान घाट में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उसके बाद शमशान घाट में उनका अंतिम संस्कार भी किया गया। इस दौरान वहां मौजूद सभी पुलिसकर्मियों की आंखे नम थी। पुलिसकर्मियों ने एएसआई को श्रद्धांजलि भी दी।

200 पुलिसकर्मी कोरोना संक्रमित

रायपुर में पुलिस वाले दिन रात सड़कों पर आम जनता की सुरक्षा के खड़े रहते हैं। ड्यूटी करते-करते कोरोना की चपेट में भी आ रहे हैं। राजधानी में अब तक 200 से अधिक पुलिसकर्मी कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं।

डींगें हांकती रही भूपेश सरकार, असम की जनता ने छत्तीसगढ़ फॉर्मूले को नकारा- पूर्व मंत्री ने कोरोना के आंकड़ों पर उठाए सवाल

असम की हार छत्तीसगढ़ कांग्रेस, भूपेश सरकार की हार : बृजमोहन

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

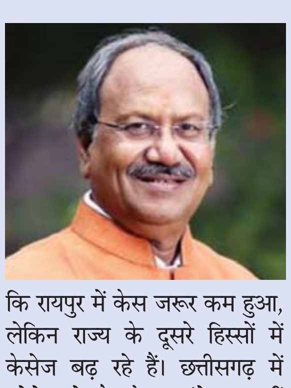

पूर्व मंत्री और विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार डींगें हांक रही थी। पूरी सरकार असम में डटी रही और यहां कोरोना से लोग मरते रहे। उन्होंने कहा कि असम की जनता ने छत्तीसगढ़ फॉर्मूले को नकार दिया है। ये हार छत्तीसगढ़ कांग्रेस, भूपेश सरकार की हार है। असम की जनता ने वास्तविक स्थिति को बयां कर दिया है।

देश के पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आ गए हैं। इस पर छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री व विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस देश से खत्म हो गई है। 5 राज्यों के चुनाव ने यह बता दिया है। कोरोना को लेकर बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि रायपुर में केस जरूर कम हुआ, लेकिन राज्य के दूसरे हिस्सों में केसेज बढ़ रहे हैं। छत्तीसगढ़ में कोरोना से मौत के आकंड़े कम नहीं हुए हैं। कोई भी कदम सतर्कता के साथ उठाये जाने की जरूरत है, नहीं तो स्थिति और खतरनाक हो सकती है। उन्होंने कहा कि जांजगीर कलेक्टर ने निजी ऑक्सीजन के उपयोग पर पाबंदी लगा दिया है। ऑक्सीजन के इंचार्ज बनाये गए अय्याज तम्बोली से मैंने कहा था कि ऑक्सीजन का स्टॉक करके रखा जाए, लेकिन ये नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि चिड़िया चुग गई खेत तो रोने से क्या फायदा। लोगों को जब वेंन्टीलेटर नहीं मिल रहा था, तब सरकार के हांथ पांव फूल रहे थे। बृहमोहन ने कहा कि आज राजधानी में स्थिति सुधरी है, लेकिन राज्य के दूसरे हिस्सों में आज भी केसेज कम नहीं आ रहे। वैक्सीननेशन को लेकर देश में एक नीति बनी है। यहाँ सरकार इसे अजूबा ना बनाए।

असम में भाजपा की जीत, मेहनत का प्रतिफल : साय

असम विधानसभा चुनाव के दौरान छ्त्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने एक माह तक कैंप करके अपने प्रभार के 29 सीटों में 20 सीटों में विजय दिलाने के लिये सफल योजनायें बनाई थी. इसका नतीजा रहा कि भाजपा फिर दूसरी बार सत्ता में काबिज हुई है। तीन लोकसभा क्षेत्र के 29 सीटों पर लोकसभा वार प्रभारी नियुक्त किया गया था. भाजपा प्रदेश महामंत्री किरण देव को जोरहट लोकसभा के दस सीटों का प्रभार दिया गया था, उसमें 5 जीत जीतने में भाजपा सफल हुई है. भाजपा प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव को तेजपुर लोकसभा के 9 सीटें जीताने की जिम्मेदारी दी गयी थी, जहां पर भाजपा ने 9 सीटों पर विजय हासिल किया है. वहीं कलियाबर लोकसभा के 10 में से 6 सीटों पर भाजपा ने परचम लहराया है, यहां पर विनोद शुक्ला व ड़ॉ. देवेन्द्र शर्मा को प्रभार दिया गया था। इसके साथ ही अलग-अलग विधानसभा वार छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई थी। भाजपा के राष्टीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह मुख्यमंत्री ड़ॉ. रमन सिंह की तेजपुर, बोरसोला, डिबरूगढ़ में चार सभाएं हुई, जहां पर भाजपा को आशातीत परिणाम मिले हैं। भाजपा के इस जीत से असम में सत्ता राह और आसान हुई है। इनके साथ प्रमुख रूप से पूर्व सांसद चंदूलाल साहू, पूर्व सांसद कमलभान सिंह, अभिषेक सिंह, पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसाव, लखन देवांगन, संतोष उपाध्याय, नवीन मार्रकंडेय, विरेन्द्र साहू, प्रवक्ता अनुराग सिंहदेव, नीलू शर्मा, डॉ.सुनील साहू, रामू रोहरा सहित कार्यकर्ता की टीम जुटी रही।

असम में फेल हो गया छत्तीसगढ़ का जादू, मुख्यमंत्री भले ही जोश भरने में कामयाब रहे, जीते नहीं

असम विधानसभा चुनाव में टीम छत्तीसगढ़ का जादू नहीं चला। कमजोर संगठन और असम कांग्रेस के निराश नेताओं में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भले ही जोश भरने में कामयाब रहे हो, लेकिन जीत का जादुई आंकड़ों तक नहीं पहुंचा पाए। वहां सत्ताधारी भाजपा गठबंधन बहुमत का आंकड़ा पार कर गया है। भाजपा के इस नए गढ़ को भेदने के लिए छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने अपनी रणनीति का इस्तेमाल किया, लेकिन कांग्रेस गठबंधन को बहुमत के करीब भी नहीं पहुंचा पाए। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने असम में जिन 36 विधानसभा सीटों पर अपना चुनाव प्रचार फोकस किया था, उनमें से केवल 11 सीटें कांग्रेस के पक्ष में आई हैं। असम में कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ माडल के आधार पर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को वरिष्ठ पर्यवेक्षक और राष्ट्रीय सचिव विकास उपाध्याय को प्रभारी सचिव बनाया था। कांग्रेस ने पांच गारंटी दी थी और छत्तीसगढ़ की तर्ज पर पूरा करने का वादा किया था, लेकिन यह गारंटी वोटरों को नहीं भाई। प्रदेश के करीब एक हजार नेताओं और कार्यकर्ताओं ने असम में दो महीने तक प्रचार किया। टीम भूपेश ने बूथ स्तर पर मैनेजमेंट किया, लेकिन परिणाम बेहतर नहीं आए। छत्तीसगढ़ कांग्रेस की टीम ने बूथ स्तर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने के साथ ही गली-मोहल्लों में पैम्पलेट बांटने तक का काम किया। इनका फोकस अपर और मिडिल असम पर था। जहां चाय बागानों के आसपास छत्तीसगढ़िया मूल के लाखों लोग रहते हैं। चाय मजदूरों, सीएए-एनआरसी विरोधी आंदोलन, स्थानीयतावाद और क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन के साथ कांग्रेस को सत्ता में वापसी की उम्मीद थी।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में प्रवेश के लिए जारी हुआ आदेश

रायपुर। कोरोना लॉकडाउन में स्कूलों में सालभर से तालाबंदी की स्थिति है। ऐसी स्थिति में आगे की सोच को अंजाम देते हुए सत्र 2012-22 में स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेज़ी माध्यम विद्यालय में प्रवेश के लिए संशोधित आदेश जारी किया गया है। लोक शिक्षण संचालनालय की ओर से जारी आदेश में शाला प्रबंधन समिति को ऑनलाइन की बजाए ऑफ़लाइन प्रवेश के लिए विकल्प का चयन करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पहली कक्षा में कोई भी विद्यार्थी प्रवेश ले सकता है। वहीं दूसरी कक्षा से बारहवीं तक अंग्रेज़ी माध्यम से पढ़कर आने वाले बच्चों को प्राथमिकता दी जाएगी। कक्षा एक में प्रवेश के लिए साढ़े पाँच से साढ़े 6 के बीच उम्र निर्धारित की गई है। लेकिन इन सबके बीच बड़ा सवाल यह है कि प्रदेश में लॉकडाउन के दौरान जब साइबर कैफे बंद है, स्कूल भी बंद है, तब ग़रीब पालक अपने बच्चों को स्कूल में प्रवेश कैसे कराएंगे।

नगर पालिका अध्यक्ष पूजा साव ने सुविधा उपलब्ध कराने एनएमडीसी को लिखा पत्र

इस क्षेत्र में सभी नागरिक एनएमडीसी की चिकित्सा व्यवस्था पर निर्भर है

पायनियर संवाददाता ◄ बचेली
www.dailypioneer.com

नगर पालिका अध्यक्ष पूजा साव नें सीटी स्कैन मशीन और आक्सीजन प्लांट हेतु एनएमडीसी प्रबंधन को लिखा पत्र है। पत्र में एनएमडीसी प्रबंधन को पांच अतिआवश्यक मांगों से अवगत कराया है। 1. बैलाडीला परियोजना क्षेत्र में एवं दंतेवाड़ा जिला अस्पताल हेतु सीटी स्कैन मशीन की तत्काल व्यवस्था। 2.उचित क्षमता का सीजन प्लांट का अति शीघ्र निर्माण 3.परियोजना अस्पतालों में उचित मात्रा में वेंटीलेटर युक्त बिस्तर एवं प्रशिक्षित स्टाफ की व्यवस्था। 4.अस्पताल में ऑक्सीजन कान्स्टेर्टर मशीनो की उचित मात्रा में व्यवस्था 5. बैलाडीला परियोजना में वेंटिलेटर युक्त एंबुलेंस की व्यवस्था।

पत्र के माध्यम पूजा साव ने कहा भारतवर्ष में फैले कोविड-19 संक्रमण के फल स्वरुप वर्तमान चिकित्सा व्यवस्था गंभीर समस्या का सामना कर रही है। संक्रमित मरीजों की संख्या तीव्र रफ्तार से बढ़ने के कारण वर्तमान व्यवस्था चरमरा चुकी है। संक्रमित मरीजों के इलाज हेतु अस्पताल में भर्ती होने की लंबी कतार के कारण चिकित्सा एवं ऑक्सीजन की गंभीर कमी के चलते कई मरीजों की असमय मृत्यू हो रही हैं। आगे व्यवस्था और खराब होने की आशंका है। सरकारी अपनी ओर से व्यवस्था में सुधार लेने हेतु गंभीरता से प्रयासरत है। किंतु संक्रमण की संख्या के आगे बेबस प्रतीत हो रही है। हमारे निगम के बैलाडीला जैसे सुदूर एवं अति पिछड़े इलाके में कार्यरत कर्मचारियों ने उक्त गंभीर परिस्थिति में भी अथक प्रयासों से आपके कुशल नेतृत्व में अविस्मरणीय परिणाम दे रहे हैं। निगम के उत्पादन एवं प्रसन्न में लगातार प्रगति प्रदर्शित करते हुए

प्रयासों में कमी ना होने देने हेतू संक्लपित हैं। ऐसे में कर्मचारियों हेतू स्वास्थ्य सुविधाओं का ध्यान रखना अतिआवश्यक हैं। इस क्षेत्र में कार्यरत समस्त कर्मचारी, निवासरत समस्त नागरिक ,अपनी चिकित्सिय आवश्यकता हेतू। एमएमडीसी की चिकित्सा व्यवस्था पर ही निर्भर है। हालांकि एनएमडीसी अपने कर्मचारी की चिकित्सा हेतु हमेशा तत्पर रहती हैं। तथा अपने कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों के इलाज हेतु देश के उच्चस्तरीय अस्पतालों में चिकित्सा हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान कर रही हैं। आज भी क्षेत्र में कार्यरत किसी भी कर्मचारी अथवा उनके आश्रित के कोरोना के संक्रमित होने की स्थिति में उनके बेहतर इलाज हेतु उच्च स्तरीय चिकित्सा संस्थानों में रेफर कर चिकित्सा करवा रही हैं।

इस हेतु हमारी बचेली परियोजना को कोविड-19 के उपचार में छत्तीसगढ़ के सर्वोत्तम कोविड केयर सेंटर के रुप में चयनित किया गया है जो हमारे लिए गर्व का विषय हैं। देश में जारी वर्तमान कोविड-19 की दूसरी लहर एवं वायरस के नए म्यूटेंट के संक्रमण की तीव्र रफ्तार के कारण लगभग सभी अस्पताल पूर्ण रूप से मरीजों से भर तक भर चुके हैं। ऑक्सीजन सिलेंडर ऑक्सीजन प्लांट एवं दवाओं की कमी के कारण लोगों को अपने इलाज में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। जिसे यह प्रतीत होता है की, क्षेत्र के कर्मचारियों को भी इस परिस्थिति का सामना भविष्य में करना पड़ेगा। इस क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति एवं क्षेत्र का पिछड़ापन के कारण आज भी हमें किसी भी उच्च स्तरीय चिकित्सा संस्थान में इलाज हेतु न्यूनतम 400 किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती हैं तब अस्पतालों में चिकित्सा हो पाती हैं। कई गंभीर रोगीयों की मार्ग में ही मृत्यू हो जाती हैं।

स्कैनिंग के लिए ही सीटी स्कैन की व्यवस्था भी इतनी दूर ही स्थित है आपको पता होगा कोरोना संक्रमण से फेफड़ों की जांच के लिए सीटी स्कैन कारगर व्यवस्था हैं। बीमारी के संक्रमण की रफ्तार एवं इलाज की वर्तमान व्यवस्था के हालात को दृष्टिगत रखते हुए आज अत्यंत आवश्यक हो गया कि हम अपनी वर्तमान चिकित्सा व्यवस्था में सुधार करें। तथा कोविड-19 के वर्तमान लहर एवं भविष्य में संक्रमण की तीसरी लहर के विरुद्ध तैयार रहें। ताकि क्षेत्र के कर्मचारी तथा आम जनता को चिकित्सा के अभाव में अकाल मौत से बचा सके। उपरोक्त परिस्थिति के तारतम्य में आपसे मांग करते हैं। कि क्षेत्र के लिए चिकित्सिय सुविधाओं कीव्यवस्था की जाए।

ज्ञात हो कि एनएमडीसी अपोलो अस्पताल क्षेत्र का सबसे बड़ा एवं सर्वसुविधायुक्त अस्पताल होने के कारण चिकित्सा हेतु बड़ी आबादी अस्पताल पर निर्भर हैं।आसपास के ग्राम के आदिवासियों का मुफ्त इलाज किया जाता हैं। कोरोना से लड़ने हेतु उपरोक्त सुविधाओं का होना अतिआवश्यक हैं।

सन्नाटे में बीता मजदूर दिवस कौन लेगा मजदूरों की सुध?

कोरोना कर्फ्यू ने छीना काम

पायनियर संवाददाता ◄ अंतागढ़
www.dailypioneer.com

प्रतिवर्ष अन्तागढ़ में राजमिस्त्री, रेजा कुली एकता यूनियन द्वारा 1 मई को मजदूर दिवस को बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है, इस वर्ष कोरोना की दूसरी लहर के वैश्विक महामारी से लॉकडाउन के चलते यूनियन के अध्यक्ष और सदस्यों ने मजदूर दिवस नही मनाने का निर्णय लिया, कांकेर जिले में लॉकडाउन होने के बाद भी मजदूरों को कार्य करने के लिए छूट दी है इससे मजदूरों में अपने परिवार को पालन पोषण करने के लिए थोडा चिंता कम हुआ है, पिछले वर्ष में कोरोना महामारी के नुकसान के चलते इस वर्ष मजदूर कुछ संभलने लगे थे, जिंदगी पटरी पर आने लगी थी, मगर कोरोना की दूसरी लहर ने फिर से डरावनी कहानी लिखनी शुरू कर दी है।

आज भी वह मंजर लोगों के दिलों को झकझोर देता है जब बेचारे मजदूर पैदल ही अपने गांव लौट रहे थे। मजदूरों की तस्वीरों को देखकर आज फिर से आत्मा सिहर जाती है। कोरोना काल में मजदूरों ने जो झेला है वह असहनीय दर्द रुला देता है। भूखे प्यासे दिन रात बिना डर के अपने घर सुरक्षित पहुंचे थे। मजदूरों के साथ रास्ते में दर्दनाक हादसे भी हुए। लेकिन मजदूरों की सुध लेने वाला कोई नहीं था।

गरीब असहाय लोगों के मसीहा फिरोज नवाब,15 वर्षों से कर रहे हैं समाजसेवा

पायनियर संवाददाता ◄ बचेली
www.dailypioneer.com

कुछ लोग अपने लिए नहीं बल्कि निःस्वार्थ रूप सर समाज के लिए ही जीते हैं। उन्हीं में से एक हैं बचेली बैलाडीला के फिरोज नवाब, जो निस्वार्थ भाव से तन, मन, धन से समाजसेवा कर रहे हैं। समाजसेवा इन्हें विरासत में मिला है इनके पिता अब्दुल नवाब जो नवाब होटल के संचालक है वो भी पालिका के पार्षद रह चुके है और अपने होटल के माध्यम से गरीबो की सेवा करना और उंन्हे भोजन करवाना इससे पहले कभी हड़ताल होने पर भी ये बचेली के लगभग 10 से 12 लोगो के लिए भोजन अपने घर से मंगवा कर सभी असहाय लोगो को वितरण कर देते थे इस तरह इनके पुत्र भी आज उसी राह पे है और लोगो की जनसेवा कर रहे है। इन्होंने लगभग 15 साल से समाजसेवा की शुरुआत की। जिसके बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। आज समाज सेवा के कारण पालिका के दसरी पारी

में निर्दलीय चुनाव भी जीत चुके है और आज ये पार्षद भी है। और अपनी लगातार सेवा भावना के कारण वे आज वे बहुत से संस्था से जुड़कर निर्बल और असहाय लोगों की लगातार सेवा कर रहे है। आज बचेली के बंटी नामक एक युवक जो मानसिक रूप से विक्षिप्त हैं उस युवक को पार्षद ने सबसे पहले नाश्ता कराया और उसके बाद सुलभ काम्प्लेक्स ले कर गए और वहां उन्होंने उसका पूरा कपड़ा जो बेहद गन्दा और बदबूदार हो गया था उसे काट काट कर अलग किया उसके बाद बंटी का हेयर कटिंग और सेविंग किया गया। अच्छे से नहलाने के बाद उसे साफ सुथरे कपड़ा पहनाया हैं और जिससे बंटी भी खुश था। पार्षद मूक पशु संस्था के संयुक्त सचिव भी है आल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन के सम्भाग अध्यक्ष भी है लऔर ह्यूमन हेल्पलाइन के प्रदेश अध्यक्ष के पद में है।

ये गौ प्रेमी भी हैं। इनको गाय से भी बेहद प्रेम है। शहर में घूमने वाली गायो को भी सेवाएं संस्था के माध्यम से देते रहते है। लॉक डाउन में संस्था के माध्यम से गाय और कुत्तों के भोजन भी कराया इस तरह इन्हें समाजसेवा के लिय कई पुरस्कारों से सम्मानित भी किया जा चुका है बचेलीवासियों के लिए ये जनसेवक ही हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में कोर कमेटी की बैठक

18 से 44 वर्ष के अंत्योदय कार्डधारी अधिक से अधिक कराएं वैक्सीनेशन : कलेक्टर

पायनियर संवाददाता ◄ नारायणपुर
www.dailypioneer.com

कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में जिला स्तरीय कोर कमेटी की बैठक संपन्न हुई। कलेक्टर ने कोविड-19 की समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि जिले में 18 से 44 वर्ष के अंत्योदय कार्डधारियों के कोविड वैक्सीनेशन की संख्या में तेजी लायी जाये। स्वास्थ्य विभाग की टीम तथा नगर पालिका का अमला एवं वालेंटियर की टीम टीकाकरण के लिए लोगों को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि जिले में पहले ही डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ एवं फ्रंट लाइन वर्कर तथा 45 वर्ष से अधिक उम्र वाले लोगों का वैक्सीनेशन किया गया हैं, यह पूर्ण रूप से सुरक्षित है। जिन लोगों ने वैक्सीन लगवाया हैं, उनके संक्रमित होने की संभावना बहुत ही कम होती है। कोरोना संक्रमित होने पर गंभीर स्थिति उत्पन्न नहीं होती है और शीघ्र ही स्वस्थ हो जाते है। कोरोना संक्रमण से बचने के लिए 18 से 44 वर्ष के अंत्योदय कार्डधारियों, 45 वर्ष से अधिक एवं हेल्थ वर्कस एवं फ्रंट लाइन वर्कस का वैक्सीनेशन कराया जा रहा है। ये सभी लोग अधिक से अधिक वैक्सीन लगाए।

कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू ने कोविड केयर सेंटर की व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए कहा कि वहां तकनीकी तथा अन्य समस्या आने पर तत्काल ठीक किया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में मितानिनों द्वारा घर-घर सर्वे कर एवं शहरी क्षेत्रों में नगर पालिका दल एवं वालेंटियर द्वारा तथा राशन दुकानों में वैक्सीनेसन हेतु लोगो को प्रोत्साहित करें। बैठक में पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, वन मण्डलाधिकारी एन आर खूंटे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकनीरज चंद्राकर, एस डी एम दिनेश कुमार नाग, संयुक्त कलेक्टर निधि साहू, डिप्टी कलेक्टर गौरीशंकर नाग, वैभव क्षेत्रज्ञ, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एआर गोटा, सिविल सर्जन डॉ सूर्यवंशी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मोबिन अली सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर साहू ने बैठक में कहा कि जिले में कोविड-19 की जांच अधिक से अधिक किया जाए। जिले के बाहर से आने वाले एवं लॉक डाउन अवधि में बाहर निकलने वालों का टेस्ट करने के निर्देश दिए,। इसके लिए एड़का मोड़ एवं कोतवाली थाना के सामने टीम लगाने कहा। इसके साथ ही पॉजिटिव पाये गये लोगों के कांटेक्ट ट्रेसिंग का भी काम पूरी गंभीरता और निरंतरता से किया जाये, इस बात का विशेष ध्यान रखनक कहा। उन्होंने जिले में बनाये जा रहे नये कोविड केयर सेंटर की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो भी काम शेष है, उन्हें तय समय सीमा में पूरा कर लिया जाये। जिससे जिले में मिलने वाले कोरोना पॉजिटिव मरीजों को वहां रखकर उनका ईलाज किया जा सके। कलेक्टर ने कहा कि पॉजिटिव व्यक्ति के सम्पर्क में आने वाले जो होम आइसोलेशन में है वे लोग अपने घर में ही सावधानी और सर्तकता से रहे, बाहर निकलने की शिकायत मिलती है, तो उन पर कार्यवाही किया जाए। ऐसे व्यक्तियों की शिकायत कंट्रोल रूम में करे।

अब गर्भवती और कुपोषित बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र की पोषण वाटिका से ही मिलेगा पोषक आहार

पायनियर संवाददाता ◄ नारायणपुर
www.dailypioneer.com

नारायणपुर जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में महिला एवं बाल विकास विभाग की मदद से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं ने गांव की महिलाओं के साथ मिलकर पोषण वाटिका तैयार की है। इससे अब उन्हें ताजी, हरी-भरी और पोषक से भरपूर सब्जियां उपलब्ध हो रही है। पोषण वाटिका से गर्भवती महिलाओं एवं कुपोषित बच्चो की सेहत में सुधार आयेगा। कोरोना वायरस संक्रमण के कारण वर्तमान में आंगनबाड़ी केन्द्रों को बंद रखा गया है, हितग्राहियों को मिलने वाले सामग्री का वितरण आंगनबाड़ ी कार्यकर्ताओं द्वारा उनके घर-घर पहुंचकर किया जा रहा है। पोषण अभियान अंतर्गत महिला एवं बाल विकास परियोजना के अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों के मार्गदर्शन में पोषण वाटिकाओं का निर्माण किया गया है। आंगनबाड़ी केंद्रों में निरीक्षण के दौरान महसूस हुआ कि नियमित हरी ,ताजी सब्जी न मिल पाने के कारण पोषण में कमी आ रही है। जिसके उपरांत गरम भोजन तैयार करने वाले समूह, ,आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं से चर्चा कर पोषण वाटिका विकसित करने का निर्णय लिया। नारायणपुर जिले में 273 आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण वाटिका तैयार किया जा चुका है।

इसी तरह ग्रामीण क्षेत्रो में जिनके घर में पर्याप्त पानी और जगह की सुविधा थी, वहां पोषण वाटिका तैयार की गई। जहां पारिवारिक श्रम से कम लागत में मौसमी हरी सब्जी और भाजी का उत्पादन किया जा रहा है और उन्हें आंगनबाड़ी केंद्रों में वितरित कर बच्चों और गर्भवती माताओं को लाभान्वित किया जायेगा। पोषण वाटिका में मैथी भाजी, खट्टा भाजी, लाल भाजी ,प्याज भाजी, मिर्ची, धनिया पत्ती, लौकी, भिंडी, बरबट्टी, भाटा, सेमी, पपीता, केला, नीबू, और टमाटर आदि लगाया है। इसमें प्रमुख आकर्षण है कि इन सब्जियों का उत्पादन रासायनिक उर्वरकों की बजाय वर्मी कम्पोस्ट और जैविक खाद से किया जा रहा है। इससे सब्जियों में प्रचुर मात्रा में पोषक तत्व मौजूद होते है।

पोषण वाटिका बनाने का उद्देश्य बच्चों और गर्भवती माताओं में एनीमिया और कुपोषण को दूर करना है जिससे कुपोषण मुक्त एवं स्वास्थ्य छत्तीसगढ़ की संकल्पना को साकार किया जा सके, साथ ही समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बना उनकी आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ किया जा सके।

श्रम संघों की मांग पर स्वास्थ्य सुविधाओं के उन्नयन की सहमति

- एमएमडब्ल्यूयू ने एनएमडीसी के अध्यक्ष सह प्रबन्ध निदेशक का आभार व्यक्त किया

पायनियर संवाददाता ◄ किरंदुल
www.dailypioneer.com

विगत दिनों विशाखापट्टनम में आयोजित सब कमेटी के बैठक में श्रम संघों द्वारा किरंदुल के एनएमडीसी परियोजना अस्पताल और बचेली के अपोलो अस्पताल में सिटीस्कैन मशीन लगवाने की मांग की गई थी। जिस पर प्रबंधन द्वारा यूनियन को जानकारी दी गई है कि सिटीस्कैन सुविधा उपलब्ध करवाने हेतु त्वरित कार्रवाई करते हुए इसे वार्षिक बजट में शामिल कर अब परियोजना स्तर पर

आगामी कार्रवाई प्रक्रियारत है। दोनों अस्पतालों में अतिशीघ्र वेन्टिलेटर पहुँचने वाले हैं तथा दोनों अस्पतालों में ऑक्सीजन पर बाहरी निर्भरता समाप्त करने हेतु खुद का ऑक्सीजन प्लांट लगाने का भी प्रस्ताव है। इन सेवाओं की उपलब्धता होने पर कोरोना जैसी महामारी से लड़ने में मदद मिलेगी तथा एनएमडीसी कर्मियों के साथ साथ दक्षिण बस्तर के नागरिकों को उच्च स्तरीय इलाज के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। श्रम संघों द्वारा उपर्युक्त स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग की गंभीरता को समझते हुए एनएमडीसी के अध्यक्ष सह प्रबन्ध निदेशक सुमीत देव के दिशा-निर्देशों पर सकारात्मक कार्रवाई हुई है, जिसके लिए मेटल माइन वर्कर्स यूनियन किरंदुल शाखा के ए के सिंह, पी एल साहू, बी एल तारम, दिलीप सिंह, डी के साहू, ओम साहू, अजय पोटाई, सुरेश गुप्ता, चिन्ना स्वामी, राजेन्द्र यादव, रविश तिवारी, मनीष गुप्ता, राजेन्द्र नागेश एवं श्रम संघ के सदस्यों द्वारा अध्यक्ष सह प्रबन्ध निदेशक महोदय एवं किरंदुल, बचेली परियोजना के अधिशासी निदेशक एवं समस्त प्रबंधन का आभार व्यक्त किया गया है।

वाहन चेकिंग के नाम पर कर रहे थे उगाही

फर्जी अधिकारी बनकर उगाही, आरोपियों को बोधघाट पुलिस ने किया गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ◄ जगदलपुर
www.dailypioneer.com

शहर में अपने आप को पत्रकार और पुलिस अधिकारी बताकर वाहनों की अवैध रूप से चेकिंग कर रूपये की उगाही करने वाले दो आरोपियों को बोधघाट पुलिस द्वारा कार्यवाही कर गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की गई है। बताया जा रहा कि दिनांक 1 मई को ग्राम करकापाल में एक ट्रेक्टर चालक सुखराम कश्यप को ट्रेक्टर ट्राली में ईंटा लेकर जाते समय 2 लोंगो के द्वारा अपने आप को पत्रकार और पुलिस अधिकारी होना बताकर ''ट्रेक्टर के कागजात नहीं है कहकर अवैध रूप से 5,000/- रूपये की मॉग किया गया एवं ट्रेक्टर चालक के द्वारा पैसा नहीं है बाद में लाकर देने की बात कहने पर उसी शाम को माड़िया चौक पर वाहन चालक सुखराम कश्यप से 400/- रूपये अवैध रूप से लिया गया था।

मामले में ट्रेक्टर स्वामी विश्वेश्वर राव के रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्व धारा - 384, 419, 420, 34 भादवि का अपराध पंजीबद्व कर विवेचना में लिया गया !मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार झा , अति पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश शर्मा के मार्गदर्शन एवम नगर पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार के पर्यवेक्षक थाना प्रभारी धनंजय सिन्हा के नेतृत्व में दौरान विवेचना के तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी शंकर सिंह उर्फ सोनू एवं प्रमोद कंवर की पहचान की गई एवं 02 संदिग्ध आरोपियों को पकड़ा गया जिन्होंने पूछताछ पर अपना नाम शंकर सिंह उर्फ सोनू एवं प्रमोद कंवर होना बताये एवं अपना जुर्म स्वीकार किये है एवं आरोपी शंकर सिंह अपने आप को बस्तर किरण का पत्रकार कहकर अवैध रूप से वाहनों से चेकिंग के नाम पर पैस वसूलना एवं आरोपी प्रमोद सिंह कंवर पूर्व में बस्तर जिले में आरक्षक के पद पर पदस्थ होना एवं अगस्त 2020 में उक्त पूर्व आरक्षक को सेवा से पृथक कर देना बताया गया है। मामले में दोनों आरोपियों के कब्जे से 400/- रूपये नगद, 02 नग मोबाईल, छत्तीसग? पुलिस लिखा हुआ पर्स जप्त किया गया है। मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर रवाना किया जा रहा है।

नेलसनार के सेवकराम मरकाम ने कोरोना होने के बाद भी नहीं हारी हिम्मत

पायनियर संवाददाता ◄ बीजापुर
www.dailypioneer.com

कोविड पीड़ित होने पर अपने आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति को बनाये रखते हुए हिम्मत नहीं हारने वाले नेलसनार निवासी 41 वर्षीय सेवकराम मरकाम कोविड केयर सेंटर से उपचार के पश्चात अब स्वस्थ होकर घर वापस हो गये हैं। सेवकराम के साथ उनकी पत्नी सरिता मरकाम और बच्चे हिमांशु एवं जीवेश भी कोरोना को मात देकर कोविड केयर सेंटर भैरमगढ़ से छुट्टी के बाद घर लौट गए हैं और सभी कोविड केयर सेंटर में आत्मीय सहयोग के साथ मिले उपचार व्यवस्था की प्रशंसा कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी सेवकराम ने बताया कि उनके परिवार में सबसे पहले छोटा बेटा 9 वर्षीय जीवेश कोरोना से पीड़ित हुआ, जिससे पत्नी और परिवार के अन्य लोग चिंतित हो गए। चूंकि वे स्वयं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी होने के चलते धैर्य और

संयम के साथ परिवार के सभी सदस्यों को निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार होम आइसोलेशन में रहकर पूरी एहतियात बरतने की समझाईश देते रहे। इस दौरान वे खुद भी कोरोना पीड़ित हो गये और दो दिन बाद पत्नी सरिता मरकाम एवं बड़ा बेटा हिमांशु का कोविड जांच रिपोर्ट भी पाजिटिव्ह आया। इसे ध्यान रखकर परिवार के सभी 4 सदस्यों को कोविड केयर सेंटर भैरमगढ़ में 23 अप्रैल को उपचार के लिए भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि इस कोविड केयर सेंटर में भर्ती होने के बाद वे स्वयं पीड़ित होने के बावजूद परिवार के सभी लोगों का हौसला बढ़ाते रहे और जल्द ही स्वस्थ होने के लिए प्रोत्साहित करते रहे। यहां पर चिकित्सकों तथा पैरामेडिकल स्टॉफ ने उनका हमेशा पूरा ध्यान रखा और ईलाज किया। चिकित्सक और अन्य स्टॉफ ने भी दिन में दो बार सुबह-शाम स्वास्थ्य जांच करने के साथ ही उनका सदैव उत्साह बढ़ाया। जरूरत पड़ने पर चिकित्सक दिन में कभी भी आकर उन्हें परामर्श देते थे। इन सभी स्थितियों से उन्हें तथा परिवार के अन्य लोगों को शीघ्र स्वस्थ होने के लिए आत्मबल मिला और वे सभी उपचार के पश्चात अब स्वस्थ होकर 1 मई को कोविड केयर सेंटर से डिस्चार्ज होकर घर लौट गए हैं। सेवकराम बताते हैं कि कोरोना को मात देने के लिए स्वयं पर भरोसा रखने सहित दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ पूरी एहतियात बरतें और दवाई का सेवन करें तो निश्चित तौर पर कोरोना को परास्त कर सकते हैं।

जिले को मिला एंबुलेंस और ऑक्सीजन बेड की सुविधा

कोरोना मरीजों के बेहतर उपचार के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार

पायनियर संवाददाता ✓ गरियाबंद
www.dailypioneer.com

करोना कालके इस संकट में कोरोना पीडित मरीजों के लिए आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की सुविधा में जरूरी विस्तार किया गया है। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए कलेक्टर निलेश क्षीरसागर के मार्गदर्शन में जिले को दो नए एंबुलेंस और मिले हैं।साथ ही सांस लेने की दिक्कत से जूझ रहे मरीजों के लिए ऑक्सीजन बेड की सुविधा का विस्तार किया गया। जिले में अब 90 आक्सीजनयुक्त बेड हो गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एनआर नवरत्न ने बताया कि जिला प्रशासन की पहल से जिले को दो नए एंबुलेंस प्राप्त हुए हैं जिससे मरीजों को इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा। इसी तरह ऑक्सीजन बेड की संख्या को भी विस्तारित किया गया है।अब डेडिकेटेड हॉस्पिटल ,लाइवलीहुड कॉलेज में 50 बिस्तर आक्सीजन युक्त हो गए हैं, वही कोविड केयर सेंटर पॉलिटेक्निक में 30 बिस्तर को सेंट्रल लाइन ऑक्सीजन से जोड़ा गया है। जिला चिकित्सालय में 10 बिस्तर को ऑक्सीजन युक्त बनाया गया है। डॉक्टर नवरत्न ने बताया कि जिले में अब मरीजों को कोविड-19 से संबंधित लगभग सभी सुविधा मिलेगी। अभी 5 वेंटिलेटर के लिए भी प्रयास जारी है। उन्होंने बताया कि 5 आईसीयू बेड की भी सुविधा का विस्तार किया जाएगा।

ज्ञात है कि जिले में रविवार को 364 करोना पॉजिटिव मरीज मिले थे। अभी तक कुल 76 प्रतिशत अर्थात 11 हजार 322 मरीज रिकवर हो चुके हैं, जबकि वर्तमान में 3528 एक्टिव केस हैं, जिनका होम आइसोलेशन और कोविड हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

कोविड मरीज के परिजनों को दे रहे दो टाइम निःशुल्क भोजन व चाय, नाश्ता

लॉकडाउन के बीच परिजनों को मिल रही राहत, गायत्री परिवार भी कर रहा सहयोग

पायनियर संवाददाता ✓ महासमुंद
www.dailypioneer.com

कोविड मरीज के परिजन यदि जिला मुख्यालय में आए है तो उन्हें भोजन के लिए परेशान होने की जरुरत नहीं है। ऐसे लोगों का ख्याल शहर के केटरिंग कारोबारी और क्लबपारा गायत्री मंदिर समिति के सदस्यों द्वारा रखा जा रहा है। उन्हें दो टाइम का निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। इन दिनों जिला मुख्यालय में कोरोना संक्रमित मरीज का इलाज निजी व सरकारी अस्पताल में किया जा रहा है। जिले के लोग इलाज कराने यहां पहुंच रहे है, लेकिन लॉकडाउन के कारण उनके साथ आए परिजनों को भोजन के लिए भटकना पड़ रहा है। ऐसे लोगों का ख्याल इन लोगों के द्वारा रखा जा रहा है। बता दें कि शहर सहित पूरे जिले में जरुरतमंदों की मदद हर कोई अपने-अपने तरीके से कर रहा है। केटरिंग व्यवसायी मुकेश श्रीवास्तव और गायत्री मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि निजी अस्पताल के स्टॉप के लिए 13 अप्रैल से दो टाइम भोजन का वितरण किया जा रहा है। इसी दौरान संक्रमित मरीज के परिजनों को भोजन के लिए भटकते देख अब उन्हें भी निःशुल्क भोजन देना प्रारंभ कर दिया है। प्रतिदिन शहर के आसपास के अस्पतालों में भर्ती मरीज के परिजन जानकारी मिलने के बाद भोजन वितरण की जानकारी दे रहे हैं।

यहां से कर सकते हैं भोजन प्राप्त, चाय व नाश्ता भी दे रहे : भोजन वितरण कि लिए शहर के गंजपारा में सिंधी धर्मशाला के पास काउंटर बनाया गया है, जहां भोजन का वितरण किया जा रहा है। मरीज के परिजन यहां से भोजन प्राप्त कर सकते हैं। समिति के सदस्य व मुकेश श्रीवास्तव ने बताया कि उनके कांउटर से प्रतिदिन करीब 2 सौ लोगों को दो टाईम भोजन वितरण जा रहा है। इसमें सुबह की चाय के साथ नास्ता, दोपहर का भोजन और शाम की चाय के साथ रात का भोजन दे रहे हैं। इसमें दाल, रोटी, सब्जी और चांवल दिया जा रहा है। उन्होने बताया कि मरीज के परिजनों को भोजन लेने बर्तन मंगाया जा रहा है। इसमें वे अन्य परिजनों के लिए भोजन ले जा सकें।

सहयोग की अपील

गायत्री मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि इस वितरण की वे अस्पताल में भर्ती मरीजों तक जानकारी पहुंचाकर सहयोग कर सकते हैं ताकि इसका लाभ जरुरतमंदों को मिल सके। इसमें लोग किसी तरह सहयोग करना चाहे तो वे कर सकते हैं।

टेमरी नाका के पास फिर पिकअप में अंग्रेजी शराब तस्करी करते हुए दो युवक गिरफ्तार

महासमुंद। राष्ट्रीय राजमार्ग क्र 353 टेमरी नाका के पास कोमाखान पुलिस ने एक बार फिर पिकअप में शराब तस्करी करते हुए दो युवक को गिरफ्तार किया है। ओडिशा से शराब लेकर रायपुर की ओर जा रहे थे। गिरफ्तार आरोपी रायपुर के रहने वाले है। इनके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया है। बता दें कि शनिवार को भी कोमाखान पुलिस ने पिकअप वाहन में सवार दो युवक को शराब तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इधर, बागबाहरा पुलिस ने भी बाइक सवार दो युवक को महुआ शराब की तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया है। थाना से मिली जानकारी के अनुसार एनएच क्र 353 टेमरी नाका के पास मुखबिर की सूचना पर कोमाखान पुलिस घेराबंदी कर ओडिशा की ओर से आ रही पिकअप क्रमांक सीजी. 4एनएफ 4506 को रोककर तलाशी ली। इस दौरान टीम ने कंडक्टर सीट के नीचे से 23 नग अंग्रेजी शराब की बोतल जब्त की है। जिसकी कीमत 15410 रुपए आंकी गई है। पुलिस ने शराब जब्त कर पिकअप में सवार वार्ड क्रमांक 04 विजय नगर भनपुरी थाना खमतराई जिला रायपुर निवासी रमेश शर्मा पिता अंगद (25) एवं टिकेश चंद्राकर पिता चमनलाल चंद्राकर (30) को गिरफ्तार किया।

द्रोणिका का असर, तीन दिन बाद पारा 5 डिग्री गिरा, देर रात तेज हवाओं के साथ बूंदा-बांदी हुई

पायनियर संवाददाता ✓ महासमुंद
www.dailypioneer.com

द्रोणिका का असर शनिवार शाम से दिखने लगा है। देर रात तेज हवाओं के साथ बूंदा-बंदी हुई। रविवार सुबह से आसमान पर बादल छाए रहें। बदली की वजह से अधिकतम तापमान में 5 डिग्री पारा गिरा, लेकिन उसम से लोग परेशान थे। फिलहाल तीन दिनों तक अधिकतम तापमान में कोई खास बढ़ोतरी नहीं होगी और शाम को बूंदा बांदी होने की संभावनाएं बनी है। अधिकतम तापमान भले ही गिर गया है। वहीं न्यूनतम पारा भी एक से दो डिग्री गिर गया है। मौसम में उतार चढ़ाव रहेगा। मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा ने बताया कि चक्रीय चक्रवाती घेरा उत्तर पूर्व मध्य प्रदेश और उसके आसपास 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक स्थित है। यहीं से एक द्रोणिका मणिपुर तक 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक स्थित है। एक चक्रीय चक्रवाती घेरा दक्षिण मध्य महाराष्ट्र के ऊपर 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक स्थित है। प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में बंगाल की खाड़ी से नमी आने के कारण प्रदेश में बादल छाए हुए है। 3 मई को भी आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। प्रदेश में कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश में एक-दो स्थानों पर गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने तथा अंधड़ चलने की संभावना है। प्रदेश में अधिकतम तापमान में विशेष परिवर्तन होने संभावना नहीं है।

द्रोणिका का असर अगामी सात दिनों तक रहेगा। इसके कारण अधिकतम तापमान में कोई खास बढ़ोतरी नहीं होगी, लेकिन अधिकत तापमान 40 डिग्री तक ही रहेगा। इन दिनों शाम को बारिश होने की संभावना भी बनी रहेगी। 10 मई के बाद मौसम खुलेगा, इसके बाद 6 दिनों तक सूर्य की तेज गर्मी से लोग हलाकान होंगे। अधितम पारा में तीन से चार डिग्री बढ़ोतरी होगी। इधर, मौसत बदलने से स्वास्थ्य में लोगों के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है। गर्मी फिर रात में ठंडकता के कारण खरास, खांसी व सर्दी हो रही है। चिकित्सकों का मानना है कि कोरोना काल में गर्म पानी का इस्तेमाल करें। कुलर व एसी के उपयोग से बचे। लॉकडाउन में घरों से बाहर न निकले और पात्र लोग वैक्सिन जरुर लगाएं।

जानिए अगले पांच दिनों के मौसम का अनुमान

तारीख	अधिकतम	न्यूनतम
3 मई	37	24
4 मई	39	25
5 मई	40	25
6 मई	40	25
7 मई	39	28

अवैध रूप से शराब बेचने वालों की बाढ़ गुटखों की कालाबाजारी, आरोपी गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ✓ तिल्दा नेवरा
www.dailypioneer.com

कोरोना जैसी खतरनाक बीमारी से हर रोज लोग मर रहे हैं लेकिन नशा करने की आदत इस बीमारी पर भी भारी है। हालात ये है कि शहर और गांव में इस विकट काल में भी अवैध रूप से शराब बेचने वालों की बाढ़ सी आ गई है साथ ही गुटखों की कालाबाजारी जमकर हो रही है। शहर में दुकानें तो बंद है लेकिन अंदरखाने गुटखों के सभी ब्रांड आसानी से मिल रहे हैं। कुछ किराना दुकानों पर भी गुटखों की बिक्री हो रही है।

इन दुकानों पर गुटखों की बिक्री को लेकर किसी तरह का प्रतिबंध नहीं है, ऐसे में अधिक दाम देकर भी लोग यहां से खरीद कर रहे हैं। तिल्दा नेवरा शहर तथा आसपास के गांव में अन्य प्रदेश की शराब खुलकर बिक रहा है 100 रूपये में बिकने वाला शराबअभी 500 से700 में बेचा जा रहा इस अवैध कारोबार पर अंकुश लगानेके लिए तिल्दा पुलिस द्वारा छापे मार कार्यवाही भी की जा रही है इसी कड़ी में मुखबिर की सुचना पर कल एक अवैध शराब कारोबारी राजू अग्रवाल पिता मोहन लाल अग्रवाल निवासी नेवरा को 40 पउवा इम्पीरियल ब्लू विस्की कीमत6400 रूपयेएक मोटरसायकल एक एप्पल का मोबईल नकद1080 रूपये के सहित आबकारीएक्ट 34-2 के तहत गिरफ्तार कर न्यायायिक हिरासत में ले कर जेल भेज दिया गया है थाना प्रभारी शरद चंद्रा ने कहा की अवैध शराब गांजा और गुटखे के कारोबार करने वालों को बख्सा नहीं जायेगा ये कार्यवाही आगे भी जारी रहेगा।

समाजसेवी भैयालाल ध्रुव के निधन पर क्षेत्रवासियों ने शोक जताया

पायनियर संवाददाता ✓ नगरी
www.dailypioneer.com

आदिवासी ध्रुव गोंड़ समाज तहसील नगरी के पुर्व अध्यक्ष श्री भैयालाल ध्रुव का आज 03 मई को प्रातः 5 बजे 77 वर्ष की आयु में दुःखद निधन हो गया है। उदारदिल वाले ध्रुव लगातार दस वर्षों तक समाज के तहसील अध्यक्ष के पद पर उल्लेखनीय सेवा दे चुके थे। वे सिहावा विधानसभा के पूर्व विधायक स्व. पुसऊ राम ध्रुव के मझले पुत्र थे। राजनीति के अलावा समाज सेवा के प्रति विशिष्ट अभिरुचि रखने वाले श्री ध्रुव ग्राम पंचायत मुकुंदपुर व हरदी भाठा के लगातार पैंतीस वर्षों तक तथा ग्राम पंचायत फरसियां के पांच वर्षों तक सरपंच थे। अविभाजित रायपुर जिला में वे जनपद पंचायत नगरी के अध्यक्ष के पद पर सेवा दे चुके ध्रुव राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से सिहावा विधानसभा सभा से चुनाव लड़ चुके थे। ध्रुव पूर्व में शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी के जनभागीदारी समिति के कुशल नेतृत्व वाले अध्यक्ष थे।वे कृषि उपज मण्डी नगरी, आदिमजाति सेवा सहकारी समिति नगरी, आदिवासी विकास परिषद ब्लाक नगरी के अध्यक्ष जैसे विभिन्न पदों पर सेवा दे चुके। उनके निधन होने पर सिहावा विधायक डॉ.लक्ष्मी ध्रुव, पूर्व विधायक अंबिका मरकाम,पूर्व विधायक पिंकी शिवराज शाह,पूर्व विधायक श्रवण मरकाम, आदिवासी ध्रुव गोंड़ समाज तहसील नगरी के अध्यक्ष छेदप्रसाद कौशिल एवं अन्य ने शोक व्यक्त किया।

खबर प्रकाशित होने के बाद जागा अल्ट्राटेक सीमेंट, जनपद तिल्दा में दिया दान

पायनियर संवाददाता ✓ तिल्दा नेवरा
www.dailypioneer.com

तिल्दा क्षेत्र के बड़े सीमेंट प्लांट अल्ट्राटेक सीमेंट बैकुंठ द्वारा कोरोना माहमारी में आस पास के गाँव मे किसी तरह की कोई मदद नही की जा रही है। इतने बड़े महामारी में भी प्लांट की उदासीनता की खबर प्रकाशित होने के बाद नींद से जागे अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट बैकुण्ठ प्रबन्धन द्वारा तिल्दा जनपद पंचायत को 35 नग ऑक्सीमीटर, 35 थर्मामीटर, 3 छोटा छोटा ऑक्सीजन मशीन व 10 ऑक्सीजन सिलेंडर दान किए। तिल्दा छेत्र के ही 3 स्पंज आयरन प्लांटो द्वारा इससे अधिक का दान कोरोना काल मे दिया जा चुका है, परन्तु इतने बड़े सीमेंट फैक्ट्री की उदासीनता से छेत्र के लोगों में नाराजगी व्याप्त है। वही जनपद पंचायत तिल्दा पहुँचे अल्ट्राटेक सीमेंट बैकुण्ठ प्रबंधन के कुछ अधिकारियों से सवाल व बातचीत की कोशिश की गई जहाँ कोई भी अधिकारी बातचीत या कुछ भी बोलने से साफ इंकार कर दिया। कम्पनी के अधिकारी डॉ संजीव कुमार, पर्सनल मैनेजर जी के अवस्थी, सी एस आर प्रभारी रूपेंद्र पटनायक आदि उपस्थित हुए थे।

इधर तिल्दा छेत्र के जनप्रतिनिधियों ने कहा कि इतने बड़े सीमेंट कम्पनी को कोविड 19 में मदद का हाथ सबसे पहले बढ़ाना चाहिए था।अल्ट्राटेक सीमेंट बैकुण्ठ प्रबंधन के रवैये से तिल्दा नेवरा छेत्र के पत्रकारों में भी रोष व्याप्त है उन्होंने कहा है की अल्ट्राटेक सीमेंट बैकुंठ प्लांट यथा शीघ्र कोविड हॉस्पिटल का निर्माण करे और जनहित कार्य में सहयोग करे।

4 ग्रामीण से 75 लीटर महुआ शराब जब्त

महासमुंद। तुमगांव, सिंघोंडा व सरायपाली पुलिस ने चार युवक को गिरफ्तार किया है। इसके पास से 75 लीटर महुआ शराब जब्त की किया है। ये चारों सिंघोड़ा, सरायपाली व तुमगांव रहने वाले है। सभी के खिलाफ पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। थाने के अनुसार ग्राम भोरिंग निवासी चेतन साहू पिता डेरहा साहू (27) व रामाणण धीवर पिता शिवकुमार धीवर को ओवरब्रिज के न नीचे भोरिंग मार्ग पर पकड़ा है। इसके कब्जे से 10 लीटर महुआ शराब जब्त किया गया है। सरायपाली पुलिस ने तोरेसिंघा के पास गांव के ही पुटिक बरिहा पिता महादेव बरिहा को 15 लीटर एवं गुठानीपाली सिंघोड़ा खरखरा नाला के पास गांव के मिनीकेतन सिंह पिता सुरेश सिंह को 50 लीटर महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया है।

मनरेगा के माध्यम से 69 हजार से अधिक श्रमिकों को मिल रहा हैं रोजगार

लॉकडॉउन के दौरान रोजगार मुहैया कराने में बलौदाबाजार-भाटापारा अवल्ल

पायनियर संवाददाता ✓ भाटापारा
www.dailypioneer.com

लॉकडॉउन के दौरान मनरेगा के माध्यम से ग्रामीणों को रोजगार मुहैया कराने में बलौदाबाजार-भाटापारा जिला पूरे राज्य में अवल्ल रहा हैं।महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के माध्यम से 69,521 ग्रामीण श्रमिकों को रोजगार मिल रहा हैं। जिससे निश्चित ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रहीं हैं। राज्य सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने आज राज्य भर में मनरेगा से सम्बंधित मई माह के आंकड़े प्रकाशित किये हैं। जिसमें श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के सँख्यात्मक दृष्टि से बलौदाबाजार - भाटापारा जिला राज्य में पहले स्थान पर बना हुआ हैं। क्रमशः दूसरे स्थान पर रायगढ़ एवं तीसरे स्थान पर राजनांदगांव जिला हैं। सहायक परियोजना अधिकारी मनरेगा के के साहू ने बताया कि कलेक्टर जैन के निर्देश का पालन करते हुए पंजीकृत श्रमिकों को मांग के अधार पर रोजगार उपलब्ध कराये जा रहें हैं। जिसकी लगातार समीक्षा जिला पंचायत सीईओ के द्वारा की जा रहीं है। केके साहू ने कहा कि मई माह के प्रथम सप्ताह मे जिले मे कुल 69,521 श्रमिक कार्यरत हैं। जिसमें जनपद पंचायत कसडोल में 20,505, बिलाईगढ़ 18,166, सिमगा 12,593 बलौदाबाजार 6,943, भाटपारा 5,926 एवं पलारी मे 5,388 श्रमिक कार्यरत हैं। निश्चित ही ग्रामीणों को उनके गांव में ही रोजगार उपलब्ध कराये जाने से उनके आर्थिक स्थिती को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने आगें बताया कोरोना संक्रमण के चलते सभी कार्यस्थलों में कोविड गाइडलाइन का पालन भी सुनिश्चित किया जा रहा हैं। जिसका सतत निगरानी जिला स्तर से किया जा रहा है। प्रमुखतः एक साथ 2-3 कार्य को प्रारम्भ कर वार्ड वार श्रमिकों का विभाजन, एक गोदी के बीच मे एक गोदी का अन्तराल, एक परिवार को एक ही जगह कार्य पर नियोजित करना, सेनेटाईजर और मास्क का उपयोग शामिल हैं।

कलेक्टर जैन ने दी बधाई

कलेक्टर सुनील कुमार जैन ने जिला पंचायत की इस उपलब्धि पर मनरेगा में कार्यरत सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों को बधाई दी। साथ ही उन्होंने कहा यह स्थान हमेशा बनें रहें इसके लिए आप सभी प्रयासरत करतें रहें। साथ ही मनरेगा कार्य के दौरान कोविड गाईडलाइन का अनिवार्य रूप से पालन हो इसका विशेष ध्यान रखें। प्रभारी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरिशंकर चौहान ने भी टीम को बधाई देतें हुए सतर्कता पूर्वक कार्य करनें की बात कही। साथ ही उन्होंने जिले के सभी जनपद पंचायत सीईओ को निर्देश दिये है की वे कार्यो का निरीक्षण सतत रुप से योजना बना कर करे। साथ ही जिन ग्राम पंचायत मे मजदूरी मूलक कार्य नहीं है उन पंचायतों के लिये कार्य स्वीकृति का प्रस्ताव कार्यालय जिला पंचायत को तत्काल भेजें।

वृक्षारोपण की तैयारी प्रारंभ

जिले मे वर्षा काल मे रोपित किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु तैयारी प्रारंभ कर दी गयी है। वर्तमान मे वृक्षारोपण के लिए गड्ढे खुदाई का कार्य आरंभ किया गया है। चयनित सभी स्थलो मे 20 मई तक गड्ढा हो जाये ये सुनिश्चित करने का भी निर्देश प्रभारी जिला पंचायत सीईओ ने सभी जनपद सीईओ, मनरेगा के कर्मचारियों, तकनीकी सहायकों को दिये हैं।

उप स्वास्थ्य केंद्र बलौदा में हुआ 18 प्लस का टीकाकरण

पायनियर संवाददाता ✓ सरायपाली
www.dailypioneer.com

शहर से लगभग 18 किलोमीटर दूर ग्राम बलौदा में 18 से 44 वर्ष के लोगों को कोरोना का टीका लगाया गया। जिसमें सर्वप्रथम जितेंद्र पाल हरीबनपुर निवासी को पहला टीका लगाया। टीकाकरण के अवसर पर सरायपाली के एसडीएम का आगमन बलौदा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हुआ था। कुल 40 लोगों को कोरोना का टीका लगाया गया। उक्त टीकाकरण में महिला स्वास्थ्य संयोजक रश्मि डहरिया। और पुरुष स्वास्थ्य संयोजक रूपेश साहू के द्वारा टीकाकरण किया गया।साथ में राजकुमार नेताम, बलौदा हल्का के पटवारी खान आदि की उपस्थिति थे तृतीय चरण के तहत ब्लॉक के अन्य स्थानों पर भी टीकाकरण कार्य किया गया जिसमें ग्राम जल गढ़ के साथ ही शहरी क्षेत्र के झिलमिला स्वास्थ्य केंद्र में भी टीकाकरण किया गया। तृतीय चरण के तहत 18 वर्ष से 44 वर्ष के बीच के नागरिकों का टीकाकरण शुरू किया गया है तृतीय चरण में सर्वप्रथम अंतोदय राशन कार्ड धारी हितग्राहियों को टीका लगवाने की छूट दी गई है उप स्वास्थ्य केंद्र बलौदा मैं 40 जल गढ़ में 50 झिलमिला में 19 लोगों का टीकाकरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे के मध्य टीकाकरण का समय निर्धारित किया गया है।

कोविड के प्रारंभिक लक्षण पर दवाई देने से शीघ्र स्वस्थ हो रहे संक्रमित मरीज : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने जिले की मितानिनों से वीडियो कॉफ्रेंस से की सीधी बात

पायनियर संवाददाता ✓ सक्ती
www.dailypioneer.com

राज्य के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से मितानिनों से कहा कि कोरोना संक्रमण की विकट परिस्थितियों में मितानिन बहनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। वे अपने कार्यक्षेत्र में सजग, सावधानी और मुस्तैदी से कार्य कर रहीं हैं। जिसके फलस्वरूप कोरोना संक्रमित मरीज जल्दी स्वस्थ हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की कार्ययोजना के अनुसार प्रारंभिक लक्षण आने पर ही दवाइयां दी जा रही है। जिसके फलस्वरूप संक्रमण की गंभीर स्थिति आने से पहले ही लोग स्वस्थ होते जा रहे हैं। बघेल ने मितानिनों से कहा कि लक्षण दिखते ही कोरोना जांच करवाने में लोगों की मदद करें और तत्काल दवाइयों की किट उपलब्ध करवाएं। अन्य राज्यों से आये लोगों की कोरोना जांच भी अवश्य करवाएं। बघेल ने बताया कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जहां लक्षण आते ही दवाइयां दी जा रही है। जिसके फलस्वरूप संक्रमित मरीज गंभीर स्थिति आने से पहले ही स्वस्थ हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी मितानिनों को पर्याप्त मात्रा में दवाइयों की किट उपलब्ध कराई गई है।

मुख्यमंत्री ने जांजगीर जिले के ग्राम खोखरा की मितानिन अंजू थवाईत और निर्मला सूर्यवंशी से चर्चा की। मितानिनों ने बताया कि सभी होम आइसोलेशन वाले संक्रमित मरीजों को दवाई किट उपलब्ध करा दी जाती है। सर्दी, बुखार जैसे सामान्य लक्षण वाले मरीजों को कोरोना जांच के लिए मदद की जा रही है। खोखरा उपस्वाथ्य केन्द्र में कोरोना जांच की सुविधा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा पर्याप्त मात्रा में दवाई किट उपलब्ध कराई गई है। होम आइसोलेशन के मरीजों से भी फोन के माध्यम से संपर्क कर स्वास्थ्य की प्रगति की जानकारी ली जाती है। इसके अलावा कोरोना से बचाव के लिए सोशल डिस्टेंसिंग, बार-बार हाथ धोना, सेंनेटराइस आदि के लिए भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। अन्य राज्यों से आए लोगों की भी कोरोना जांच करवाई जा रही है। ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी इंद्र कुमार ने बताया कि सभी मितानिनों को दवाई किट उपलब्ध करा दी गई है। मितानिनों द्वारा सर्वे कर स्वास्थ्य की जानकारी एकत्रित की जा रही है। राज्य सरकार के निर्देशानुसार लक्षण वाले मरीजों को भी दवाई किट दी जा रही है मितानिनों के पास पर्याप्त मात्रा में दवाई किट उपलब्ध कराई गई है। कुछ गंभीर मरीजों को कोविड केयर सेंटर में भर्ती कराया गया है। होम आईसोलोशन वाले बहुत से मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं। जिला कार्यालय के वीडियो कांफ्रेंस कक्ष में मितानिन शांति दरवेश, परमेश्वरी कश्यप, राजकुमारी भी उपस्थित थीं।, उक्तआशय की जानकारी जिला जनसंपर्क कार्यालय जांजगीर चांपा द्वारा दी गई है।

वैक्सीनेशन सेंटर में फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन कराया

सरिया पुलिस वैक्सीन लगाने आए लोगों को की प्रोत्साहित, बिस्किट, पानी बॉटल का वितरण

पायनियर संवाददाता ✓ रायगढ़
www.dailypioneer.com

राज्य शासन के आदेशानुसार माह मई के प्रथम सप्ताह से अंत्योदय राशनकार्डधारी पात्र 18 से अधिक उम्र के व्यक्तियों का पहले टीकाकरण होने जा रहा है। वैक्सीनेशन सेंटर में अव्यवस्था न हो इसके लिये थानाक्षेत्र अन्तर्गत बनाए गए वैक्सीनेशन सेंटर में सुरक्षा व्यवस्था हेतु थाना प्रभारीगण, स्टाफ के साथ जाकर लोगों को फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन करने एवं व्यवस्था बनाये रखने में मेडिकल स्टाफ का सहयोग करने की हिदायत दी गई।

सरिया थानाक्षेत्र अन्तर्गत बनाये गये वैक्सीनेशन सेंटर में सरिया थाना स्टाफ द्वारा वैक्सीनेशन के लिये आये व्यक्तियों को बिस्किट व पानी बॉटल देकर उन्हें प्रोत्साहित किया गया। रविवार की सुबह पुलिस चौकी जोबी क्षेत्र अन्तर्गत मास्क के प्रति प्रेरणा देती वृद्ध महिला की तस्वीर चौकी प्रभारी जोबी सहायक उप निरीक्षक प्रेमसाय भगत द्वारा पुलिस व्हाटसअप ग्रुप में शेयर किया गया। चौकी प्रभारी बताये कि रविार की सुबह पेट्रोलिंग दौरान खम्हार जंगल रोड किनारे एक अकेली वृद्ध महिला कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए मास्क लगाए जमीन से चार फल उठा रही थी। वृद्ध महिला आरती बाई चौहान पति स्वर्गीय तिहारू राम उम्र लगभग 65 साल निवासी खम्हार की रहने वाली है। अकेले जीवन यापन करने की जानकारी मिलने पर चौकी प्रभारी वृद्ध महिला को सूखा राशन प्रदाय किया गया।

जरूरतमंदों फूड पैकेट, ड्राई फूड का वितरण

लॉकडाउन में लगातार पुलिस जरूरतमंदों को फूड पैकेट, ड्राई फूड का वितरण कर रही है। रविवार की सुबह सुभाष चौक पर कोतवाली थाने के सहायक उप निरीक्षक दिलीप बेहरा एवं पाइंट ड्यूटी के स्टाफ द्वारा असहाय, घूमंतू लोगों में खिचड़ी का वितरण किया गया। शहर के साथ ही अनुविभाग थानाक्षेत्र में पुलिस टीमें लगातार शादी घरों में जाकर कोविड गाइडलाइन का पालन करने की समझाइश दी जा रही है। इसी क्रम में ग्राम राबो और गुड़गुड़ में पूंजीपथरा टीआई शादी घर जाकर कोरोना दिशा निर्देशों का पालन करने की समझाइश दी गई।

मोर्चा प्रकोष्ठों की तीन दिवसीय वर्चुअल बैठक में सांसद, विधायक सहित संगठन के पदाधिकारियों ने किया कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन

पायनियर संवाददाता ✓ सक्ति
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ प्रदेश के निर्देश अनुसार वर्तमान में चल रहे कोविड-19 के संक्रमण को देखते हुए भाजपा जांजगीर-चांपा जिले के अंतर्गत भारतीय जनता युवा मोर्चा,भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा सहित विभिन्न मोर्चा प्रकोष्ठओं की वर्चुअल बैठके 1 मई से 3 मई तक संपन्न हुई, इन बैठकों में जांजगीर-चांपा लोकसभा क्षेत्र के सांसद गुहाराम अजगळे, जांजगीर चांपा विधायक एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा के महामंत्री नारायण चंदेल, अकलतरा विधायक सौरभ सिंह तथा भाजपा जांजगीर-चांपा जिला अध्यक्ष कृष्णकांत चंद्रा ने अपना मार्गदर्शन देते हुए संगठनात्मक कार्यो सहित वर्तमान कोविड-19 के संक्रमण के मद्देनजर भाजपा के राष्टीय नेतृत्व द्वारा चलाए जा रहे सेवा ही संगठन फेस टू के अंतर्गत मंडल एवं बूथ स्तर तक के सेवा कार्यो के बारे में चर्चा क,कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री पुरुषोत्तम शर्मा एवं वर्चुअल बैठक का आयोजन आईटी सेल के संयोजक संतोष साहू एवं करण भाटिया के नेतृत्व में किया गया, तथा इन बैठकों में प्रमुख रूप से भारतीय जनता युवा मोर्चा जांजगीर-चांपा जिले के अध्यक्ष मुकेश जायसवाल,भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष रजनी सत्तू साहू साहू, भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष धनंजय सिंह ठाकुर सहित विभिन्न मोर्चा/ प्रकोष्ठ के अध्यक्ष,महामंत्री एवं पदाधिकारी सहित मंडल अध्यक्ष गण मौजूद रहे, जांजगीर-चांपा लोकसभा क्षेत्र के सांसद गुहाराम अजगळे ने कहा कि उनके द्वारा जांजगीर-चांपा जिले में कोविड-19 के संक्रमण से निपटने लगभग 55 की राशि जिला कलेक्टर को प्रदान की गई है, तथा हम सभी को वर्तमान समय को देखते हुए सावधानी पूर्वक सुरक्षा के साथ अपने-अपने स्थानों पर सेवा कार्यो को गति देने चाहिए, जांजगीर-चांपा विधायक नारायण चंदेल ने संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा द्वारा पूरे प्रदेश स्तर पर कोविड-19 हेल्पलाइन के माध्यम से लोगों को सहायता पहुंचाई जा रही है,तथा उनके द्वारा 25 लाख रुपये की राशि जिला प्रशासन को कोविड हेतु दी गई है, तथा जांजगीर-चांपा जिले में किसी भी कार्यकर्ताओं को या अन्य किसी जरूरतमंद को किसी भी प्रकार की सहायता की आवश्यकता हो वह पार्टी के हेल्पलाइन या कि मेरे स्वयं के हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सहयोग ले सकते हैं, भाजपा जांजगीर-चांपा जिला अध्यक्ष कृष्णकांत चंद्रा ने कहा कि कोविड-19 का संक्रमण एवं लॉक डाउन की स्थिति को देखते हुए प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार वर्चुअल बैठकें की जा रही है।

जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों ने किया वैक्सीन शिविर का निरीक्षण

मुंगेली। जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष अभिलाष सिंह द्वारा जनता को वैक्सीन का महत्व बताते हुए अंत्योदय कार्ड धारक जनता को समझाया गया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में कोरोना वेक्सीन लगवाये, जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष अभिलाष सिंह द्वारा बताया गया कि विपक्ष द्वारा गलत भ्रम फैलाया जा रहा है कि वैक्सीन में आरक्षण किया जा रहा है, अभिलाष सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा राज्य को उपलब्ध कराई जा रही वैक्सीन की सीमित संख्या के चलते अंत्योदय कार्डधारी नागरिकों को प्राथमिकता दी गई है, ताकि कानून व्यवस्था के सामन्य रहते टीकाकरण हो सके, भविष्य में केंद्र द्वारा वैक्सीन की संख्या बढ़ने से प्राथमिकता में बदलाव भी सम्भव है अभिलाष सिंह द्वारा शिविर में लगे वैक्सीन की समुचित जानकारी ले कर और लोगों को इसके प्रति जागरुक किया।

सन्ना में गाज गिरने से झोपड़ी में बच रहे 7 युवकों में 3 जिंदा जले, 4 झुलसने से गंभीर रूप से हुए घायल

मिर्ची के खेत की रखवाली कर रहे थे, बारिश से बचने गए थे झोपड़ी में हुआ हादसा

पायनियर संवाददाता ✓ जशपुर/मनोरा
www.dailypioneer.com

असम बारिश के दौरान आकाशीय बिजली के चमकने और गाज गिरने से जिले में कई की मौत पहले हो चुकी है। एक बार फिर सोमवार को आकाशीय गाज से जुड़ा बड़ा हादसा जिले के बगीचा विकासखंड के सन्ना तहसील में हो गया जहां बेमौशम बारिश से बच रहे 7 युवकों में 3 जिंदा जल गए और 4 बुरी तरह से झुलस गए। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक सन्ना से 10 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम दुभरकोना में मिर्ची की खेती की रखवाली करने के लिए कुछ युवक वहां रूके थे। अचानक सोमवार की दोपहर हल्की बारिश के साथ बिजली चमकने लगी। नंदलाल 20 वर्ष, प्रदीप 16 वर्ष और उपेंद्र 22 वर्ष अपने दोस्तों के साथ पास की झोपड़ी में बचने चले गए। उसी दौरान अचानक गाज झोपड़ी के ऊपर गिरी। इससे पहले की वहां कोई खुद को संभाल पाता झोपड़ी धू-धू कर जलने लगी और नंदलाल, प्रदीप और उपेंद्र घटनास्थल पर ही जिंदा जल गए। उन्हें बचने का कोई अवसर नहीं मिला। वहीं उनके अन्य 4 साथी घायल हैं जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र छिछली ले जाया गया है।

स्टार्स ऑफ टुमॉरो वेलफेयर सोसायटी ने सफाई कर्मचारियों को मास्क, सैनिटाइजर, जूता, बूट, लॉन्ग बूट, दिये गए वे सुरक्षित रहे

पायनियर संवाददाता ✓ मुंगेली
www.dailypioneer.com

कोरोना वायरस संक्रमण की ऐसी मुश्किल घड़ी, जहां कई अपने ही दामन छोड़कर जा रहे हैं। ऐसे में संक्रमण के तमाम आशंकाओं और डर के बीच सुबह से लेकर दोपहर तक नगर को स्वच्छ रखने वाली दीदियों की टोली जो अतिआवश्यक सुरक्षा संसाधन के बगैर ही अपने कर्तव्यों का बखूबी निर्वहन कर रही है उनके लिए स्टार्स ऑफ टुमॉरो वेलफेयर सोसायटी मुंगेली के द्वारा हैंड ग्लब्स, मास्क और सेनेटाइजर प्रदान किया गया। पूरे देश में कोरोना वायरस का बढ़ते संक्रमण के बीच सरकारें इसकी रोकथाम की कोशिश कर रही है। इस बीमारी से लोगों को बचाने में सबसे बड़ा योगदान मेडिकल स्टाफ के अलावा सफाईकर्मियों का भी है। सफ ईकर्मियों का स्वास्थ्य सुरक्षित रहे इसे देखते हुए स्टार आफ टुमारो के पदाधिकारियों, कार्यकताओं ने सुरक्षा किट बांटे हैं। सभी सफाई कर्मचारियों को मास्क, सैनिटाइजर, टोपी, हैंड ग्लब्स, मोजा, टीशर्ट, जूता, बूट, लॉन्ग बूट, जूती समेत कई अन्य सामान इस संस्था द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं। इसके साथ ही सभी को संक्रमण रोधी यूनीफ ार्म पहनकर ही नगर में साफ- सफाई करने के लिए कहा गया। शहर की सफाई व्यवस्था को दुरूस्त रखने के उद्देश्य से स्टार आफसोसायटी के अध्यक्ष महावीर सिंह एवं सचिव विनोद यादव ने कहा कि नगर पालिका में सफाई कर्मचारियों को मास्क वितरित करने के साथ सैनिटाइजर और अन्य उपकरण दिए गए हैं। सफाईकर्मियों को पूरे शहर की सफ ाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए धन्यवाद दिया गया। साथ ही नालियों की साफ - सफ ाई पर विशेष ध्यान देने की अपील की है। संस्था के ऊर्जावान रामशरण यादव ने कहा कि इस महामारी में सभी नगरवासी मिलकर सहयोग के साथ स्वच्छता बनाये रखने सभी को सहयोग करना चाहिए ।

कोरोना काल के असली हीरो : जरूरमन्दों तक राशन किट पहुंचा रहे गणेश उत्सव समिति के सदस्य

पायनियर संवाददाता ✓ जगदलपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना वायरस के चलते 6 मई तक बढ़ाए गए लॉकडाउन की वजह कई लोग बेरोजगार हो गए हैं. बिगड़ी परिस्थितियों के चलते कई लोगों के पास राशन तक नहीं है. ऐसे में कई संस्थाएं जरूरतमंदों की मदद को आगे आई हैं,जरूरतमंद भूखे न रह पाएं इसलिए जगदलपुर और आसपास ग्रामीण इलाकों में युवा गणेश उत्सव समिति माँ दुर्गा चौक समिति के सदस्यो द्वारा जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाई जा रही है.समिति द्वारा चावल, दाल, सोयबीन बड़ी,तेल,मसाले,सब्जी एवम जरूरत के समान की किट तैयार की गयी है जो जरूरमन्दों तक समिति के सदस्यों द्वारा पहुंचाई जा रही है। अभी तक 150 से अधिक परिवारों तक मदद पहुँचाई जा चुकी है।समिति के सदस्यो द्वारा ड्यूटी में तैनात पुलिस वालों को प्रतिदिन शीतल पेय भी वितरण किया जा रहा है।युवा गणेश उत्सव समिति माँ दुर्गा चौक के सदस्य अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन कर रहे है इससे पूर्व समिति ने रक्तदान शिविर व पर्यावरण के प्रति जागरूकता अभियान का भी आयोजन किया था। युवा गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष मयंक नत्थानी का कहना है कि संकट की इस घड़ी में सभी को एक दूसरे का साथ देना चाहिए,आज सभी परेशान है पर हमारे बीच कुछ वो लोग है जो जरूरमंद है समिति के सदस्य उन जरूरमन्दों तक राशन किट पहुँचाकर उनकी मदद कर रहे है। इस कार्य मे कमल नागवानी, विलास देवांगन, करन बजाज, विशाल पांडेय,मयंक दास, रोहित पवार, साई रायवलसा, बंटी वासवानी, आदर्श तिवारी, मोहसिन खान, श्रीराम रायवलसा, भावेश यादव, मीनू यादव ,आयुष शाहीअपना योगदान दे रहे है।

संसदीय सचिव रेख चंद जैन ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को लिखा पत्र

पायनियर संवाददाता ✓ जगदलपुर
www.dailypioneer.com

संसदीय सचिव एवं विधायक जगदलपुर ने विश्व पत्रकरिता दिवस पर प्रदेश के सवेदनशील मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पत्र लिखकर समस्त मीडिया से जुड़े पत्रकारों को भी फ्रंट लाइन कोरोना वारियर्स का दर्जा देने की माँग की है। जैन ने अपने पत्र मे लिखा है कि प्रदेश सहित संभाग के मीडियाकर्मी इस वैश्विक महामारी कै दोनो चरणो मे अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन कर रहे है जिससे कोरोना कै संक्रमण को रोकने कै लिये शासन प्रशासन द्वारा जारी किये गये संदेशों को जनता तक पहुचाने का कार्य कर रहे है। जैन ने कहा की कई पत्रकार भी इस दौरान अपनी जान भी गँवा चुके है और कई कै परिवार भी इससे संक्रमित हुये है, माननीय मुख्यमंत्री से सादर अनुरोध है की उन्हे भी फ्रंट लाइन कोरोना वारियर्स का दर्जा प्रदान करे।

आरोपी अतुल राठौर पुलिस को चकमा देकर फरार होने में कामयाब रहा

'बहुचर्चित धोखाघड़ी मामले के फरार आरोपी के ऊपर दस हजार का इनाम घोषित'

पायनियर संवाददाता ✓ मुंगेली
www.dailypioneer.com

जिले के जरहागांव थाना क्षेत्र में लाखों रुपयों के धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया था, जिसमे कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मामले के फरार आरोपियों प्रियंका लहरे, शशि लहरे, शैलेन्द्र लहरे, नितेश लहरे, को मध्यप्रदेश के इंदौर से तथा अनुज गुप्ता को अम्बिकापुर से गिरफ्तार करने में सफलता पाई थी जिसके बाद से आरोपियों को रिमांड में जेल भेज दिया गया है वही मामले का एक आरोपी अतुल राठौर पुलिस को चकमा देकर फरार होने में कामयाब हो गया जिसकी पतासाजी लगातार की जा रही है लेकिन लंबे समय गुजर जाने के बाद भी उक्त आरोपी की गिरफ्तारी नही हो सकी जिसके बाद जिले के एसपी अरविंद कुजूर द्वारा मामले को गम्भीरता से लेते हुए फरार आरोपी की जल्द गिरफ्तारी किये जाने के मकसद से फरार आरोपी अतुल राठौर के ऊपर 10 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की है, वही एसपी ने उक्त आरोपी का पता बताने वाले या उसे गिरफ्तार करने वाले व्यक्ति को इनाम की राशि देकर पुरुस्कृत किया जाएगा जिसको लेकर जिले के एसपी के द्वारा अपना तथा कंट्रोल रूम सहित सम्बंधित थाने का नम्बर जारी किया है।

गौरतलब है कि जिले के थाना जरहागांव में 6 जनवरी 2021 को प्रार्थी पीयूष तिवारी के द्वारा मामला दर्ज कराया गया था कि प्रियंका लहरे, शशि लहरे, शैलेंद्र लहरे जो जरहागांव थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम खम्हरिया के निवासी तथा अतुल राठौर जो कि इंदौर मध्यप्रदेश का निवासी हैं के द्वारा धोखाधड़ी करते हुए प्रार्थी से 3 लाख रुपये नगद एवँ प्रार्थी के जानकार के दुकानदार से फर्नीचर ले लिए थे तथा प्रार्थी के द्वारा अपने रुपयों की मांग करने पर लगातार टालमटोल कर रहे थे जिसके बाद प्रार्थी पीयूष तिवारी के द्वारा आरोपियों के खिलाफमामला दर्ज कराया गया था, इसी तरह उक्त आरोपियों के द्वारा ही एक अन्य व्यक्ति अभिषेक गाजलवार को वन विभाग में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उससे 1 लाख 20 हजार की राशि लेकर उसे फर्जी नियुक्ति पत्र देकर उसके साथ भी धोखाधड़ी की घटना को अंजाम दिया गया था, जिसके बाद धोखाधड़ी के शिकार हुए व्यक्ति अभिषेक गाजलवार द्वारा 27 फरवरी 2021 को थाना जरहागांव आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था उक्त दोनों मामलों के दर्ज होते ही सभी आरोपी शातिर तरीके से फरार हो गए थे इस दौरान जरहागांव पुलिस के द्वारा आरोपियों के पतासाजी के दौरान अम्बिकापुर से आरोपियों के मदद करने वाले एक अन्य सहयोगी अनुज गुप्ता को 14 मार्च को गिरफ्तार किया था जो कि अभी न्यायिक हिरासत में मुंगेली जेल में बंद है, उपरोक्त आरोपियों के खिलाफजरहागांव थाना के अलावा प्रदेश के विभिन्न थानों में बेरोजगारों को नौकरी लगाने के नाम पर पैसा लेने तथा ब्लैकमेलिंग से संबंधित विभिन्न मामले दर्ज है जिनपर उपरोक्त आरोपियों की गिरफ्तारी प्रदेश के विभिन्न थानों के द्वारा किया जाना है।

डेडिकेटेड कोविड अस्पताल में 5-10 बिस्तरीय आइसोलेशन वार्ड बनाने के निर्देश

मुंगेली। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी पी एस एल्मा ने बताया कि राज्य में कोविड-19 की संक्रमण की दर बढ़ी हुई है। ऐसा देखा गया है कि प्रत्येक अस्पताल में कोविड-19 के मध्यम और गंभीर लक्षणयुक्त व्यक्ति भी रोजाना पहुंच रहे हैं लेकिन कुछ लोगों के पास कोविड पॉजिटिव रिपोर्ट नहीं होने के कारण कोविड अस्पताल में भर्ती किए जाने में समस्या होती है। वर्तमान समस्या को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी एल्मा ने डेडिकेटेड कोविड अस्पताल में ही 5-10 बिस्तरीय आइसोलेशन वार्ड बनाने के लिए संबंधितों को निर्देश दिए हैं ताकि मध्यम गंभीर लक्षणयुक्त व्यक्ति यों को उनके पास कोविड जांच रिपोर्ट प्राप्त होने तक अथवा नही होने पर भी रखा जा सके और उन्हें समुचित चिकित्सकीय उपचार सुविधा प्रदान किया जा सके। कोरोना के द्वितीय संक्रमण के दौर में फैलते संक्रमण व हो रही मौतो से भयावह स्थिति बन रही है लोग दहशत में है कोरोना से जंग जीतने के लिए जहां हौसले की जररूत है वहीं इस जंग में संस्था व अन्य नागरिक जुड़कर अभियान चलाकर लोगो को कोरोना से जग लड़ने के लिए जागरूक कर रहे है और उपचार हेतु आवश्यक उपकरण व सामग्री देकर कोरोना की जंग में जीत का आव्हान कर रहे है। नागरिक व महिलाओं व सामजसेवीओं ने कोरोना के जंग में अपनी सहभागिता देते हुए अपनी स्थिति दर्ज करायी है।

निधन

सेठ घनश्याम दास अग्रवाल

शक्ति। सक्ती शहर की प्रतिष्ठित फर्म कनीराम जयनारायण अग्रवाल एवम शांति पैलेश के संचालक राकेश अग्रवाल एवं मुकेश अग्रवाल के पूज्य पिता अग्रवाल सभा सक्ती के पूर्व अध्यक्ष एवं एम.एल. जैन इंग्लिश मीडियम स्कूल के पूर्व चेयरमैन सेठ घनश्याम दास अग्रवाल का 3 मई 2021 दिन-सोमवार को दोपहर 2.00 बजे आकस्मिक निधन हो गया है,जिनका अंतिम संस्कार दिनांक- 03 मई 2021 दिन-सोमवार को शाम 05 बजे स्थानीय मारवाड़ी मुक्तिधाम सक्ती में किया गया, अंतिम संस्कार यात्रा निवास श्री राम मंदिर के सामने शक्ति से निकली, सेठ घनश्याम दास अग्रवाल के निधन पर लोगों ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

संपादकीय

सरकारों की जवाबदेही परेशान न हो जनता

सरकारों को अपनी मशीनरी को उन लोगों को परेशान करने से रोकना चाहिए जिसे वह अपनी आंख की किरकिरी समझती है। कोविड-19 के उभार ने सामाजिक व आर्थिक विभाजनों को तीखा किया है जो भारत में शताब्दियों से विद्यमान थे और हमारे लोकतंत्र के तथाकथित कर्णधारों के लंबे चौड़े दावों के बावजूद आज भी बने हुए हैं। महामारी के युग की कुछ हालिया घटनाओं ने यह दुःखद सत्य उजागर किया है। पश्चिम त्रिपुरा के जिला मजिस्ट्रेट-डीएम इस कारण खबरों में हैं कि उन्होंने कोविड-19 प्रोटोकाल का पालन कराने के लिए एक मैरिज हाल में प्रवेश कर शादी समारोह में बाधा डाली। डीएम ने स्वयं को कानून मान कर काम किया तथा यह तथ्य अनदेखा किया कि शादी के लिए समुचित अनुमति प्राप्त की गई थी। जनता में शोर-शराबा मचने और सत्तारूढ़ पार्टी विधायक द्वारा कार्रवाई की मांग के बाद ही अधिकारी ने माफी मांगी। अब बिहार की घटना पर गौर करें जहां एक मंत्री के बेटे ने बड़ा विवाह समारोह आयोजित किया जिसमें सैकड़ों अतिथि उपस्थित थे और इस प्रकार कोरोना विस्तार रोकने के कठोर दिशानिर्देशों का मजाक उड़ाया। आम आदमी की पीड़ा के प्रति संवेदनहीनता एक पुलिसकर्मी द्वारा एक व्यक्ति से आक्सीजन सिलिंडर छीनने के रूप में भी सामने आई, जबकि वह गिड़गिड़ाता रहा कि सिलिंडर उसकी मां की जान बचाने के लिए है। आगरा में हुई घटना के अनेक विवरण हैं, पर सभी में एक पुलिसकर्मी द्वारा उस व्यक्ति से सिलिंडर छीनना स्पष्ट है जो उसके पैरों पर गिर कर रो रहा था। इसकी तुलना भारत के शक्तिशाली लोगों के साथ हो रहे व्यवहार से की जा सकती है जो अपने लिए आरक्षित बिस्तरों वाले किसी अस्पताल में जा सकते हैं और वहां चोटी के डाक्टर चौबीसों घंटे उनकी स्थिति की निगरानी करते हैं।

खबरें हैं कि कुछ राज्यों में पुलिस ने उन अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई की जिन्होंने मीडिया में आक्सीजन सिलिंडरों की कमी की खबर दी थी तथा सोशल मीडिया पर चिकित्सकीय सहायता मांगने वालों को गिरफ्तार किया। इससे जनता में गुस्सा भड़का है। हम सभी जानते हैं कि कुछ राज्य सरकारों द्वारा लीपापोती के बावजूद जमीनी स्थिति बहुत गंभीर है। ऐसे में मौतों की संख्या के बारे में विसंगतियों अथवा अस्पतालों में बिस्तरों, आक्सीजन सिलिंडरों और वेंटीलेटरों की कमी के बारे में व्हिसिलब्लोअर की भूमिका निभाने वाली मीडिया के खिलाफ कार्रवाई से कोई लाभ नहीं होगा। इसके बजाय सरकारों को खुश होना चाहिए कि व्हिसिलब्लोअर व्यवस्था की कमियां उजागर कर रहे हैं। इस प्रक्रिया में वे एक-दो गलतियां कर सकते हैं, पर उनको अनदेखा किया जाना चाहिए। देश में वर्तमान भयानक त्रासद आपदा के समय छुद्र राजनीतिक बदले की कार्रवाइयां नहीं होनी चाहिए। यह सोचना गलत है कि कोई संकट नहीं है और लोग सोशल मीडिया का प्रयोग केवल सरकार के खिलाफ अशांति फैलाने के लिए कर रहे हैं। ऐसे में केन्द्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह द्वारा अपने भाई के लिए अस्पताल में बिस्तर की व्यवस्था हेतु एसओएस तथा उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगी संजीव बालियान के इस दावे पर क्या कहा जा सकता है कि डाक्टर और चिकित्सा कर्मी अस्पतालों से भाग रहे हैं? यदि किसी 'भ्रामक' सोशल मीडिया पोस्ट पर किसी 'दुष्प्रचार करने वाले' की संपत्ति जब्त की जा सकती है तो सरकारों को भी अस्पतालों की स्थितियों या औषधियों व आक्सीजन की सप्लाई के बारे में भ्रामक दावों का नतीजा भुगतना पड़ सकता है। यह न भूलें कि जवाबदेही की शुरुआत ऊपर से होती है, नीचे से नहीं।

वैश्विक महामारी के सबक

पानी, हवा, अग्नि, पेड़-पौधों व जीव-जंतुओं जैसे प्राकृतिक तत्वों ने हमारा अस्तित्व बचाए रखा है। उनके प्रति शोषणकारी दृष्टिकोण का खामियाजा मानवजाति को भुगतना पड़ सकता है।

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक दि पायनियर के सलाहकार संपादक हैं)

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा नियुक्त चीन के वूहान में जाकर जांच करने वाली अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं की टीम की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि जनवरी-फरवरी 2021 में फैलने वाले कोविड-19 का जन्म जानवरों से हुआ था। 30 मार्च, 2021 को पेश इस रिपोर्ट में वूहान की प्रयोगशाला से वायरस लीक की संभावना को 'अत्यधिक असंभव' बताया गया है। इसमें कहा गया है कि मनुष्यों को प्रभावित करने के पहले वायरस संभवतः एक जानवर से दूसरे जानवर में गया होगा। इसमें इस संभावना की जांच भी की गई है कि वायरस सीधे मूलतः जानवरों से फ्रोजेन या रेफ्रीजरेटेड फूट की आपूर्ति श्रृंखला द्वारा मनुष्यों में पहुंचा हो। जीव-जंतु व पेड़-पौधे प्रकृति का अंग हैं। सवाल है कि क्या वर्तमान समय में भारत में दूसरी लहर के माध्यम से विभीषिका पैदा कर रहा कोविड-19 वायरस मूलतः मानवजाति के इनसे बढ़ते टकराव का कारण है। ग्लोबल वार्मिंग की तरह यह हमारे खिलाफजवाबी आक्रमण है क्योंकि हम न केवल अपने जीवन, बल्कि विलासिता के लिए उसके सभी आयामों का औपनिवेशिक शोषण कर रहे हैं। स्थिति इसके बिल्कुल उलट होनी चाहिए। महात्मा गांधी का यह कथन बार-बार दुहराया गया है कि 'दुनिया के पास सबकी आवश्यकताओं के लिए काफी है, लेकिन सबके लालच के लिए कुछ नहीं।'

इसे अस्वीकार कर स्वयं को महामारी के प्रति मशीनी प्रक्रिया तक सीमित रखने से भले ही हम सफल हो जाएं, पर अपने सामने आने वाली किसी अन्य महामारी या विभीषिका को रोकने में असफल होंगे। निसंदेह मशीनी प्रक्रिया वर्तमान मामले के नतीजों से निपटने के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है, लेकिन समान रूप से यह बिल्कुल नाकाफी है। वर्तमान उभार की भयावहता का पूर्वानुमान न लगा पाना भी भयानक विफलता है। जैसा कि कहा जा रहा है, बड़ी समस्या वायरस, इसके म्यूटेशनों की गतिशीलता तथा विस्तार के बारे में समुचित जानकारी न होना है। इसलिए हमारी प्रतिक्रिया का कुछ हिस्सा कम से कम आंशिक रूप से पुराने वायरस संक्रमणों से प्राप्त अनुभवों पर आधारित होना चाहिए। हालांकि, लाकडाउन तथा कर्फ्यू जैसे आवागमन पर अन्य नियंत्रणों से तत्काल कुछ राहत मिली है, पर इससे भारी आर्थिक नुकसान तथा सामाजिक बाधा पैदा हुई हैं। इनमें प्रवासियों की वापसी जैसी घटनायें शामिल हैं।

हालांकि, वर्तमान परिस्थितियों में यह सबसे अच्छा काम हुआ है, लेकिन अनुपयुक्त प्रशासनिक कार्रवाई से स्थितियां बहुत खराब हुई हैं जिनके कारण वैक्सीनों, आक्सीजन सिलिंडरों, अस्पतालों में बिस्तरों, इंटेंसिव केयर यूनिटों, वेंटीलेटरों और श्मसानों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। यह लापरवाही तथा कोविड-19 के खिलाफसंघर्ष को समुचित प्राथमिकता न देने का नतीजा है। भारतीय निर्वाचन आयोग-ईसीआई की भूमिका खासकर दुर्भाग्यपूर्ण है। उसे चुनावों का चरणों में विस्तार नहीं करना चाहिए था जिसका परिणाम पश्चिम बंगाल में अनेक सप्ताहों तक विस्तारित चुनाव प्रचार तथा इसके फलस्वरूप संक्रमण के विस्तार के रूप में सामने आया है। यदि ईसीआई ने शुरुआत से ही बड़ी रैलियों की अनुमति न दी होती तथा इनमें भाग लेने वालों व इनको संबोधित करने वालों के मास्क पहनने पर जोर दिया होता तो शायद विनाशकारी प्रभाव कम होता। यदि यह सब नहीं हो रहा था तो सबको समुचित चेतावनी देने के बाद विशाल आयोजनों पर रोक लगाई जा सकती थी।

> मानवजाति का अस्तित्व प्राकृतिक शक्तियों पर नियंत्रण की महारत से संभव हुआ है। इस प्रक्रिया में उसे लगातार विश्राम व विलासिता के नए स्तर प्राप्त हुए हैं। इस प्रक्रिया में उसने स्वयं को प्रकृति पर विजेता माना तथा उसका शोषण किया। कोविड-19 जीव-जंतुओं के दुरुपयोग का नतीजा है। प्रकृति को नुकसान पहुंचाने वाली मानव गतिविधियों को न्यूनतम किया जाना चाहिए।

लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। शायद यह केवल संयोग नहीं है कि विजय जुलूसों पर प्रतिबंध मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा महामारी के वर्तमान विस्तार में आयोग की बड़ी भूमिका निभाने पर खिंचाई के बाद लगा। या तो ईसीआई को अपने निर्णयों की भयावहता का अनुमान नहीं था अथवा वह ऐसा करने के लिए दबाव में था। यह विश्वास करना कठिन है कि वह अपने निर्णयों का नतीजा नहीं समझ सका क्योंकि मामूली समझ रखने वाला व्यक्ति भी इसे समझ सकता था। लेकिन यदि दबाव वाली बात सही है तो यह भी कोई बहाना नहीं हो सकती है। आयोग की जिम्मेदारी है कि वह दबाव का विरोध कर स्वतंत्र रूप से काम करे। दोनों स्थितियों में उसकी भूमिका उचित नहीं कही जा सकती है।

जो भी हो, प्रकृति के साथ मानवजाति के संबंधों का सवाल बना हुआ है। मानवजाति के अपने आध्यात्मिक व जीववैज्ञानिक आयाम तथा प्रकृति में उसके उभार व विकास ने प्रकृति से उसका टकराव अपरिहार्य बना दिया है। एम.एन.राय ने लोकतंत्र पर अपने बाइस मूल सिद्धान्तों में से दूसरे में कहा था, 'स्वतंत्रता और सत्य की खोज मानव प्रगति का मूल आधार है। स्वतंत्रता की खोज एक उच्च स्तर पर बुद्धि व भावना की खोज है जो अस्तित्व के जीववैज्ञानिक संघर्ष से पैदा हुई है।' पानी, हवा, अग्नि, पेड़-पौधों व जीव-जंतुओं जैसे प्रकृति के तत्वों ने मानव अस्तित्व को बनाए रखा है, जबकि बाढ़, समुद्री तूफान, सूखा, आग, जंगली जानवरों और बीमारियों ने उसे संकट में डाला है।

मानवजाति का अस्तित्व प्राकृतिक शक्तियों पर नियंत्रण की महारत से संभव हुआ है। इस प्रक्रिया में उसे लगातार विश्राम व विलासिता के नए स्तर प्राप्त हुए हैं। इस प्रक्रिया में उसने स्वयं को प्रकृति पर विजेता माना तथा उसका शोषण किया। कोविड-19 जीव-जंतुओं के दुरुपयोग का नतीजा है। व्यक्तिगत स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है। आधुनिक लोकतंत्र जोर देते हैं कि सद्भावपूर्ण सामाजिक अस्तित्व के लिए सबके लिए अधिकतम स्वतंत्रताओं पर सहमति के आधार पर सीमाबंधन होने चाहिए। इस अवधारणा का विस्तार प्रकृति तक होना चाहिए तथा प्रकृति को नुकसान पहुंचाने वाली मानव गतिविधियों को न्यूनतम किया जाना चाहिए। निसंदेह गैर-मानवी तत्व जैसे जानवर एक दूसरे को या पेड़-पौधों को नष्ट करते हैं, लेकिन वे वैसी विभीषिका नहीं पैदा कर सकते हैं जैसी मानवजाति ने की है।

एक विफल योग्यता तंत्र का मिथक

दीपायन पाल
(लेखक आईआईटी गांधीनगर में स्नात्कोत्तर छात्र हैं)

जब से माइकल यंग ने 1958 में ''द राइज ऑफ मेरिटोक्रसी'' 'में अपने शानदार ढंग से डायस्टोपियन चित्रण में मेरिटोक्रेसी' शब्द गढ़ा, यह हमारे समय का एक प्रमुख सामाजिक आदर्श बन गया है। मेरिट के मानकों ने हमें विशेषाधिकार के स्थापित पदानुक्रमों को तोड़ने का वादा दिया। मेरिटोक्रेसी को ऊर्ध्वगामी सामाजिक गतिशीलता के एक उपकरण के रूप में देखा जाता है क्योंकि यह एक समान खेल के क्षेत्र - प्रतिभावान प्रतिभा, क्षमता, प्रयास और कड़ी मेहनत का वादा करता है, जिससे जन्म की लॉटरी द्वारा निर्धारित की गई सामाजिक स्थिति और धन की भूमिका को कमजोर कर देती है। हालांकि, वास्तव में, यह समकालीन समय में अभिजात वर्ग के पक्ष में असमानता के लिए एक स्मोकस्क्रीन बन गया है।

दशकों से स्पेक्ट्रम पर राजनीतिक दलों का शीर्ष एजेंडा मेरिटोरियम रहा है, क्योंकि लोग इसे समतावादी समाज को हासिल करने का सबसे ठोस तरीका मानते हैं। जब हम किसी समुदाय के कार्य करने के लिए योग्यता के बारे में सबसे अच्छा वैकल्पिक तरीका मानते हैं, तो हमें यह भी विचार करना चाहिए कि योग्यता काफी हद तक किसी की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, लिंग और परिवार पर निर्भर करती है। मेरिट विशेषाधिकार का एक उत्पाद है और नव-विरासत का आकार ले चुका है। धनवान माता-पिता अपने बच्चों को विशेषाधिकार प्रदान करते हैं। पुरानी-विश्व व्यवस्था में, लोगों को धन विरासत में मिला, जिससे उन्हें और अधिक धन का उत्पादन करने की अनुमति मिली; वर्तमान प्रणाली में, माता-पिता को अपने बच्चे की मानव पूंजी को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए मानव पूंजी के खेल में सफल होना पड़ता है।

अनुसंधान से पता चला है कि गुणात्मक रूप से सफल माता-पिता के बच्चों के पास हमेशा निर्माण कौशल में एक बढ़त होती है जो उन्हें जीवन में सफल होने की अनुमति देगा क्योंकि अभिजात वर्ग अपने बच्चों को सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थानों में भर्ती करवाते हैं, जिन्हें सर्वश्रेष्ठ नौकरियों और कुलीन पदों के लिए पासपोर्ट के रूप में देखा जाता था। इस वंशानुगत योग्यता ने इस नए गुणात्मक अभिजात वर्ग को जन्म दिया है। इस प्रकार, यह एक दुष्चक्र का रूप ले लेता है जिसमें शैक्षिक उपलब्धियाँ और धन एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक एक दूसरे को सुदृढ़ करते हैं।

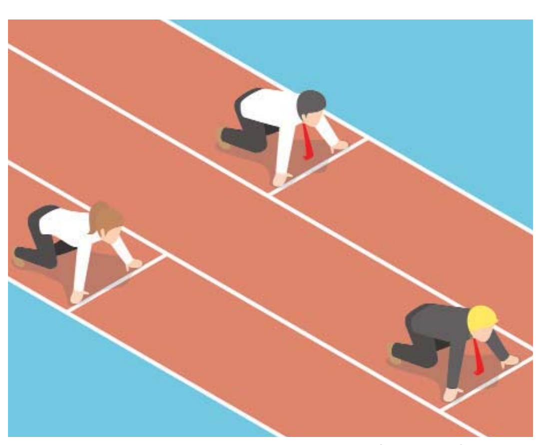

लोग अक्सर अवसर की समानता के बारे में बड़ी भारतीय आकांक्षा के रूप में बोलते हैं। लेकिन समान अवसर के करीब कुछ भी होने के लिए हमारे समाज के ऊपर से नीचे तक एक गंभीर कट्टरपंथी इंजीनियरिंग की आवश्यकता होगी क्योंकि संसाधनों तक पहुंच एक मूलभूत मुद्दा है। जब तक महत्वपूर्ण धन असमानताएं हैं, तब तक बच्चों के अवसरों में भारी अंतर होगा। वह स्थान जहाँ एक व्यक्ति का जन्म होता है, जिस समुदाय में वे बड़े हुए और जिन संस्थानों में वे आते हैं, वे उन्हें आकार देते हैं। जीवन के हर क्षेत्र में व्यापक असमानता भारतीय संदर्भ में काफी स्पष्ट है। मान लीजिए कि एक बच्चे की दयनीय प्राथमिक स्कूली शिक्षा थी, कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन सी संस्था बाद में उपस्थित होती है, वह खराब आधार के कारण सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सक्षम नहीं है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि प्रवेश मानदंड क्या हैं, संपन्न बच्चों को असमान रूप से फायदा होगा। यदि हम प्रवेश परीक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो माता-पिता अतिरिक्त ट्यूशन और प्रवेश तैयारी पाठ्यक्रमों के लिए भुगतान करेंगे। अगर हम समग्र या सर्वांगीण गुणों के बजाय ध्यान केंद्रित करते हैं। निश्चित रूप से, धन हमेशा विशेषाधिकार प्राप्त बच्चों को अवसरों और संसाधनों के मामले में अन्य लोगों के बच्चों पर बढ़त हासिल करने की अधिक क्षमता प्रदान करता है। अगर हम चाहते हैं कि इस शब्द के माध्यम से मेरिटोक्रेसी जैसा हो, तो हमें पूर्ण समतावादी साम्यवाद को संस्थागत रूप देकर शुरू करना होगा।

सिर्फ अवसर ही नहीं, पुराने इकोनॉमिक क्लबों के ऊपरी बॉयलों के रूप में ऊपरी पारितंत्र (लॉ-डोर पॉलिसी) में पैरवी करना और भारत में अग्रणी शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों में हाशिए के समुदायों से प्रोफेसरों की अनुपस्थिति (संवैधानिक रूप से सकारात्मक कार्रवाई नीतियों के बावजूद) सिस्टम में गहरी-एम्बेडेड खामियों को दिखाएं। हमने अपने समाज को विजेताओं और हारे हुए लोगों में विभाजित किया है, जहां आने वाले दूसरे की लागत दुर्भाग्य से बहुत अधिक है। वास्तव में, लोकप्रिय सिटकॉम ब्रेकिंग बैड में, रसायन विज्ञान में शानदार होना मुख्यधारा के कैरियर की प्रगति या अस्तित्व की गारंटी देने के लिए पर्याप्त नहीं था।

सिस्टम में मौजूद ये संरचनात्मक असमानताएँ वर्ग चेतना को और अधिक गहरा करती हैं (जैसा कि शिक्षा वर्ग रेखाओं को पुष्ट करती है) जिसमें अभिजात वर्ग विशेषाधिकार की हवा को महसूस करने में विफल हो जाता है क्योंकि वे मानते हैं कि वे अपने विशेषाधिकार के हकदार हैं, और जो नुकसान में पैदा हुए हैं वे आश्वस्त हैं कि वे खुद को दोषी मानते हैं सामाजिक गतिशीलता के लिए बड़ी बाधाओं को दूर करने के लिए उनकी अपर्याप्तता के लिए। अभिजात वर्ग, उनकी असुरक्षा से त्रस्त है क्योंकि यह उन्हें खुद को उत्पादक प्रतिभा के रूप में देखने का लाइसेंस देता है जो नैतिक आश्वासन और व्यक्तिगत चापलूसी की पेशकश करते हैं। तंत्रिका विज्ञान और मनोविज्ञान में हाल के शोध से पता चलता है कि योग्यता में विश्वास लोगों को अधिक स्वार्थी बनाता है, कम आत्म-आलोचनात्मक और यहां तक कि भेदभावपूर्ण तरीकों से अभिनय करने के लिए अधिक प्रवण होता है।

फिर भी, लोगों को योग्यता की धारणा अच्छी लगती है : यह इसके साथ आगे बढ़ने का विचार रखता है कि आप जीवन में कहां से शुरू करते हैं। हालांकि, आदर्श विफल हो गया है। हम सभी को इन गहरी संरचनात्मक असमानताओं को स्वीकार करने की आवश्यकता है और इस दुनिया में हर किसी के पास एक ही प्रारंभिक बिंदु नहीं है। ऐसे समय में जब गुणवत्तापूर्ण रोजगार सूख गया है, और असमानता बढ़ रही है, हमें शिक्षा को समान बनाने के लिए शिक्षा को समान करने के लिए सुधार लाने जैसे गुणात्मक आदर्शों और गुणात्मक नीति अभ्यास की अभिजात्य नींव की जांच करने की जरूरत है, जहां हर कोई समान हो फलने-फूलने के अवसर, लंबे समय में सामाजिक गतिशीलता और सामाजिक एकजुटता हासिल करना।

फरमाया

सरकार की सभी भुजाएं एकजुट होकर तेज गति से वर्तमान परिस्थिति से निबटने के लिए काम कर रही हैं।

- नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

दिल्ली जल रही है। क्या किसी दिल्लीवासी ने दिल्ली भाजपा को देखा है? दिल्ली में भाजपा कहां है? अथवा क्या प्रदेश इकाई भंग की गई है।

- राजीव तुली
संघ की ओर से दिल्ली प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य

हमारा ध्यान इस संकट की घड़ी में लोगों की मदद करने पर केंद्रित है। व्यक्तिगत स्तर पर कोई क्या कह रहा है यह यह संघ का मत नहीं है।

- सुनील अंबेकर
आरएसएस नेता

आप की बात

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल से
pioneer.editorial@gmail.com
पर भी भेज सकते है।
www.dailypioneer.com

सजग हो हर आदमी

वाकई आज अगर हर आदमी ऑक्सीजन घटने और वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड बढ़ने की वजह जान ले तो काफी हद तक प्रदूषण पर नियंत्रण हो सकता है। फिर कोरोना का स्ट्रेन टू आए या इंडियन वैरीअंट उससे आसानी से निपटा जा सकता है। ऑक्सीजन की कमी की चिंता के बीच महाराष्ट्र में एक डॉक्टर मरीजों को इलाज के बाद जो सलाह दे रहे है वह प्रशंसनीय है। डॉक्टर की सलाह आने वाले सालों में धरती पर हरियाली और लोगों को भरपूर स्वास्थ्य मुहैया करा सकती है। देश इस समय ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहा है। वातावरण में भी कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ोतरी स्वास्थ्य के प्रतिकुल साबित हुई है। ऐसे में वृक्षों की उपयोगिता लोगों को समझना चाहिए। अहमदनगर महाराष्ट्र के एक आयुर्वेदिक डॉक्टर युवराज कासार ने एक अनोखी पहल कर पर्यावरण को शुद्ध करने और हरियाली के विस्तार के लिए लोगों को जागृत किया है।डॉक्टर कासार कोरोना मरीजों को दवा के साथ ही अच्छे होने पर एक पेड़ लगाने की सलाह लिख रहे हैं। आज देश में वाकई ऐसे ही नवाचारों की जरूरत है। डॉक्टर और अस्पताल के अलावा अन्य समाजसेवी संस्थाएं भी इस दिशा में पहल करें।

- **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

अभिव्यक्ति पर प्रश्नचिन्ह

जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है।यह पंक्ति, राज्यों की सरकारों की दुर्दशा और उठाए गए कदम को भलीभांति बयां करती हैं।पिछले दिनों, उत्तर प्रदेश में एक व्यक्ती ने अपने दादा को ऑक्सीजन मुहैया कराने के लिए सोशल मीडिया के जरिए मदद मागी। लेकिन यूपी पुलिस ने डर फैलाने का आरोप लगाकर, महामारी अधिनियम के अनुसार मुकदमा दर्ज कर दिया। हालांकि उच्चतम न्यायालय ने इस विषय को संज्ञान मे लेते हुए कहा कि यह तरीका और साधन है जिसके जरिए बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में कटौती की जा रही।इस पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करते हुए, न्यायलय ने कहा कि इस तरह मदद मांगना, कोई अपराध हैं? विडंबना यह है कि इस तरह की गतिविधियों को लेकर सरकार खुद को कटघरे में खड़ा करके देखने लगती हैं। सवाल है जो काम सरकार की जिम्मेदारी है, उसमे नाकाम होने पर शर्मिंदा होने के बजाय, वह उल्टा दूसरों को मदद करने वाली जनता पर शिकंजा कसना क्यों शुरू कर देती है? सुप्रीम कोर्ट ने भी इस रवैया पर सख्त तल्ख़ टिप्पणी करते हुए कहा कि कोई भी राज्य कोविड-19 के बारे में सूचनाओं के प्रसार को लेकर शिकंजा नहीं कस सकता।

- **अमन जायसवाल,** दिल्ली विश्वविद्यालय

फास्ट फूड से बचें

अभी हम देख रहे हैं कि कोरोनावायरस ने किस तरीके से मानव को अपने शरीर के प्रति जागरूक होने को आगाह किया है। पिछले साल जब कोरोनावायरस ने जन्म लिया था तो मनुष्य अपने स्वास्थ्य के प्रति बहुत ही ज्यादा जागरूक हो गया था परंतु वह उसे नियमावली को जारी नहीं कर पाया जिस वजह से स्वास्थ्य दिक्कतें और बढ़ी। इस कोरोना काउंट में सबसे जरूरी है कि हम अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें और खानपान में अच्छी चीजों का सेवन करें। बहुत सारे लोग फास्ट फूड बहुत अधिक मात्रा में खाते हैं जो कि उनके स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा नहीं है। फास्ट फूड में ऐसे तत्व मिले होते हैं जो कि हमारे शरीर के यह बहुत ही हानिकारक होते हैं और जिससे कि हमें एक लंबे समय की बीमारी का सामना करना पड़ सकता है। फास्ट फूलों में प्रचुर मात्रा में कैल्शियम मैग्नीशियम वह अन्य मिनरल्स है नहीं होते हैं जिससे कि हमारे शरीर को लाभ पहुंच सके। आज के समय में स्वस्थ खाना ही हमारी स्वस्थ इम्यूनिटी का जरिया है। इसीलिए हमें खान-पान पर ध्यान देना होगा।

- **सुदर्शन सोराड़ी**, नैनीताल

कुछ दुकानदार छूट की आड़ में उड़ा रहे थे लॉकडाउन की धज्जियां

तो वही प्रतिबंधित दुकानें भी थी खुली, तहसीलदार रश्मि व टीम ने दी दबिश, ताबड़तोड़ चालानी कार्यवाही

लॉकडाउन की गाइड लाइन का उलंघन और पालन नही करने वाले दुकानों में लगाया गया जुर्माना

पायनियर संवाददाता < बालोद
www.dailypioneer.com

बड़ी गंभीर और चिंताजनक बात हैं कि कोरोना के इस दूसरे चरण और बढ़ते कहर में भी लोग सचेत नही हो रहे है, जागरूक नही हो रहे है, अपनी जिम्मेदारी नही समझ रहे हैं, जो बड़ ही अफसोस कि बात हैं। ऐसे कुछ व्यवसायी है जिन्हें इस कोरोना काल में भी अपनी जिम्मेदारी का एहसास नही। कोरोना के इस समय में भी सिर्फ अपना स्वार्थ देख व्यवसाय को प्राथमिकता देते हुए जारी लॉकडाउन के आदेशों की अनदेखी कर रहे हैं। सोमवार को कुछ दुकानदार छूट की आड़ में लॉकडाउन के आदेशों की धज्जियां उड़ाते नजर आये। तो वही प्रतिबंधित दुकाने भी खुली नजर आई, जो चोरी छिपे दुकान का आधा शटर या दरवाजा खोल व्यवसाय कर रहे थे। बढ़ते कोरोना के ग्राफ को भूलकर अपना व्यवसाय करने में मग्न दिखे।आपको बता दे कि जिला प्रशासन ने कॉलेज की ऑनलाइन परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए छात्र-छात्राओं को स्टेशनरी, फोटोकॉपी व कम्प्यूटर सम्बंधित आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए फोटोकॉपी व कम्प्यूटर (सिर्फ ऑनलाइन से संबंधित) दुकानों को सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक खोलने की अनुमति प्रदान की हैं। इसके अलावा सब्जी, फल एवं ग्रासरी को सिर्फ ठेले, स्ट्रीट वेंडर्स या छोटे माल वाहन के माध्यम से होम डिलीवरी की अनुमति प्रदान की गई है। लेकिन सोमवार को कुछ दुकानदार इस आदेश को दरकिनार करते हुए दुकान खोलकर, आधे शटर लगाकर या फिर दुकान बंद कर सामने से सामानों को बेचते नजर आये। अपना व्यवसाय करते नजर आये। मोबाइल रिचार्ज से संबंधित अन्य सामानों व उपकरणों को बेचते नजर आये।

जिससे सोशल डिस्टेसिंग की और जारी लॉकडाउन के आदेशों की जमकर धज्जियां उड़ी। मामले की जानकारी लगते ही बालोद तहसीलदार श्रीमती रश्मि वर्मा द्वारा अपनी टीम के साथ ऐसे गैरजिम्मेदार और मनमानी रवैय्या बरत रहे दुकानों में दबिश देते हुए ताबड़तोड़ चालानी कार्यवाही की गई। बालोद शहर स्तिथ अरिहंत मोबाईल एंड कम्प्यूटर दुकान, भारत जनरल स्टोर्स, देवांगन किराना, गंगामैय्या हार्डवेयर, शिव किराना, सहित कई अन्य दुकानों में दुकान खोलकर सामान देने, सोशल डिस्टेसिंग की धज्जियां उड़ाने साथ ही लॉकडाउन का पालन नही करने पर जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा दुकान को बंद कर सामने से सामान बेचने वाले दुकानदारों पर भी जुर्माना लगाया गया। अरिहंत मोबाइल एंड कम्प्यूटर पर लॉकडाउन के आदेश की अवहेलना करने पर 1 हजार का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा अन्य दुकानों में भी 1 हजार से 3 हजार रुपये तक जुर्माना लगाया गया। साथ ही तहसीलदार रश्मि वर्मा द्वारा उक्त सभी दुकानदारों को कड़ी समझाईश दी गई कि अगर अगली बार दुकान खुली दिखी या फिर किसी भी प्रकार की उलंघन करने की शिकायत प्राप्त हुई तो दुकान सील करने की कार्यवाही की जाएगी।

दुकान सील करने की कार्यवाही की जाएगी- रश्मि वर्मा

तहसीलदार रश्मि वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर के कुछ दुकानों में लॉकडाउन का उलंघन किये जाने पर जुर्माना लगाने की कार्यवाही की गई हैं। इसके अलावा उन्हें कड़ी हिदायत भी दी गई हैं कि अगली बार किसी भी प्रकार की शिकायत या फिर जारी आदेश का उलंघन किये जाने पर दुकान को सील करने की भी कार्यवाही की जाएगी। वर्मा ने नगरवासियों से अपील करते हुए कहा की सभी लॉकडाउन के आदेशों का शत प्रतिशत पालन करे। बेवजह घर से बाहर न निकले। अतिआवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकले। मॉस्क का उपयोग निरंतर करे और सामाजिक दूरी का पालन करे। इसके अलावा तहसीलदार श्रीमती रश्मि वर्मा ने सभी दुकानदारों से भी अपील की है कि जारी आदेश का पालन करे। प्रशासन को सहयोग प्रदान करे। लापरवाही न बरतें और न किसी को बरतने दे। आप सभी के पूर्ण सहयोग से ही कोरोना के इस चेन को तोड़ा जा सकता हैं।

देखिए कलेक्टर साहब... कंटेनमेंट जोन में नहीं है पुलिस का पहरा

पायनियर संवाददाता < बालोद
www.dailypioneer.com

जिले में में हर रोज कोरोना संक्रमण के सैकड़ों केस मिल रहे है। इसके बावजूद लोगों में डर नहीं है। कोरोना संक्रमण पर रोक के लिए सरकार के गाइडलाइन के अनुसार जिला प्रशासन ने नगरीय निकायों सहित कई ग्रामीण अंचलों में कंटेनमेंट जोन बनाया है। लेकिन लोग कंटेनमेंट जोन के नियमों का कड़ाई से पालन नहीं कर रहे हैं। कंटेनमेंट जोन में लगाए गए बेरिकेट के अंदर से घुसकर व फांद कर लोग पार हो रहे हैं। बालोद शहर के कुछ वार्ड कंटेनमेंट हैं जहां पुलिस की निगरानी नहीं है। इससे लोग कंटेनमेंट के नियम का पालन नहीं कर रहे हैं। जिले में पिछले दो सप्ताह के अंदर काफी ज्यादा कोरोना पॉजिटिव के मामले और मौत के आंकड़े सामने आए हैं। कोरोना संक्रमण के खतरे को रोकने के लिए जिस क्षेत्र में ज्यादा पॉजिटिव पाए गए हैं। शासन की गाइडलाइन के अनुसार उस क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया गया है। लेकिन जिले के कई कंटेनमेंट जोन हैं। जहां पुलिस को निगरानी के लिए नहीं लगाया गया है। इस कारण लोग कंटेनमेंट के लिए बनाए गए बेरिकेट के अंदर से घुसकर व फांद कर पार हो रहे हैं। खासकर ग्रामीण अंचलों में। इतना ही नही जिन अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी इन कंटेन्मेंट जोन की निगरानी के लिए लगाई गई हैं। वे भी मौके से नदारद हैं। कंटेन्मेंट जोन के नियमो का उलंघन करने वाले लोगों को रोकने वाला कोई नहीं है। पुलिस का पहरा नहीं होने से लोगों का आवागमन बेरोक-टोक जारी है।

अतिगरीब अन्तयोदय कार्डधारी हितग्राहियों को कोरोना वैक्सीन टीका लगाने प्रेरित करें : निगम आयुक्त

भिलाई। नगर पालिक निगम, भिलाई-चरौदा आयुक्त कीर्तिमान सिंह राठौर ने अन्त्योदय राशन कार्डधारी (गुलाबी राशन कार्ड) हितग्राहियों जिनकी उम्र 18वर्ष से 44वर्ष हो चुकी है, वे शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला, भिलाई-03 में बनाए गए वैक्सीनेशन सेंटर में अन्त्योदय कार्ड, आधार कार्ड, परिचय पत्र अथवा अन्य फोटोयुक्त आई.डी. लेकर वैक्सीन लगवाने हेतु उपस्थित होवें। आयुक्त ने नगर पालिक निगम, भिलाई-चरौदा के सम्मानित 40 वार्डों के पात्र हितग्राही सर्वप्रथम वैक्सीन लगवाने हेतु शिविर स्थल पहुँचे, ताकि उन्हें वैक्सीन लगाने के लिए बाद में भटकना न पड़े। सम्माननीय वार्ड पार्षदों से भी अपील किए हैं कि अतिगरीब अन्तयोदय कार्डधारियों को कोरोना वैक्सीन टीका लगाने हेतु प्रेरित करें।

निगम आयुक्त के साथ-साथ निगम की मोबाईल टीम के प्रभारी राजकुमार देवांगन के निर्देशानुसार समस्त वार्डों में अन्त्योदय कार्डधारियों को वैक्सीन लगाने सुबह-शाम मुनादी किया जा रहा है, ताकि निगम भिलाई-चरौदा क्षेत्र में शत्प्रतिशत वैक्सीनेशन का कार्य हो सके।

लॉक डाउन की आड़ में बिना अनुमति कर रहा था अवैध निर्माण, शिकायत पर निगम की टीम ने किया ध्वस्त

पायनियर संवाददाता < भिलाईनगर
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के न्यू खुर्सीपार क्षेत्र में अतिक्रमण करने वाले के खिलाफ कार्यवाही की गई। लॉकडाउन की आड़ में बिना कोई अनुमति लिए घर के पीछे हिस्से में अवैध रूप से निर्माण करने की शिकायत पर निगम के राजस्व विभाग के अमले ने तोड़फोड़ की कार्यवाही की। निगम क्षेत्र में अवैध कब्जा एवं अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने निगम आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी ने निर्देश दिए है। आदेश के परिपालन में जोन 04 नेहरू नगर की टीम ने अतिक्रमण के खिलाफ शिकायत मिलने पर वार्ड 32 में तोड़फोड़ की कार्यवाही किए। जोन 04 के सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू ने बताया कि वार्ड 32 न्यू खुर्सीपार में घर के पीछे हिस्से में अवैध निर्माण की शिकायत पर कार्यवाही की गई। जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा के निर्देश पर जोन के राजस्व विभाग का अमला वार्ड 32 पहुंचा जहां एक व्यक्ति द्वारा दो घरों के बीच बैकलाइन में बिना कोई अनुमति लिए अवैध रूप से निर्माण कर रहा था, जिसे ध्वस्त किया गया। अवैध निर्माण पर पूर्व में भी रोक लगाया गया था, लेकिन अवैध निर्माण कर्ता सरला ब्रम्हे द्वारा लॉकडाउन के दौरान काम को जारी रखा था, जिस पर मोहल्ले के लोगों ने लिखित में शिकायत की! सूचना मिलने पर पुनः राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बैकलाइन में बना रहे टायलेट की दीवार को ध्वस्त करते हुए निर्माण को हटाया तथा दोबारा ऐसा कार्य नहीं करने की समझाईश दी गई अन्यथा कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। अवैध निमार्ण से बेदखली की कार्यवाही के दौरान जोन 04 की राजस्व विभाग की टीम एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

अन्य राज्यो से आने वाले व्यक्तियों को दिखाना होगा 72 घंटे के भीतर का आरटीपीसीआर निगेटिव रिपोर्ट

बालोद। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जनमेजय महोबे ने वर्तमान में नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण के रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु अन्य राज्यों/जिलों से फसल कटाई के प्रयोजन से आने वाले (हार्वेस्टर/थ्रेसर/ट्रेक्टर) व्यक्तियों के लिए निम्नानुसार आदेश जारी किया है। जारी आदेश में कहा गया हैं कि पिछले 72 घंटे के भीतर के आरटीपीसीआर निगेटिव रिपोर्ट दिखाने पर उन्हें गंतव्य स्थान में जाने की अनुमति होगी।

अन्यथा उनका कोरोना टेस्ट किया जाएगा तथा निगेटिव पाए जाने पर ही गंतव्य स्थान में जाने की अनुमति होगी। यदि किसी की कोरोना रिपोर्ट पॉजीटिव पाई जाती है तो ऐसे व्यक्ति हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी गाइडलाईन अनुसार कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

माहेश्वरी समाज और शर्मा परिवार ने मरीजों के लिए की ऑक्सीजन युक्त निः शुल्क एम्बुलेंस प्रदान

मानव सेवा संस्थान दुर्गा मंदिर समिति के पदाधिकारीयों द्वारा किया जाएगा संचालन

पायनियर संवाददाता < बालोद
www.dailypioneer.com

कोरोना संक्रमण के इस दौर में जहां लोगों को सुविधाओं का आभाव है। वहीं कई सामाजिक संगठन अब लोगों की मदद के लिए आगे आए हैं। ऐसे में बालोद नगर के माहेश्वरी समाज और शर्मा परिवार ने मरीजों के लिए ऑक्सीजन युक्त निःशुल्क एंबुलेंस प्रदान किया है। बहुत ही कम समय में इस एम्बुलेंस को बनाकर तैयार किया गया है। इस एंबुलेंस का संचालन बालोद नगर के मानव सेवा संस्थान दुर्गा मंदिर समिति के पदाधिकारी करेंगे। आपको बता दें कि इस बार कोरोना की खतरनाक लहर की वजह से लोगों को पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिल पा रही हैं। ऐसे में कई सामाजिक संगठन लोगों की सेवा के लिए लगातार आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी के तहत बालोद माहेश्वरी समाज और शर्मा परिवार ने जो एम्बुलेंस दिया है। उसे अब निः शुल्क मरीजों को लाने ले जाने में उपयोग किया जाएगा। वहीं इस एम्बुलेंस में ऑक्सीजन सिलेंडर भी लगाया गया है। ताकि मरीज को किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत ना हो। इस एम्बुलेंस को संचालन मानव सेवा संस्थान के पदाधिकारी करेंगे। इस बात के लिए कलेक्टर जनमेजय महोबे, नगर पालिका अध्यक्ष विकास चोपड़ा, समाज सेवी डॉ. प्रदीप जैन, तहसीलदार रश्मि वर्मा ने भी मौके पर पहुंच कर सभी लोगों को बधाई दी और कहा कि निश्चित ही मानव सेवा ही सबसे बड़ी सेवा हैं। जहां कोरोना संक्रमण के इस दौर में सामाजिक संगठन आगे आ रहे हैं और लोगों की सेवा कर रहे हैं।

सभी शासकीय अस्पतालों में ऑक्सीजन बेड उपलब्ध

दुर्ग। जिले के सभी शासकीय अस्पतालों में ऑक्सीजन बेड उपलब्ध है। हॉस्पिटल स्टाफ द्वारा किए जा रहे लगातार प्रयासों के चलते जिले में रिकवरी रेट तेजी से बढ़ा है। इसके चलते मरीज तेजी से डिस्चार्ज हो रहे हैं और ऑक्सीजन बेड उपलब्ध हो रहे हैं। होम आइसोलेशन कंट्रोल सेंटर में अधिकारी लगातार लोगों की ऑक्सीजन लेवल की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। परिजनों और मरीजों को कहा गया है कि 94 से नीचे ऑक्सीजन का स्तर आते ही तुरंत हॉस्पिटल में एडमिशन एडमिट होने की कार्रवाई करें। सभी हॉस्पिटलों में ऑक्सीजन बेड उपलब्ध है ल। इसके साथ ही कोविड सस्पेक्टेड मरीजों के लिए भी आइसोलेशन बेड उपलब्ध हैं। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा ऑक्सीजन बेड की उपलब्धता की दिशा में लगातार कार्य किया गया है जिसके बूते जिले के मरीजों के लिए ऑक्सीजन बेड के किसी तरह की दिक्कत नहीं है।

डीसीएच शंकरा-54 बेड
एचडीयू-04 बेड
जंबो सिलिंडर ऑक्सीजन बेड-06
जिला अस्पताल
आईसोलेशन वार्ड - 44 बेड
कोविड विंग
ऑक्सीजन बेड -21
सुपेला हॉस्पिटल- 56 बेड
झीठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र- 05 बेड
ऑक्सीजन बेड- 05
आइसोलेशन बेड-07
धमधा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र- ऑक्सीजन बेड- 10
चंदूलाल चंद्राकर हॉस्पिटल- 60 बेड
निकुम स्वास्थ्य केंद्र-14
कुम्हारी स्वास्थ्य केंद्र- ऑक्सीजन बेड्स-08
अहिवारा स्वास्थ्य केंद्र- ऑक्सीजन बेड्स-15
उतई स्वास्थ्य केंद्र- 18
पाटन स्वास्थ्य केंद्र-.04
इन अस्पतालों में मरीजों के लिए इतने बेड है रिक्त।

सेल्फी पॉइंट पर फोटो लेकर युवा कर रहे हैं अन्य को प्रेरित, अब अपने नजदीकी स्थल में लगवा सकेंगे कोविड का टीका

अंत्योदय कार्डधारी परिवार के 18 से 44 वर्ष समूह के व्यक्ति यों को लग रहा है टीका

अंत्योदय कार्ड धारी की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए भिलाई में बढ़ा टीकाकरण केंद्र

पायनियर संवाददाता < भिलाई निगम
www.dailypioneer.com

अंत्योदय कार्ड धारी परिवार के 18 से 44 वर्ष के लोगों को टीका लगाया जा रहा है! राशन दुकानों में संपर्क कर अंत्योदय कार्ड वाले परिवार के सदस्यों को टीका लगाने के लिए सूचना देते हुए प्रेरित किया जा रहा है! वही युवाओं में इसको लेकर गजब का उत्साह है, वे अपने सभी परिवार के सदस्यों को लेकर टीकाकरण केंद्र तक पहुंच रहे हैं! अंत्योदय कार्ड धारी अंडा चौक खुर्सीपार एवं वैशाली नगर संस्कृतिक भवन में पहुंचकर अपना टीकाकरण करवा सकते हैं!

भिलाई निगम में प्रारंभिक तौर पर दो टीकाकरण केंद्र अंत्योदय कार्ड योजना के लाभार्थियों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है! टीकाकरण के लिए हितग्राही परिवार को अंत्योदय कार्ड एवं स्वयं का आधार कार्ड लाना आवश्यक है।

कार्ड धारी परिवार के सभी सदस्य जो 18 से 44 वर्ष के भीतर हैं एक साथ टीकाकरण के लिए आ जाए तो सभी सदस्यों को टीका साथ में लग जाएगा इससे कोरोना संक्रमण की रोकथाम में मदद मिलेगी! अंडा चौक एवं वैशाली नगर सांस्कृतिक भवन के टीकाकरण केंद्र में कल दोपहर तक कई अंत्योदय कार्ड ग्राही परिवार के सदस्यों ने टीका लगवा लिया था! टीकाकरण में पंजीयन के कार्य में सरलीकरण के होने के कारण आसानी से टीका लग रहा है, टीकाकरण केंद्र पहुंचने पर इंतजार की आवश्यकता नहीं पड़ रही है!

अंत्योदय कार्ड धारी परिवार के सदस्य इन केंद्रों में लगवा सकते हैं टीका, लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए भिलाई में बढ़ा केंद्र अंत्योदय कार्ड वाले परिवार के सदस्य जो 18 से 44 वर्ष उम्र समूह के हैं वह वैशाली नगर सांस्कृतिक भवन, अंडा चौक सांस्कृतिक भवन, वार्ड क्रमांक 24 दुर्गा विद्यालय मिलन चौक तथा वार्ड क्रमांक 6 शासकीय उच्चतर विद्यालय सुपेला में पहुंचकर टीकाकरण करवा सकते हैं!

कोरोना के प्रारंभिक लक्षण वाले मरीजों को दवाईयों की किट तत्काल उपलब्ध कराए- कलेक्टर महोबे

पायनियर संवाददाता < बालोद
www.dailypioneer.com

कलेक्टर जनमेजय महोबे ने कहा कि जिले में कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम व बचाव के लिए कोरोना के प्रारंभिक लक्षण वाले मरीजों को स्वास्थ्य कार्यकर्ता व मितानीन आदि के माध्यम से तत्काल दवाईयों की किट उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें ताकि मरीज शीघ्र स्वस्थ हो सके। महोबे सोमवार को संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित स्वास्थ्य विभाग की संक्षिप्त बैठक में निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने तैयार किए जा रहे दवाईयों की किट की प्रगति की जानकारी ली और दवाईयों की किट वितरण के निर्देश दिए। उन्होंने ऑक्सीमीटर वितरण की प्रगति की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने जिला कोविड-19 अस्पताल तथा कोविड केयर सेंटरों में भर्ती मरीजों और उपलब्ध बिस्तरों की जानकारी ली। उन्होंने 45 वर्ष से अधिक आयु के हितग्राहियों का टीकाकरण तथा अंत्योदय कार्डधारी 18 वर्ष से 45 वर्ष आयु समूह के हितग्राहियों का टीकाकरण की प्रगति की जानकारी ली और टीकाकरण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिला मुख्यालय बालोद में आरटीपीसीआर लैब निर्माण की प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में कोविड-19 टीकाकरण के जिला नोडल अधिकारी व डिप्टी कलेक्टर अभिषेक दीवान, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रेमलता चंदेल और सुब्रत प्रधान, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जेपी मेश्राम, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. एसके सोनी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. भूमिका वर्मा आदि मौजूद थे।

क्विक न्यूज

कोरोना से जंग जीत घर लौटे दो वृद्ध, मालखरौदा कोविड सेंटर से मिली छुट्टी

सक्ती। शासकीय बेदराम महाविद्यालय पिहरीद (मालखरौदा) कोविड सेंटर से 02 मई को दो बुजुर्ग महिलाये कोरोना से स्वस्थ होकर घर लौटी,जिसमे सुमित्रा बाई चन्द्रा उम्र 62 वर्ष ग्राम अमलीडीह(छापोरा) एवं रामवती यादव उम्र 52 वर्ष ग्राम मालखरौदा को आज दिनाँक 2 मई को शाम कोविड सेंटर से छुट्टी दी गई, तथा दोनों महिलाओं ने कोविड केयर सेंटर के चिकित्सकों को धन्यवाद तथा आभार व्यक्त किया।

आबकारी विभाग वृत्त बाराद्वार की छापामार कार्रवाई में हसौद

सक्ती। जांजगीर-चांपा जिला कलेक्टर जांजगीर यशवंत कुमार के निर्देशानुसार व सहायक आयुक्त आबकारी विजय सेन शर्मा की मार्गदर्शन में 02 अप्रैल को जिला-जांजगीर-चाम्पा (छ.ग.) के विभिन्न क्षेत्रों में लॉक डाउन के दौरान अवैध शराब के विरुद्ध ताबड़तोड़ कार्यवाहियों का सिलसिला जारी, 02मई को आबकारी वृत बाराद्वार के अंतर्गत 1.) ग्राम ठठारी थाना बाराद्वार निवासी आरोपी मोहनलाल टंडन के संज्ञान आधिपत्य से 09 लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब तथा 2.) ग्राम-मल्दा थाना-हसौद निवासी आरोपिया बोधिन बाई खूंटे के संज्ञान आधिपत्य से 06 लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब जब्त कर छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के 02 प्रकरण कायम किये गये,उक्त कार्यवाही में वृत प्रभारी डी. के. प्रजापति, आबकारी भृत्य परसराम कहरा, बसन्ती बाई चौधरी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

महन्त ने जगदीश के निधन पर शोक व्यक्त किया

सक्ती। विधानसभा क्षेत्र सकती के अंतिम छोर में बसे ग्राम अमलडिहा के वरिष्ठ कांग्रेसी गोंडवाना समाज के अध्यक्ष एवं जलग्रहण मिशन के अध्यक्ष जगदीश नेताम के आसमयिक निधन पर दुख व्यक्त किया। डॉ महन्त ने कहा कि जगदीश नेताम अपने समाज एव कॉग्रेस पार्टी को हमेशा मजबूत बनाया हैं डॉ महत ने स्व जगदीश नेताम के पुत्र देवेंद्र नेताम से दूरभाष पर बात की एवं शोक व्यक्त किया।

वन्यप्राणी प्रेमियों ने कहा वन विभाग के अधिकारियों ने बड़ी लापरवाही की, सजा तो मिलनी चाहिए

- **लापरवाही पर तत्काल कार्रवाई करने वनमंत्री सहित उच्च स्तर पर की जाएगी शिकायत, मृत चीतल को तेंदुआ नहीं होने वाले जंगल में छोड़ देने का मामला**

पायनियर संवाददाता ◀ रायगढ़
www.dailypioneer.com

पिछले दिनों बोइरदादर बीट में एक चीतल की मौत कुत्तों के काटने से हो गई थी, लेकिन उनके शव को जलाने के बजाए रायगढ़ रेंजर अन्य वनकर्मियों के साथ उसे बंगुरसिया के जंगल कक्ष क्रमांक 915 में एक पेड़ पर बंधवा कर वापस आ गए। इस बात की भी पुष्टि नहीं की गई कि यहां उसे खाने के लिए ना तो कोई तेंदुआ है और न ही कोई अन्य हिसंक वन्यप्राणी है। उसकी निगरानी में भी लापरवाही बरती गई। सिर्फ सुबह शाम देखने के लिए कह दिया गया। ऐसी लापरवाही पर अब वन्यप्राणी प्रेमियों के बीच काफी आक्रोश देखा जा रहा है और इस लापरवाही को लेकर पर्यावरण व वन्यप्राणी प्रेमी आने वाले समय में वनमंत्री सहित उच्च स्तर पर शिकायत करने का मन बना लिया है। उनका यह भी कहना है कि जब चार दिनों से बंगुरसिया के जंगल में मृत चीतल बंधा हुआ था और यहां उसे खाने के लिए कोई अन्य हिसंक वन्यप्राणियों का प्रमाण नहीं मिला, तो विभाग के अन्य अधिकारी इस पर आखिर कार्रवाई करने या फिर मार्गदर्शन देने में पीछे क्यों रहे। इससे उनकी लापरवाही भी जग जाहिर हो रही है। आखिरकार चीतल का शव बंधे बंधे सड़ गया। हांलाकि अब इस मामले में उच्च स्तर पर शिकायत करते हुए समस्त दोषी अधिकारियों को निलंबित करने की मांग किए जाने की बात वन व वन्यप्राणी प्रेमी कर रहे हैं।

सींघ भी हो सकता था चोरी- विभागीय जानकारों का कहना है कि मृत चीतल को बांध कर वनकर्मी वापस लौट आए। चौबीस घंटा इसकी निगरानी के लिए न तो यहां कोई ट्रेप कैमरा लगाया गया और न ही कोई विशेष उपाए किए गए। सिर्फ सुबह शाम वनकर्मी को निगरानी की बात कह कर अपने कर्त्तव्यों से इत्तीश्री कर ली गई। ऐसे में उनका कहना है कि चीतल के मांस के अलावा उनके सींघ की भी चोरी हो सकती थी और उसके बाद रायग? सर्किल का मामला बंगुरसिया सर्किल के वनकर्मियों के लिए सिरदर्द बन जाने से इंकार नहीं किया जा सकता।

क्या था पूरा मामला- 27 अप्रैल को बोइरदादर बीट में एक चीतल की कुत्तों के हमले से मौत हो गई। इसके बाद पीएम व अंतिम संस्कार विभाग के सक्षम अधिकारी की मौजूदगी में कराया जाना था, लेकिन यहां ऐसा नहीं किया गया। बल्कि एक आदेश जो विभाग के उच्चाधिकारियों के द्वारा पूर्व में विशेष तौर पर सेंचुरी के लिए निकाला गया था कि किसी चीतल प्राजाति के वन्यप्राणी की मौत का कारण ज्ञात हो तो उसके शव को मांसाहारी वन्यप्राणी की मौजूदगी वाले जगह पर उसके भोजन के लिए जंगल में छो?ना है, और उसी आदेश को ध्यान में रखकर चिकित्सकीय परीक्षण के बाद उस मृत चीतल को गाड़ी में डाल कर बंगुरसिया सर्किल ले जाया गया और यहां कक्ष क्रमांक 915 में बिना किसी हिसंक वन्यप्राणी के मौजूदगी की पुष्टि किए बिना उसे एक पड़ से बांध कर वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी वापस आ गए। जबकि यहां कई सालों से तेंदुआ व अन्य मांसाहारी वन्यप्राणियों का कोई प्रमाण नहीं मिला है। ऐसे में विभाग की लापरवाही खुल कर सामने आ गई और चार दिनों तक चीतल का शव वहां बंधे बंधे सड़ गया।

पिछले कई सालों से तेंदुआ का कोई प्रमाण बंगुरसिया के जंगलो में नहीं मिला है। जरूर हाथी की मौजूदगी रहती है, पर इस तरह यहां मृत चीतल को एक पेड़ से बांध कर आ जाना अपराण की श्रेणी में आता है और इसके लिए वनमंत्री से लेकर उच्च स्तर पर शिकायत कर समस्त दोषी वन विभाग के अधिकारियों को निलंबित करने की मांग की जाएगी।

गोपाल अग्रवाल
वन व वन्यप्राणी प्रेमी, रायगढ़

सरकार की जो नितिया है वह सही है उन नितियों का जमीनी स्तर पर व्यपाक पैमाने पर दुर्पयोग किया जाता है। जिसका यह जीता जागता उदाहरण है। रायगढ़ वन मंडल में वन्यप्राणियों की सुरक्षा पूर्ण रूप से नहीं की जाती है और आए दिन वन्यप्राणी मर रहे हैं। जंगल में खाना, पानी की व्यवस्था नहीं होती है तो वे गांव की ओर आते हैं और कई दफे हाथी व भालू से से जनहानि भी होती है। वहीं वन्यप्राणियों की भी हानियां होती है। रायगढ़ वन परिक्षेत्र में बड़ी लापरवाही हुई है और लॉकडाउन खुलने के बाद इस मामले की उच्च स्तर पर शिकायत की जाएगी।

राजेश त्रिपाठी
पर्यावरण प्रेमी व समाजिक कार्यकता, रायगढ़

जब बंगुरसिया जंगल में तेंदुआ व अन्य मांसाहारी वन्यप्राणी की पुष्टि नहीं है, तो मृत चीतल को सड़ने के लिए नहीं बांधना था। इस मामले में पर्यावरण व वन्यप्राणी प्रेमियों की शीघ्र ही वर्चुअल बैठक आयोजित कर मामले में विचार किया जाएगा और उच्च स्तर पर जांच की मांग की जाएगी। दोषियों को सजा मिलनी चाहिए।

अबरार हुसैन
पर्यावरण व वन्यप्राणी प्रेमी, रायगढ़

मृत चीतल को ऐसे जंगल में छोड़ना जहां तेंदुआ व मांसाहारी वन्यप्राणी नहीं हैं वह पूरी तरह गलत है। रायगढ़ के वन कर्मचारियों ने जो किया वो बड़ी लापरवाही है और निर्देशों का सही तरह से पालन नहीं हुआ है। इससे और बड़ी घटना घट सकती थी जैसे चीतल के सींघ की चोरी होना, उसमें कोई जहर मिलाना। मांसाहारी वन्यप्राणी चीतल के शव को पूर्णता नहीं खा ले तब तक उसे निगरानी में रखना चाहिए।

पीएस पटेल
सेवानिवृत एसडीओ, वन विभाग

अब्दुल, दिव्य ज्योति, यशरंजन और मणिदास ने लगवाया पहला टीका

पायनियर संवाददाता ◀ सक्ती
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण से सुरक्षा के लिए निःशुल्क टीकाकरण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। टीकाकरण के तीसरे चरण में अंत्योदय कार्डधारी परिवारों के-18 से -44 वर्ष तक की आयु के लोगों का टीकाकरण एक मई से शुरू हो गया है। सीमित संख्या में टीका उपलब्ध होने के कारण राज्य के अंत्योदय राशन कार्ड धारी परिवारों के सदस्यों को प्राथमिकता के आधार पर पहले टीका लगाया जा रहा है। पर्याप्त मात्रा में टीका उपलब्ध होने पर बीपीएल और एपीएल परिवारों को भी टीका लगाया जाएगा,कलेक्टर यशवंत कुमार ने तीसरे चरण के टीकाकरण के लिए प्रत्येक विकासखंड के 1-1 टीकाकरण केंद्र को चिन्हित कर अंत्योदय परिवार के सदस्यों को टीका लगवाने के निर्देश दिए हैं। बलौदा ब्लाक के ग्राम जर्वे में 34 वर्षीय अब्दुल अब्बास, 25 साल के दिव्य ज्योति 20 वर्षीय मणि दास और डभरा ब्लाक के ग्राम सपोस के 21 वर्षीय यशरंजन ने टीका का पहला खुराक लगवाया। उन्होंने कहा टीका लगने के बाद स्वस्थ और संक्रमण के भय से मुक्त महसूस कर रहे हैं। किसी प्रकार का कोई शारीरिक तकलीफ नहीं है। उन्होंने कहा कि पात्रता अनुसार सभी को टीका लगवाना चाहिए।

दो दिनों से भूख से तड़प रहा था पूरा परिवार, मिली राहत

- **फेसबुक पोस्ट पढ़कर परिवार की मदद करने दौड़ पड़े मानवता के पुजारी, पूरा परिवार कोरोना पॉजिटिव**

पायनियर संवाददाता ◀ रायगढ़
www.dailypioneer.com

जिले में लॉक डाउन के दौरान सूखा राशन गरीबों तक पहुंचाए जाने की खबरे लगातार आ रही है, लेकिन यह खबर उन खबरों से जरा अलग है। अभी भी कई लोग संचार के तमाम माध्यमों से कटे हुए हैं। उन तक सहायता पहुंचाने संबंधी संदेश पहुंच ही नहीं पाते। ऐसे में हर चीज को वे अपनी किस्मत मान लेते हैं। ऐसे ही एक परिवार 24 घंटे से भूख से तड़प रहा था, जब कुछ लोगों ने उन्हें खाना पहुंचाया तब उनके पेट में अन्न गया और उनके जान में जान आई। जिले के बरमकेला विकासखंड के कटंगपाली गांव मे एक परिवार के सारे सदस्य कोरोना पॉजिटिव आ गए और पॉजिटिव आने के चलते इस परिवार के सामने दो दिनों से भूख से तड़पने की नौबत आ गयी। इस परिवार के सदस्यों के सामने भूख की समस्या का समाधान निकालने कुछ लोगो ने इन्हें सूखा राशन भी उपलब्ध करवाया, लेकिन समस्या ये खड़ी हो गयी कि खाना बनाये कौन और बने कैसे?

इस बात की खबर जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता परिवेश मिश्रा को लगी और उन्होंने जब फेसबुक में पूरे मामले को पोस्ट किया तो चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष रतन शर्मा और सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश अग्रवाल इस परिवार की मदद करने सीधे कटंगपाली पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और दो दिनों से भूख से तड़प रहे इस परिवार के लिए पका भोजन का इंतजाम किया। उतना ही नहीं उन्हें पका भोजन देने के लिए गांव के ही एक युवक को जिम्मेदारी दे दी जो हर दिन उन्हें पका हुआ गर्म भोजन उपलब्ध कराएगा। इस दुख की घड़ी में मानवता की सेवा में लगे इन सामाजिक कार्यकर्ताओं के इस पहल से जरूरतमंद संक्रमित परिवार भावुक हो उठा।

कोरोना निवारण घर-घर गायत्री यज्ञ

पायनियर संवाददाता ◀ शिवरीनारायण
www.dailypioneer.com

3 मई सोमवार 2021, को अखिल भारतीय गायत्री परिवार द्वारा अपने संपूर्ण देश विदेश के परिवार के सदस्यों को कहा गया कि 3 मई को सुबह 9 बजे से,कोरोना निवारण के लिए घर-घर गायत्री यज्ञ किया जाना है।इससे होगा-वातावरण का परिष्कार एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार।पूरे घर विषाणु मुक्त हो जाएंगे। रोग प्रतिरोधक शक्ति बढेगा।मनोबल और आत्मबल बढेगा,स्वस्थ में सुधार होगा। गायत्री मंत्र आहुतियां 12 बार। 24 बार महामृत्युंजय मंत्र, 5 बार सूर्य गायत्रीमंत्र, 5 बार कृमि नाशक,रोग नाशक,सुरक्षा मंत्रो का अग्नि में आहुति करे। यज्ञ ही सर्वश्रेष्ठ कार्य है, यज्ञ के द्वारा सभी देव शक्तियों (प्रकृति) का आह्वान किया जाता है कि -हे ईश्वर अब इस परिस्थितियों को आप सम्हाले। सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामय। सभी सुखी हो,स्वास्थ्य हो। विश्व मे शांति हो,पर्यावरण का संवर्धन हो,विश्व से कोरोना समाप्त हो। इन्हीं भावनाओं के साथ शिवरीनारायण के कई गायत्री परिवार के सदस्यों द्वारा इस अनुष्ठान को संपन्न किया गया।

शासकीय बेदराम कॉलेज में बने अस्थाई कोविड सेंटर में होगा बेहतर उपचार

पायनियर संवाददाता ◀ सक्ती
www.dailypioneer.com

मालखरौदा क्षेत्र के लिए कोरोना से निपटने राहत भरी पहल हुई है,कोरोना के गंभीर मरीजो को स्थानीय स्तर में समय पर मिलेगा बेहतर ईलाज के साथ सभी सुविधाये भी,सर्वदलीय बैठक में बढ़चढ़ कर सहयोग को सामने आये लोग,जांजगीर चाम्पा जिला प्रशासन से भी हर सम्भव मदद की मिला आश्वासन,कोरोना से जंग जितने कोविड केयर कमेटी मालखरौदा का गठन हुआ है, जिसमे क्षेत्र के सक्षम लोग अपनी यथाशक्ति सहयोग देने आगे आ रहे है,कमेटी ने दलगत राजनीति से ऊपर, आओ मिलकर करें अपने क्षेत्र की रक्षा करने का संदेश दिया है,उल्लेखित हो कि शासकीय बेदराम महाविद्यालय मालखरौदा पिहरीद के अस्थाई कोविड सेंटर में कोरोना मरीजों के लिए स्थानीय स्तर पर बेहतर ईलाज के साथ सर्वसुविधायुक्त कोविड हॉस्पिटल बनाने के लिए विगत 30 अप्रैल शुक्रवार को मालखरौदा जनपद पंचायत में आम जनता, जन प्रतिनिधियों, अधिकारी,कर्मचारीयों, व्यापारियो और सामाजिक कार्यकर्ता की एक सर्वदलीय बैठक सम्पन्न हुई,बैठक में सभी ने कोरोना को लेकर जो परिस्थिति पूरे देश के सामने आ रही उसका चिंतन करते हुए और पूरे जिले प्रदेश भर के कोरोना अस्पतालों में जो जगहों की कमी पर गंभीरता से विचार करते हुए पूरे मालखरौदा विकासखण्ड क्षेत्र के लोगो को उचित और बेहतर सुविधा के लिए सभी ने सरकारी स्तर के साथ साथ स्व सहयोग और जनसहयोग के माध्यम स्थानीय शासकीय वेदराम महाविद्यालय पिहरीद मालखरौदा में बने सौ बिस्तर अस्थाई कोविड सेंटर को सर्वसुविधायुक्त बनाने का निर्णय लिया गया। जिसमें अन्य दूर शहरों के बड़े-बड़े अस्पतालों की तर्ज पर अपने स्थानीय कोविड सेंटर में मालखरौदा क्षेत्र के गंभीर से गंभीर कोरोना मरीज को समय पर ईलाज और पर्याप्त ऑक्सीजन के साथ सर्वसुविधायुक्त सेवा मिल सके। बैठक के दौरान स्व सहयोग करते हुए क्षेत्र के विधायक रामकुमार यादव द्वारा 1लाख 20 हजार , चन्द्रा क्रेशर उधोग नगझर कृष्णकांत लोकेश चन्द्रा द्वारा 1लाख, राजा साहब मालखरौदा एवं सरपंच संघ जिलाध्यक्ष जितेन्द्र विजय बहादुर सिंह द्वारा 1नग ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर व 1 कूलर (60हजार लगभग), तहसीलदार राहुल पांडेय और पीडब्ल्यूडी एसडीओ राकेश द्विवेदी द्वारा एक एक माह का वेतन, थाना प्रभारी किशोर महतो द्वारा 50 हजार, नगर पंचायत अड़भार अध्यक्ष ज्योतिष गर्ग एवं सीएमओ श्री दुबे द्वारा 1लाख, जनपद अध्यक्ष लकेश्वरी देवा लहरे 10 हजार, जनपद सदस्य प्रमोद गबेल 11 हजार, जनपद सभापति लालू गबेल 11हजार, जनपद सदस्य कुसुमलता अजगल्ले 10 हजार, छोटेसीपत सरपंच पुष्पा शेखर गबेल 11हजार, नवागांव सरपंच भिष्मदेव भारती 10 हजार, शिक्षकगण विकास चौबे 51सौ, लकेश्वर श्याम 5 हजार, विकास तिवारी 5 हजार, वही व्यापारीगण से अनिल मेडिकल स्टोर्स साहेब लाल चन्द्रा, चन्द्रा हार्डवेयर तिलेश्वर चन्द्रा, बालाजी इलेक्ट्रॉनिक राजेश अग्रवाल, देव ज्वेलर्स मुकेश अग्रवाल, सुरेश जनरल स्टोर्स सुरेश चन्द्रा, दुर्गा मेडिकल स्टोर्स प्रमोद चन्द्रा, शिवम बुक डिपो ललित चन्द्रा, रानू ज्वेलर्स अविनाश अग्रवाल, मंगल ट्रेडर्स बंटी अग्रवाल द्वारा 11-11 हजार तत्काल सहयोग दिया गया।

सिटी कोतवाली में पदस्थ पुलिस अधिकारी दिलीप बेहरा भी जन सेवा के कार्यों में दे रहे अग्रणी योगदान

- **पुलिस प्रशासन भी लोगों को कोविड-19 के संक्रमण से बचाने दे रहा निरंतर जागरूकता का संदेश-दिलीप बेहरा**

पायनियर संवाददाता ◀ सक्ती
www.dailypioneer.com

वर्तमान कोविड-19 के संक्रमण को देखते हुए जहां पूरे देश में शासन-प्रशासन के साथ ही विभिन्न स्वयंसेवी, सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक संगठन भी लोगों को जागरूक करने तथा उनको जरूरत पड़ने पर सहायता करने हेतु आगे आ रहे हैं, तो इसी दिशा में छत्तीसगढ़ प्रदेश के रायगढ़ जिले के सिटी कोतवाली में पदस्थ पुलिस अधिकारी दिलीप बेहरा भी अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन के साथ-साथ लोगों की सेवा करने में भी पीछे नहीं है, पुलिस अधिकारी दिलीप बेहरा अपनी ड्यूटी अवधि के साथ-साथ जरूरतमंद लोगों को जन सहयोग से जहां खाद्यान्न सामग्रियां, सूखा राशन उपलब्ध करवा रहे हैं,तो वहीं लोगों को कोविड-19 के संक्रमण से बचने जागरूक करते हुए मास्क लगाकर निकलने तथा सैनिटाइजर से हाथ धोने की भी बात कहते हैं, तथा पुलिस अधिकारी दिलीप बेहरा के इस कार्यों की जहां लोग सराहना कर रहे हैं, तो वहीं दिलीप बेहरा भी निरंतर सामान्य परिस्थितियों में भी जरूरतमंदों की सेवा तथा अपने कर्तव्यों का बखूबी निर्वहन करते देखे जाते हैं, एवं इस संबंध में दिलीप बेहरा कहते हैं कि आज रायग? शहर में विभिन्न संगठनों द्वारा सेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर योगदान दिया जा रहा है, तथा शासन-प्रशासन के दिशा निर्देशों के अनुरूप ऐसे संगठनों के सेवा कार्यों को आम लोगों तक पहुंचे एवं उनकी सहायता हो इस हेतु वे सभी एक सेतु का काम भी कर रहे हैं, तथा पुलिस प्रशासन भी निरंतर रायगढ़ शहर में कोविड के संक्रमण से लोगों को बचाने समय समय पर जिला प्रशासन एवं राज्य शासन के दिशा निर्देशों का सख्ती से पालन करवा रहा है, तथा दिलीप बेहरा भी दिनभर रायगढ़ शहर सहित आसपास के क्षेत्र में सजगता के साथ अपनी ड्यूटी करते देखे जाते हैं, ज्ञात हो कि दिलीप बेहरा अपने सुमधुर गीतों के माध्यम से भी लोगों को समय समय पर जागरूकता का संदेश देते हैं।

उड़ीसा के मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को घोषित किया फ्रंटलाइन कोविड वारियर्स

पायनियर संवाददाता ◀ सक्ती
www.dailypioneer.com

कोरोना काल में फ्रंटलाइन वारियर्स के रूप में डॉक्टर्स, चिकित्सा कर्मी, पुलिस कर्मी अपनी सेवाएं दे रहे है,इनके अलावा एक और वर्ग है जो इस आपदा काल में निरंतर सेवाएं प्रदान कर रहा है,यह वर्ग है पत्रकारों का, जिनका काम खबरों को आम जनता तक पहुंचना। इनके कार्य को देखते हुए ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने राज्य के कामकाजी पत्रकारों को फ्रंटलाइन कोविड वारियर्स घोषित किया है,इस आशय के एक प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए, मुख्यमंत्री श्री पटनायक ने कहा है कि काम करने वाले पत्रकार राज्य को सहज समाचार फ़ीड प्रदान करके एक महान सेवा कर रहे हैं। लोगों को इस महामारी के समय कोविड से संबंधित मुद्दों पर जागरूक करते हैं और वे हमारे कोविड के खिलाफ युद्ध के लिए एक महान समर्थन हैं। इस फैसले से राज्य के 6944 कामकाजी पत्रकारों को फायदा होगा,ज्ञात हो कि राज्य के 6944 कार्यशील पत्रकारों को गोपबंधु संभादिका स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत कवर किया गया है।

होम आइसोलेशन में रहने वाले व्यक्ति घूम रहे है नगर में, जनता में दहशत

- **लोगों के व्दारा जानकारी देने के बाद भी स्थानीय प्रशासन मौन**

पायनियर संवाददाता ◀ शिवरीनारायण
www.dailypioneer.com

टेम्पल सिटी शिवरीनारायण में कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्तियों की संख्या में लगातार बृध्दि हो रही है और हाल ही में कुछ लोगों की मृत्यु भी हो गई है जिससे लोगों में कोरोना के प्रति भय व्यप्त है और ऐसी स्थिति में होमआइसोलेशन में रहने वाले कुछ व्यक्ति अपने घर से बाहर निकल कर नगर में घूम रहे है जिसे देख कर आम जनता दहशत में है । स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों अनुसार नगर के निभिन्न वाड़ों में लगभग 200 व्यक्ति कोरोना से संक्रमित है जिसे दवा देकर होम आइसोलेशन में रहने को कहा गया है । लेकिन कुछ लोग होम आइसोलेशन के नियमों का पालन नही कर रहे है और वे घर से बाहर निकल कर नगर के गली मोहल्लों , बाजार , सड़क चौपाटी आदि स्थानों पर घूमते हुए देखे जा रहे हैं । कुछ लोगों ने बताया कि वे इसकी जानकारी नगर पंचायत शिवरीनारायण के मुख्य नगरपालिका अधिकारी को दिए तो वे लिखित में शिकायत करने की बात कह कर अपना पल्ला झाड़ लिया ।

प्रशासन व्दारा नहीं किया गया है पोस्टर चस्पा - जिस घर में संक्रमित मरीज होम आइसोलेशन में रहते हैं उस घर को चिन्हांकित करने हेतु पोस्टर चस्पा कर उसमे संक्रमित मरीज से संबंधित जानकारी, होमआइसोलेशन की तिथि आदि का उल्लेख किये जाने का प्रावधान है ताकि उसे पढ़ कर लोग सावधान एवं सुरक्षित रहे लेकिन शिवरीनारायण नगर में इस प्रावधान का पालन नही हो रहा है । इसका कारण स्वास्थ्य विभाग अपने यहां कर्मचारी कम होना बता रहे हैं जबकि समीपस्थ नगर खरौद में इस कार्य को नगर पंचायत खरौद के कर्मचारियों व्दारा किया जा रहा है । शिवरीनारायण नगर के विभिन्न वार्डो में पचास से भीअधिक घरों मे संक्रमित मरीज होम आइसोलेशन में है और इस आइसोलेशन घरों में पोस्टर चस्पा करवाने का कार्य में नगर पंचायत शिवरीनारायण के कर्मचारियों का मदद लिया जा सकता है लेकिन स्थानीय प्रशासन में तालमेल का आभाव होने के कारण यह महत्वपूर्ण कार्य नही हो पा रहा है और शिवरीनारायण की जनता अनजानें में संक्रमित व्यक्तियों के सम्पर्क में आ कर पॉजिटिव होते जा रहे है जिससे नगर में संक्रमित व्यक्तियों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा हैं ।

स्थानीय स्वास्थ्य विभाग से हमें सं मित मरीजों के नाम की सूची प्राप्त नही हुआ है यदि स्वास्थ विभाग शिवरीनारायण में होमआइसोलेशन में रह रहे मरीजों की सूची हमें उपलब्ध कराते हैं और उनके घरों में पोस्टर चस्पा हेतु स्वास्थ्य विभाग को हमारे संस्था का सहयोग चाहिए तो हमें पत्र दें हम अपने संस्था के कर्मचारियों व्दारा होम आइसोलेशन वाले घरों में पोस्टर चस्पा के कार्य में लगा देंगे और जो मरीज होम आइसोलेशन के नियम का पालन नही करेगा या उन्हे घर से बाहर घूमते देखा जाएगा तो उसके खिलाफ महामारी एक्ट के तहत एफ आई आर दर्ज कराई जाएगी ।

- हितेन्द्र यादव, मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पंचायत शिवरीनारायण

10 लीटर महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

- **मोटर सायकल पर शराब परिवहन कर रहा आरोपी, कोसीर पुलिस की कार्रवाई**

पायनियर संवाददाता ◀ रायगढ़
www.dailypioneer.com

मुखबिर की सूचना पर कोसीर पुलिस ने मोटर सायकल पर शराब परिवहन कर रहे एक व्यक्ति को पकड़कर उसके पास से 10 लीटर महुआ शराब जब्त किया है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कोसीर थाने में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक समयलाल सोनवानी हमराह आरक्षक के साथ ग्राम भ्रमण लॉकडाउन ड्यूटी पर थे। ग्राम मल्दा में पेट्रोलिंग स्टाफ को मुखबिर से सूचना मिला कि ग्राम दहिदा का गंगा राम बनज अपने मोटर सायकल में महुआ शराब लेकर ग्राम नावापारा की ओर बिक्री करने गया है। सूचना पर कोसीर पुलिस ग्राम नावापारा प्राथमिक शाला के पास संदेही का इंतेजार किया गया, कुछ देर पश्चात् ग्राम दहिदा का गंगा राम बनज अपने मोटर सायकल में एच एफ डिलक्स सीजी 13 एआर 4128 में शराब लेकर आता मिला। आरोपी गंगा राम बनज पिता राजा राम बनज उम्र 31 वर्ष निवासी दहिदा थाना कोसीर के पास से दो 5-5 लीटर वाली प्लास्टिक की जरकिन में 10 लीटर महुआ शराब बरामद हुआ। आरोपी से अवैध शराब व शराब परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल जप्त कर आरोपी के विरूद्ध 32 (2),59 (क) आबकारी एक्ट की कार्रवाई की गई है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने जारी किया नया प्रोटोकॉल

बिस्तर उपलब्ध होने पर भी कोरोना मरीजों को एडमिशन न देने वाले अस्पतालों पर की जाएगी कार्यवाही

अनावश्यक दवाइयां न देने के संबंध में स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई नीति निर्धारित

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली द्वारा जारी किये गए नए प्रोटोकाल अनुसार एवं राज्य के वरिष्ठ डाक्टरों की अनुशंसा पर कोविड के ईलाज हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा नया प्रोटोकॉल जारी किया गया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली एवं आईसीएमआर की अनुशंसा अनुसार निर्देश जारी किए गए हैं कि रेमेडीसिविर, टोसीलिजुमाब एवं प्लाज्मा थेरेपी का उपयोग केवल अस्पतालों में ही किया जाए। इन दवाओं को प्रिस्काइब करने वाले डाक्टर की यह जिम्मेदारी होगी कि वह इन दवाओं के संबंध में मरीज की आवश्यकता का आकलन कर लें एवं यह भी सुनिश्चित कर ले कि मरीज को अन्य कोई बीमारी जैसे किडनी रोग, हृदय रोग, कैंसर आदि तो नहीं, यह दवाएं अभी एक्सपेरीमेंटल दवाएं हैं।

अतः इन दवाओं को किसी भी मरीज को देने से पूर्व मरीज के परिजन से इन्फार्ड कंसेन्ट प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

साथ ही राज्य सरकार ने यह भी निर्देश दिए है कि इन दवाओं के उपयोग के संबंध में राज्य चिकित्सा परिषद द्वारा दवाओं के उपयोग की ऑडिट की जाएगी एवं बिना किसी कारण ऐसी दवाएं प्रिस्काईब करने वाले डाक्टर के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

राज्य सरकार ने आदेश जारी किया है कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रायपुर द्वारा 5 अलग-अलग दल बनाए जाएगें, जो कि निजी अस्पतालों का भ्रमण कर यह सुनिश्चित करेंगे कि पोर्टल पर बेड उपलब्धता की जानकारी अद्यतन रहे एवं बेड उपलब्ध होने की स्थिति में किसी भी मरीज को भर्ती होने से वंचित न होना पड़े। यह भ्रमण दल अस्पतालों में मरीजों से मिल यह भी ज्ञात करेंगे कि अस्पताल द्वारा मरीजों को भर्ती से वंचित तो नहीं किया जा रहा। यदि कोई अस्पताल मरीज को बेड उपलब्ध होने के बावजूद भर्ती करने से इंकार करता है तो ऐसी स्थिति में छत्तीसगढ़ उपचर्या गृह एवं रोगोपचार संबंधी स्थापनाए अधिनियम 2010 एवं नियम 2013 महामारी अधिनियम 1897 की कंडिका दो एवं छ.ग. एपिडेमिक डिसीज कोविड-19 रेगुलेशन 2020 की कण्डिका 3 के अंतर्गत ऐसे अस्पतालों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

मंत्री लखमा ने हितग्राहियों को प्रदान किया दो माह का राशन

रायपुर। उद्योग एवं आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने केरलापाल ग्राम पंचायत के हितग्राहियों को मई तथा जून माह का एकमुश्त खाद्यान्न प्रदान किया। उन्होंने सुकमा जिले में केरलापाल की पीडीएस दुकान पर अंत्योदय राशनकार्डधारी सोमारी यादव, बालमति को दो माह का मुफ्त 70 किलो चावल, गुड़, चना एवं शक्कर प्रदान किया। इसके साथ ही प्राथमिकता राशनकार्ड धारी सरोजनी बघेल, फूलमती यादव एवं पूनम यादव को भी खाद्यान्न का वितरण किया गया। हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कोविड महामारी के प्रकोप के दौरान गरीब लोंगों के प्रति राज्य शासन की संवेदनशीलता के लिए धन्यवाद दिया। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कोविड-19 के संक्रमण के प्रबंधन के अंतर्गत राज्य में सार्वजनिक वितरण प्रणाली में अन्त्योदय, प्राथमिकता, निःशक्तजन, एकल निराश्रित एवं अन्नपूर्णा श्रेणी के राशनकार्डधारकों को माह मई 2021 तथा जून 2021 के लिए चावल का एकमुश्त वितरण किया जा रहा है।

18 प्लस लोगों का टीका लगाने का महा अभियान पूरे प्रदेश में आगाज

पायनियर संवाददाता मुंगेली
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में 1 मई से 18 प्लस लोगों का टीका लगाने का महा अभियान पूरे प्रदेश भर में आगाज हुआ। जिला पंचायत सभापति महिला एवं बाल विकास स्वास्थ्य विभाग मुंगेली वसीउल्लाह शेख ने अपने उद्बोधन कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चलाई जा रही वैक्सीनेशन टीकाकरण अभियान में 18 वर्ष से अधिक व 45 वर्ष से कम उम्र के अंत्योदय कार्ड धारियों का टीकाकरण प्राथमिकता से किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चलाई जा रही वैक्सीन टीकाकरण अभियान के तहत आज मुंगेली जिला के अंतर्गत ग्राम सावा व चंद्रखुरी मे टीकाकरण अभियान में शामिल हुए। जिला पंचायत सभापति महिला एवं बाल विकास स्वास्थ्य विभाग मुंगेली वसीउल्लाह शेख 18 वर्षों से ऊपर वाले सभी व्यक्ति टीकाकरण अवश्य लगाएं। वह अपने आसपास के साथियों को वैक्सीन लगवाने के लिए प्रोत्साहित जागरूक अवश्य करें।। वैक्सीनेशन का तीसरा चरण 1 मई से शुरू हो गई है। इस चरण में 18 से 44 साल के लोगों का वैक्सीनेशन किया जा रहा है। 18 से 44 उम्र के अंत्योदय कार्डधारियों को टीका लगाया जा रहा है। अंत्योदय कार्डधारियों को पूर्व पंजीयन की जरूरत नहीं होगी। उन्हें सिर्फ अंत्योदय कार्ड के साथ आधार कार्ड दिखाना होगा। वह अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या टीकाकरण केंद्र में जाकर आसानी से कोविड-19 का टीका लगवा सकते है। टीकाकरण अभियान मैं उपस्थित अंत्योदय कार्ड धारियों के लोगों उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछा तथा उन्होंने कोरोना वैक्सीन ले चुके लाभार्थियों से मिलकर उनका मनोबल बढ़ाया।

पत्रकार चंद्रशेखर साहू एवं पूर्व पार्षद देवयानी साहू को साहू समाज ने दी श्रद्धांजलि

कुम्हारी। ग्राम परसदा निवासी पत्रकार चंद्रशेखर साहू के निधन एवं परिक्षेत्र साहू संघ जजंगिरी की महिला उपाध्यक्ष एवं नगरपालिका परिषद कुम्हारी की पूर्व पार्षद देवयानी साहू के आकस्मिक निधन पर परिक्षेत्र साहू संघ जजगिरी के सदस्यों ने दुख जताते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जिनमे अध्यक्ष घनश्याम साहू, उपाध्यक्ष राजबली साहू, संरक्षक योगेश साहू, मुरारी लाल साव, मधुसूदन हिरवानी, मनहरण साहू, सचिव बारातू साहू, मोतीलाल,जिला प्रतिनिधि सत्यभामा साहू एवं परसदा साहू समाज के अध्यक्ष पन्ना लाल साहू, छबी लाल,दुलेश साहू बी. पी.साहू आदि लोगो ने भी विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए दुखी परिवार को संबल प्रदान करने की प्रार्थना ईश्वर से की।

बिलासपुर शहर में फ्रेश टू डोर बेहतर घर पहुंच वेजिटेबल सेवाएं दे रहा, 09131856338 पर फोन कर मंगाए ताजी सब्जियां

सक्ति। बिलासपुर शहर में वर्तमान में कोरोना के संक्रमण से रोकथाम हेतु लॉग डाउन की स्थिति में बिलासपुर का अधिकृत वेजिटेबल संस्थान फ्रेश टू डोर सीपत चौक बिलासपुर लोगों को घर पहुंच सब्जी सेवाएं दे रहा है,तथा फ्रेश टू डोर अधिकृत रूप से पंजीकृत संस्थान है,एवं विगत 04 वर्षों से बिलासपुर के सीपत चौक में यह संस्थान अपने स्वयं के फार्म हाउस से ताजी सब्जियां लोगों तक पहुंचाने का काम कर रहा है, फ्रेश टू डोर बिलासपुर की संचालक बिंदु करण कछवाहा ने बताया कि उनके इस संस्थान द्वारा लोगों को मोबाइल के माध्यम से कॉल करने पर उनके घरों तक ताजी सब्जियां पहुंचाई जाती है,एवं फ्रेश टू डोर संस्थान ने लोगों के बीच अपनी एक विश्वसनीयता एवं पहचान स्थापित की है, बिंदु करण कछवाहा ने कहा कि बिलासपुर शहर के किसी भी कोने में रहने वाला कोई भी व्यक्ति उनके संस्थान के मोबाइल नंबर 9131856338 पर कॉल कर उनके संस्थान की वेजिटेबल सेवाएं प्राप्त कर सकता है, बिलासपुर शहर के फ्रेश टू डोर संस्थान द्वारा दी जा रही सेवाओं पर लोगों ने उनका आभार व्यक्त किया है, तथा लोगों का कहना है कि यह संस्थान निश्चित रूप से वर्तमान समय में लोगों को एक ताजी एवं सही सब्जियां उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

हड़िया पी और जब विक्रेता ने पैसा मांगा तो साड़ी से गला घोंटकर हत्या कर दी

मामला को दबाने कांधे में उठाकर ले जा रहा था शव, ग्रामीणों ने देखा

पायनियर संवाददाता जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

हड़िया पीने के बाद पैसा की बात को लेकर हुई तकरार में एक वृद्ध महिला की गला घोंटकर हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना जिले के सीमावर्ती क्षेत्र लोदाम चौकी के ग्राम साईंटांगरटोली की है। इस संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी दिलफिनुस रौना 38 वर्ष 27 अप्रेल की रात 10 बजे मृतक खिस्टिना कुजूर के घर हड़िया पीने गया था। उस वक्त घर में खिस्टिना 80 वर्षीय वृद्ध के अलावा और कोई नहीं था। परिवार के अन्य सदस्य शादी समारोह में शामिल होने दूसरे गांव गए थे।

हड़िया पीने के बाद पैसे को लेकर दिलफिनुस और खिस्टिना के बीच कुछ विवाद हुआ इसी दौरान खिस्टिना की साड़ी की छोर से उसका गला घोंटकर हत्या कर दी। लाश को ठिकाने लगाने जब वह कंधे में लेकर जा रहा था उस दौरान गांव की निशा खलखो और नेहा कुजूर ने देखा और ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी।

इन्हें मिली सफलता

आरोपी दिलफिनुस रौना को मोबाइल लोकेशन के जरिए ट्रेस गुमला जिले के रायडीह थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। आरोपी के ट्रेस करने में सायबर सेल के प्रमुख नसरूद्दीन अंसारी, लोदाम चौकी प्रभारी रामनाथ राम, भुनेश्वर भगत, आनंद कुमार मिंज, पंकज तिर्की, संतोष राम और इग्नाशियुस एक्का का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

घर में मिला 2 किलो गांजा, युवक गिरफ्तार

महासमुंद। वार्ड क्रमांक 14 बस्ती सरायपाली निवासी रमेश महापात्रा पिता अर्जुन महापात्रा (43) के पास से सरायपाली पुलिस ने 2 किलो 300 ग्राम गांजा बरामद किया है। जिसकी कीमत 23 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस ने गांजा आरोपी के घर से बरामद किया है। थाना से मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरोपी रमेश महापात्रा अपने घर में गांजा छुपाकर रखा है और उसकी अवैध तरीके से बिक्री कर रहा है। सूचना पर पुलिस ने उसके यहां छापामार कार्रवाई करते हुए पकड़ा।

घर के बाड़ी में 20 लीटर महुआ शराब जब्त

महासमुंद। ग्राम कोटद्वारी निवासी बालमकुंद डड़सेना पिता निमंकर डड़सेना (24) को पुलिस ने महुआ शराब बेचते हुए गिरफ्तार किया है। वहीं छापामार कार्रवाई के दौरान 20 लीटर शराब जब्त किया गया है। उसके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया है। थाना से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी अपने घर के पीछे बाड़ी में महुआ शराब छुपाकर कर रखा था। जैसे ही बलौदा पुलिस को सूचना मिली छापामार कार्रवाई करते हुए बाड़ी से 20 लीटर महुआ शराब बरामद किया है।

वित्त वर्ष 2022 की शुरुआत में ही बजाज ऑटो का शानदार प्रदर्शन

बनी भारत की म्र1 मोटरसाइकिल निर्माता कंपनी

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

निर्यात में बेहतरीन प्रदर्शन के साथ बजाज ऑटो ने नए वित्त वर्ष की शुरुआत की जिसके चलते कंपनी ने भारत में मोटरसाइकिल सेगमेंट में सबसे शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है।

पूरी दुनिया में (भारत सहित) कुल 3,48,173 यूनिट की बिक्री करते हुए अप्रैल 2021 में बजाज ऑटो भारत की म्र1 मोटरसाइकिल निर्माता बन गई है जिसमें से 2,21,603 यूनिट निर्यात किए गए हैं।

पिछले साल भारत द्वारा कुल निर्यात किए गए मोटारसाइकिल और थ्री-व्हीलर की 60त्न हिस्सेदारी के साथ भारतीय ऑटोमोबाइल निर्यात के मामले में बजाज ऑटो सबसे आगे रही है। कंपनी के कुल वॉल्यूम का 52% दुनिया के 79 देशों में निर्यात किए जाने के साथ वित्त वर्ष 20-21 में बजाज ऑटो की निर्यात से प्राप्त आय 12,687 रुपए करोड़ रही है। पिछले 10 वर्षों में लगातार बढ़ने वाले 18 मिलियन (1.8 करोड़) वाहनों के निर्यात के साथ बजाज ऑटो सारी दुनिया में सबसे ज़्यादा दिखाई पड़ने वाला ब्रांड है जो इसे वास्तविक रुप में 'वर्ल्ड्स फेवरेट इंडियन' बनाता है। पिछले एक दशक में कंपनी द्वारा दुनियाभर में की गई वाहनों की बिक्री से 14 बिलियन (1400 करोड़) अमेरिकी डॉलर्स से ज़्यादा विदेशी मुद्रा की कमाई हुई है।

चिन्हाकित टीकाकरण केंद्र में 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को लगवाया जा रहा है कोविड-19 का टीका

जिले में अब तक 1 लाख 38 हजार 779 लोगों ने लगवाया टीका

कलेक्टर ने किया टीकाकरण केंद्र सारधा का आकस्मिक निरीक्षण

पायनियर संवाददाता मुंगेली
www.dailypioneer.com

कलेक्टर पी.एस एल्मा द्वारा कोविड-19 के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम के लिए 45 वर्ष से अधिक उम्र वाले लोगों के लिए संचालित टीकाकरण केंद्र का नियमित रूप से निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज उन्होंने जिले के विकास खण्ड लोरमी के ग्राम सारधा में संचालित टीकाकरण केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया और जनपद पंचायत लोरमी के मुख्य कार्य पालन अधिकारी प्रीति पवार से टीकाकरण के प्रगति के सम्बंध में जानकारी प्राप्त की और आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर कलेक्टर एल्मा ने कहा है कि टीका लगवाने से किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की गंभीर समस्या नहीं हुई है और टीकाकृत समस्त व्यक्ति पूरी तरह से सामान्य जीवन जी रहे है। उन्होंने पात्रता रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं के लिए, परिवार के लिए और समाज की सुरक्षा के लिए टीका लगवाने की सलाह दी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि कोविड-19 के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम के लिए 45 वर्ष से अधिक उम्र वाले लोगों द्वारा टीका लगवाया जा रहा है। इन लोगो द्वारा शासन की दिशा-निर्देशों और सोशल डिस्टेसिंग का पालन करते हुए मास्क का उपयोग कर कतारबद्ध होकर टीका लगवाया जा रहा है। जिले में 16 जनवरी से 01 मई तक 45 वर्ष से अधिक उम्र के 1 लाख 38 हजार 779 लोगों ने सभी औपचारिकताएं पूरी कर कोविड-19 का टीका लगवाया। इनमे प्रथम डोज लगवाने वाले 1 लाख 28 हजार 141 और द्वितीय डोज लगवाने वाले 10 हजार 638 लोग शामिल है।

कोरोना के संक्रमण जारी 523केस मिले, कुल 11702 संक्रमित, एक्विट केस की संख्या 4380

468स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए कुल 7252 लोग स्वस्थ हुए,

25 अप्रैल तक 1 लाख 37 हजार 224लोगो ने टीके लगवाएं

पायनियर संवाददाता मुंगेली
www.dailypioneer.com

जिले में कोरोना संक्रमण का कहर नही थम रहा है। 2206 सेम्पल में 23.70 प्रतिशत के दर से संक्रमण पर 523 केस संक्रमित पाये गए। कुल संक्रमण की संख्या 11702 पहुच गई। राहत की बात है कि 468 स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए है जिनकी कुल संख्या 7252 हो गई है। मंगलवार के 523 में से 240 प्रकरण मुंगेली विकास खण्ड में, 192 लोरमी विकास खण्ड के तथा 91 पथरिया विकास खण्ड के है। मंगलवार को 1 लोगो की मृत्यु हुई है जो जिले में कोरोना पॉजिटिव मरीज की मौत कुल 70 लोगो की मौत हो गई है। मंगलवार को कुल एक्टिव केस की संख्या 4380 पहुच गई है। जिले के चिन्हाकित टीकाकरण केंद्रो में 16 जनवरी से 27 अप्रैल तक 1 लाख 37 हजार 224 लोगों ने लगवाया कोविड-19 का टीका मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने की पात्रता रखने वाले शेष समस्त व्यक्तियों को टीका लगवाने की अपील

टीकाकरण- लक्ष्य 216012 के मुकाबले मंगलवार को 399 लोगो ने टीका लगवाया, प्रथम डोज में टीका लगवाने वाले की संख्या 127842 हो गई है जो 59 प्रतिशत है वहीं द्वितीय डोज में 9382 लोगो ने टीके लगवाये जिसका प्रतिशत 4 है।

दो दिन में 5-5 घंटे का ब्लॉक कर किया जाएगा गर्डर चढ़ाने का काम पूरा

सभी प्रक्रियाएं पूरी, क्रेन भी पहुंचा महासमुंद, आज चढ़ाया जाएगा गर्डर

पायनियर संवाददाता महासमुंद
www.dailypioneer.com

लंबे अंतराल के बाद आखिरकार तुमगांव मार्ग पर तैयार किए जा रहे ओवरब्रिज पर गर्डर लांचिंग के कार्य को हरी झंडी मिल गई है। आज कंपनी के कर्मचारी व अधिकारी ब्रिज के दोनों हिस्सों को जोड़ने के लिए गर्डर चढ़ाएंगे। कंपनी ने गर्डर लांचिंग की पूरी तैयारी कर ली है। इसके लिए दो क्रेन मंगाए है। दोनों ही क्रेन शनिवार देर रात तक कार्य स्थल पर पहुंच गया है। संबलपुर डिविजन के अधिकारियों ने ठेकेदार को मौखिक रूप से 4 मई को गर्डर लांचिंग की सूचना दे दी है, लेकिन लिखित में अभी तक आदेश नहीं मिला है। शनिवार-रविवार अवकाश होने के लिखित में आदेश नहीं निकल पाया है। आज देर शाम तक कंपनी को अनुमति मिल जाएगी। वहीं इस रूट में ट्रेनों के परिचालन ब्लॉक करने का आदेश भी जारी होगा। ओवरब्रिज निर्माण कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर अजीत कुमार दत्ता ने बताया कि 99 प्रतिशत कल गर्डर चढ़ाने का काम शुरू होगा। अवकाश के कारण लिखित में अनुमति नहीं मिली है, लेकिन दूरभाष के माध्यम से अधिकारियों ने सोमवार व मंगलवार को गर्डर चढ़ाने की तैयारी के आदेश दिए हैं। आज देर शाम तक लिखित में संबलपुर से अनुमति मिल जाएगी। गर्डर चढ़ाने के लिए पांच घंटे का ब्लॉक मिलेगा। इस कार्य को पूरा करने के लिए दो क्रेन रायगढ़ से महासमुंद पहुंच गए है।

6 लाइन में रखे जांएगे गर्डर, दो दिन में चढ़ेगा तीन-तीन लाइन

महासमुंद व तुमगांव की ओर बने पिलर के बीच की दूरी 75.440 मीटर लंबा है। इसे जोड़ने के लिए 18 गर्डर लगेंगे। गर्डर 6 लाइन में बिछाए जाएंगे। दोनों पिलर में फाउंडेशन का काम भी पूरा कर लिया गया है । इसे जोड़ने के लिए तीन लाईन का काम 4 मई को व दूसरे दिन तीन लाइन का काम होगा। इसमें 18 मीटर के 12 व 36 मीटर के 6 गर्डर शामिल है। ये सभी गर्डर 6 लाइन में रखे जाएंगे। 18 मीटर के दो व 36 मीटर के 6 गर्डर को असेंबल किया गया है। सभी गर्डर का असेंबल कंपनी के द्वारा पूरा कर लिया गया है। तुमगांव की ओर पीडब्लूडी के 6 व रेलवे के दो और महासमुंद शहर की ओर रेलवे के 2 और पीडब्लूडीह के 5 पिलर का निर्माण पूरा हो गया है।

16 अप्रैल को अधिकारियों ने किया था निरीक्षण

रेलवे के सीनियर इंजीनियर (एसएसी) व उनकी टीम 16 अप्रैल को महासमुंद पहुंचकर असेंबल किए गए गर्डर की तकनीकी जांच की थी । इसके बाद रिपोर्ट संबलपुर डिविजन के अधिकारियों को सौंप दी थी । जांच रिपोर्ट मिलने के बाद अधिकारियों ने गर्डर लांचिंग का प्लान बनाया है । सब कुछ ठीक रहा तो आज गर्डर लांचिंग के लिए समय ठेकेदार को लिखित में मिल जाएगा । बता दें कि अधिकारियों निरीक्षण के बाद ही कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर व उनकी टीम को हरी झंडी देते हुए गर्डर लांचिंग की तैयारी करने को कह दिया था।

धरमजयगढ़ में लॉकडाउन के उल्लंघन पर कार्रवाई

बस स्टैण्ड के पास खुली मिली किराना दुकान

रायगढ़। लॉकडाउन का उल्लंघन करने के मामले में किराना दुकानदार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर लिया है। इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक धरमजयगढ़ पुलिस की पेट्रोलिग पार्टी द्वारा पेट्रालिंग दौरान धरमजयगढ बस स्टैंड में हैप्पी जनरल स्टोर के संचालक गोपाल अग्रवाल पिता साधुराम अग्रवाल उम्र 48 वर्ष सा पतरापारा धरमजयगढ़ को लॉकडाउन का उल्लंघन कर किराना दुकान को खोलकर सामानों की बिक्री करते पाए जाने पर संचालक के विरूद्ध धारा 269, 270 भादवि की कार्यवाही की गई है।

पोते की सजगता से दादा-दादी ने कोरोना से जीती जंग

टेस्ट कराकर सही समय पर लिया इलाज और आज पूरी तरीके से हो चुके हैं स्वस्थ

पायनियर संवाददाता रायगढ़
www.dailypioneer.com

कोरोना संक्रमण के उपचार में समय से इलाज लेना काफी महत्वपूर्ण है। इसको लेकर शासन-प्रशासन द्वारा लगातार एडवाइजरी जारी कर कोरोना लक्षणों के प्रति सतर्क रहने और किसी भी प्रकार के लक्षण दिखने पर तत्काल टेस्ट करवा कर इलाज लेने की सलाह लगातार दी जा रही है।

इन सलाहों को गंभीरता से लेते हुए एक पोते ने अपने दादा दादी को कोरोना के लक्षण दिखने पर न सिर्फ तत्काल टेस्ट करवाया बल्कि समय से इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवा दिया। जिसका परिणाम ये रहा कि वे सफल उपचार के बाद बिल्कुल स्वस्थ हो चुके हैं। धरमजयगढ़ विकासखण्ड के छाल पुरूंगा निवासी 70 वर्षीय सोनू नाथ पटेल को बीते 9 अप्रैल को खांसी आयी एवं गला सूखने लगा एवं उनकी पत्नी कौशिल्या पटेल को सर्दी, खासी हुई एवं खानें में कुछ भी स्वाद नहीं आया तो सोनू नाथ पटेल के नाती 21 वर्षीय नंदकुमार पटेल ने जागरूकता दिखाई और बिना देरी किये दादा-दादी का 10 अप्रैल को कोरोना टेस्ट करवाया तब पता चला कि दोनों पाजिटिव है। 11 अप्रैल को उन्हें रायगढ़ के मेडिकल कालेज लाया गया और डॉक्टरों द्वारा उनका इलाज शुरू कर दिया गया। सोनू नाथ पटेल शुगर बीमारी से भी ग्रसित है। शुरू दिन तो उनका ऑक्सीजन लेवल भी कम रहा। जिससे उन्हें ऑक्सीजन थेरेपी भी देनी पड़ी। डॉक्टरों के बेहतर इलाज से उनका ऑक्सीजन लेवल दो दिन में रिकवर हो गया। वहीं उनकी पत्नी कौशिल्या पटेल के लक्षण सामान्य थे। दोनों की स्थिति में सुधार देखकर डॉक्टरों ने उन्हें पांच दिनों बाद होम आईसोलेशन की सलाह देते हुये अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया। आज उन्होंने होम आईसोलेशन की अवधि भी पूरी कर ली है और वे दोनों पूरी तरह से स्वस्थ है।

निजी विवाद की वजह से मरीजों का इलाज बन्द करने की धमकी, डॉक्टरों की अमानवीयता आई सामने

■ निजी अस्पतालों की मनमानियां उजागर होने के बीच अब डॉक्टर एसोसिएशन अब धमकाने पर उतारु

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

निजी अस्पतालों के संचालक और चिकित्सक अब एक निजी विवाद की आड़े में शासन-प्रशासन को धमकाने पर उतारु हो चुके हैं। जानकारी सामने आई है कि समदा हॉस्पिटल में प्रबंधन और बुजुर्ग मरीज के परिजनों के निजी विवाद में अब डॉक्टर एसोसिएशन ने शामिल होते हुए कार्रवाई न किए जाने पर कोविड मरीजों का ईलाज बंद कर देने की धमकी दी है। महामारी के दौर में बिगड़ते हालात के बीच डॉक्टर एसोसिएशन की यह चेतावनी मानवीयता से परे समझी जा रही है।

समदा अस्पताल प्रबंधन और बुजुर्ग मरीज के परिजनों के बीच चल रहे विवाद को लेकर दोनों पक्षों ने रविवार को ही पुलिस में अपनी-अपनी शिकायतें सौंपी थी। इस मामले को लेकर रविवार की रात काफी देर तक बसंतपुर थाना में माहौल गरमाया रहा। यहां दोनों पक्ष मौजूद थे जिनके बीच पुलिस सुलह कराने की कोशिशें कर रही थी। इस बीच यहां डॉक्टर एसोसिएशन ने आमद दी और बुजुर्ग के परिजनों द्वारा दुर्व्यवहार करने के आरोप पर सार्वजनिक माफी मांगने की बात पर जोर देते हुए कार्रवाई की बात कही। बताया जा रहा है कि अब डॉक्टर एसोसिएशन दो पक्षों की इस निजी लड़ाई को अपनी प्रतिष्ठा की लड़ाई का रुप देने में तुला हुआ है।

बीते शनिवार को समदा अस्पताल प्रबंधन और यहां दाखिल बालोद के एक बुजुर्ग मरीज के परिजनों के विवाद हो गया था। परिजनों का आरोप था कि अस्पताल में बुजुर्ग की देखभाल में लापरवाही की जा रही है। वहीं एक मुद्दा यह भी था कि मरीज की पोती उनसे पीपीई किट व अन्य सुरक्षा उपायों के साथ मिलना चाहती थी लेकिन प्रबंधन ने उन्हें मना कर दिया। इस बीच जब परिजनों ने अस्पताल के संचालक से फोन पर बात की तो उन्होंने परिजनों से उल्टा-सीधा कहा जिसके बाद विवाद शुरु हो गया।

इस विवाद को लेकर दोनों में काफी देर तक बहस हुई। इसके बाद पुलिस के पहुंचने पर मामला शांत हुआ और दोनों पक्षों ने आपसी सुलह की बात कही। इसी रात अस्पताल ने बुजुर्ग मरीज को रेमडेसिविर सहित अधूरे मेडिकल कोर्स के साथ ही जबरिया यहां से डिस्चार्ज कर दिया। बताया गया कि परिजनों को यहां से दवाई भी लेने नहीं दी गई। आपसी सुलह की बात करने वाले अस्पताल प्रबंधन ने रविवार की दोपहर बसंतपुर थाने में शिकायती आवेदन सौंपा। दूसरी ओर सदर लाईन निवासी परिवार ने भी अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। रविवार रात तक इस मामले में गहमागहमी बनी रही।

डॉक्टरों की चेतावनी को लेकर आक्रोश

दो पक्षों की निजी लड़ाई में डॉक्टर एसोसिएशन ने दखल दिया है। समदा अस्पताल प्रबंधन की ओर से एसोसिएशन के डॉ. पवन जेठानी, डॉ. नरेंद्र गांधी व डॉ. दिवाकर रंगारी सहित अन्य डॉक्टर बसंतपुर थाना पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने मरीज के परिजनों पर जल्द से जल्द एकतरफा कार्रवाई की मांग रखते हुए सार्वजनिक तौर पर परिवार द्वारा माफी मांगने की शर्त रखी है। डॉक्टरों ने महामारी काल की चिंता को परे करते हुए अस्पतालों में कोविड मरीजों का ईलाज बंद कर देने तक की चेतावनी भी दी है। डॉक्टरों की यह चेतावनी किसी भी लिहाज से सही नहीं मानी जा रही है। गौरतलब है कि पहले ही निजी अस्पतालों में मनमानी को लेकर लोगों को गुस्सा भरा हुआ है। इस बीच डॉक्टरों की चेतावनी को लेकर लोगों में आक्रोश और बढ़ गया है।

और बढ़ेगा लॉकडाऊन : संभलते हालात के बावजूद अब भी रियायत की उम्मीद कम, जिले में एक्टिव केस 9 हजार से ज्यादा

सप्ताह भर के आंकड़ों में शहर में गिरी पॉजिटिव दर राहत की खबर

■ ग्रामीण क्षेत्र में संक्रमण अब भी नहीं थमा, सामने आ रही बड़ी तादाद संक्रमित

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

घटते संक्रमण के मामले के बीच बीते साम दिनों में एक्टिव केसेस लगातार बढ़े हैं। इस बीच तीसरे चरण के लॉकडाऊन की मियाद 5 मई को खत्म हो रही है। शहर में स्थिति संभली है और बीते कुछ दिनों में नए संक्रमित मरीजों की संख्या में गिरावट आई है। कलेक्टर टीके वर्मा का कहना है कि लॉकडाऊन आगे बढ़ाया जाएगा लेकिन इसमें रियायतें कितनी और क्या होंगी इसे लेकर अभी समीक्षा चल रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही अगले चरण के लॉकडाऊन के संबंध में आदेश जारी किया जाएगा।

तीसरे चरण का लॉकडाऊन 5 मई को समाप्त होने वाला है। इससे पहले ही कलेक्टर टीके वर्मा ने लॉकडाऊन बढ़ाए जाने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि, मौजूदा समय में लॉकडाऊन के चलते हालात संभलते दिख रहे हैं लेकिन आगामी आदेश में रियायतों को लेकर कुछ तय नहीं है। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि लॉकडाऊन के चौथे चरण में दुकानों को कुछ छूट मिल सकती है। हालांकि, सरकार और प्रशासन अब भी कोरोना की इस लहर को लेकर चिंतित है और वे दोबारा हालात बेकाबू नहीं होने देना चाहते।

लॉकडाऊन का यह सिलसिला 10 अप्रैल से शुरु हुआ था। पहले चरण में 10 से 19 अप्रैल, दूसरे चरण में 19 अप्रैल से 26 अप्रैल, तीसरे चरण में 26 अप्रैल से 5 मई तक लॉकडाऊन बढ़ता रहा। अप्रैल के आखिरी दिनों और मई माह की शुरुआत में संक्रमितों की तादाद कम होती दिख रही है। इसका असर शहर में देखने को मिल रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में मामले अब भी कम नहीं हुए हैं। स्थिति को देखते हुए प्रशासन समीक्षा कर रहा है।

शहर को राहत, ग्रामीण क्षेत्र में कहर जारी : बीते हफ्ते भर के कोविड-19 संक्रमण के रिपोर्ट पर आंकड़े डालें तो शहर को राहत मिली है। बीते सात दिनों में यह आंकड़ा दो सौ पार नहीं कर पाया है जबकि कुछ दिनों पहले यहां 5 सौ से भी ज्यादा संक्रमित मरीज मिल रहे थे। हालांकि प्रशासन इस राहत को बनाए रखना चाहता है और इसलिए ही लॉकडाऊन में अभी राहत की उम्मीद कम है। प्रशासन का मानना है कि लॉकडाऊन के चलते ही कोरोना की चेन तोड़ने में मदद मिली जिसके चलते लंबे समय बाद शहर में संक्रमितों के आंकड़े कम हुए हैं। दूसरी ओर ग्रामीण इलाकों में संक्रमण अब भी थमता नहीं दिख रहा है। कई गांवों में तो हालात काफी बदतर हैं।

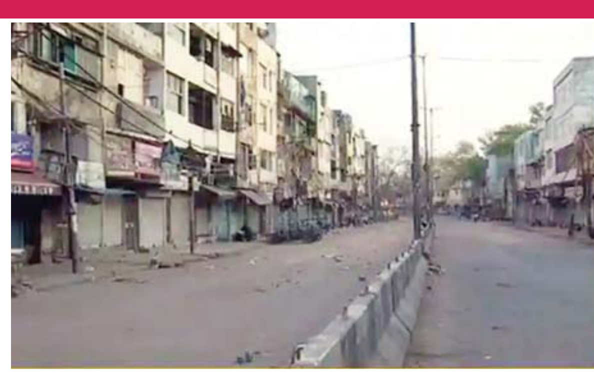

कम नहीं हो रहे एक्टिव मामले : आंकड़ों पर गौर करें तो बीते 26 अप्रैल को 3769 टेस्ट में 916 संक्रमित मरीज मिले थे। इस दिन एक्टिव केस की संख्या 6291 थी। वहीं शहर में 169 मामले सामने आए थे। 27 अप्रैल 3722 टेस्ट हुए जिनमें 1013 संक्रमित पाए गए थे। 713 रिकवर हुए थे और 7214 ऐक्टिव केस थे। शहर में इस दिन 170 संक्रमित मिले थे। 28 अप्रैल को 3556 टेस्ट में 855 संक्रमित पाए गए थे और 212 रिकवर हुए थे वहीं ऐक्टिव केस 7850 थे। शहर में इस दिन 176 संक्रमित सामने आए थे। इसी तरह 29 अप्रैल को 3467 टेस्ट में 796 पॉजिटिव मामले मिले और इस दिन 270 रिकवर हुए जबकि ऐक्टिव मामले बढ़कर 8370 तक पहुंच गए। इस दिन शहर में 151 संक्रमित मिले थे। 30 अप्रैल को 3589 टेस्ट में 766 संक्रमित मिले, 436 रिकवर हुए और ऐक्टिव केस 8688 तक पहुंच गए। शहर में 158 संक्रमित पाए गए थे। इस महिने की शुरुआत में 01 मई को 3658 टेस्ट में 652 संक्रमित पाए गए, 396 रिकवर और ऐक्टिव केस 8688 हो गए। 02 मई को 2271 टेस्ट में 484 संक्रमित पाए गए, 414 रिकवर हुए और ऐक्टिव केस 9001 हो गए। इस दिन शहर में 119 संक्रमित मिले थे। इन पूरे आंकड़ों में गौर करें तो एक्टिव केस बढ़े हैं।

बड़े व्यापारी वर्ग को छोटों की चिंता : व्यापारी वर्ग ने लॉकडाऊन के आदेश के संबंध में अपना पक्ष रखते हुए स्वयं को शिथिल किया है। यह वर्ग रियायतों को लेकर अड़ा नहीं है। हालांकि उनका कहना है कि छोटे व्यापारी, ठेले-खोमचों के सहारे जीवन यापन करने वालों की परेशानियां बढ़ गई है। शासन-प्रशासन को इनके संदर्भ में बेहतर निर्णय लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बीते 25 दिनों से उनका व्यापार बंद है। बड़े कारोबारी तो जैसे-तैसे हालात संभाल रहे हैं। फल-सब्जी विक्रेताओं को भी राहत मिली है लेकिन ठेले-खोमचों में व्यापार कर रोजी कमाने वालों की हालत पस्त हो चुकी है।

ज्वेलर्स से बरामद हुई 5 हजार किलो चांदी 4.5 किलो सोना और 32 लाख की नगदी

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क की दो दिन चली रेड में हुई बरामदगी

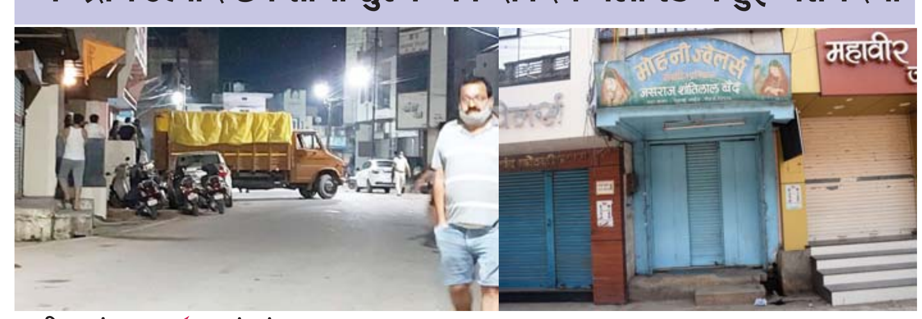

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

शहर के नंदई चौक स्थित जसराज शांतिलाल बैद फर्म के सराफा प्रतिष्ठान मोहनी ज्वेलर्स से 5 हजार किलो चांदी, 4.5 किलो सोना और 32 लाख रुपए की बड़ी रकम बरामद की गई है। यहां केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क (सीबीआईसी) ने दो दिनों तक संचालक के निवास में छापेमार कार्रवाई जारी रखी। 1 मई की दोपहर 12 बजे से 2 मई की आधी रात तक यह कार्रवाई चलती रही। इस पूरे मामले को सोने-चांदी की तस्करी से जोड़कर देखा जा रहा है।

बताया गया कि मोहिनी ज्वेलर्स के संचालक तक पहुंचने से पहले रायपुर में 13 किलो सोने के साथ 4 आरोपियों को हिरासत में लिया गया था। इन्हीं आरोपियों के बयान के बाद मोहिनी ज्वेलर्स को राडार पर लिया गया और 1 मई की दोपहर यहां छापामार कार्रवाई शुरु हुई। सीबीआईसी की टीम ने यहां पहुंचते ही सब कुछ सील करते हुए घर में मौजूद सदस्यों का बाहर जाना या किसी का भीतर आना प्रतिबंधित कर दिया था। दो दिनों तक घर के भीतर ही कार्रवाई चलती रही।

बताया गया कि सीबीआईसी की 12 सदस्यीय टीम ने इस कार्रवाई को स्थानीय पुलिस की मदद से अंजाम दिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कविलाश टंडन ने सोमवार को मीडिया को इस कार्रवाई के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेंट्रल एक्साइज की टीम ने नंदई रोड स्थित जसराज शांतिलाल वेद की फर्म में रेड की कार्रवाई की थी। उक्त ज्वेलरी व्यापारी के पास से 5 हजार किलो चांदी, 4.5 किलो सोना सहित 32 लाख रुपए नगद मिला है। यह जानकारी हमें रायपुर से आए अधिकारी अग्रवाल ने दी थी और उन्होंने कहा था कि हमें यह सामान ले जाने के लिए एक गाड़ी की व्यवस्था और कुछ पुलिसकर्मी चाहिए जिसे हमारे द्वारा उपलब्ध कराया गया है।

इस बीच यह जानकारी भी निकल कर सामने आ रही है कि कार्रवाई कर रही सीबीआईसी की टीम ने नंदई रोड स्थित जसराज शांतिलाल बैद की फर्म के मोहनी ज्वेलर्स के विजय बैद (राजनांदगांव), शेरू जैन (सावनी महाराष्ट्र) और गौतम बैद (राजनांदगांव) को अपने साथ रायपुर पूछताछ के लिए लेकर गई है। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की है। दूसरी ओर कार्रवाई को अंजाम देने वाली सीबीआईसी की टीम से किसी भी अधिकारी ने इस संबंध में मीडिया से कोई चर्चा नहीं की है।

अभिषेक-विक्रांत की मदद से बची जान महिला ने एम्स में दिया बच्ची को जन्म

पायनियर संवाददाता ◄ खैरागढ़
www.dailypioneer.com

एक ओर जहां छत्तीसगढ़ सहित समूचे भारत वैश्विक महामारी कोरोना से जूझ रहा है वही दूसरी ओर इन दिनो गर्भवती महिलाओ को चाहे रूटीन चेकप हो या डिलवरी के लिए भटकना पड़ रहा है। एक ऐसा ही मामला सामने आया है खैरागढ़ विकासखण्ड अंतर्गत आने वाले ग्राम टेकापारकला से जहां धनेश्वरी पति दुर्गेश वर्मा नामक महिला को डिलवरी के लिए खैरागढ़ सिविल हॉस्पिटल लाया गया। यहां उसका कोविड टेस्ट पॉजिटिव आने पर तथा महिला की हालत नार्मल डिलवरी के लायक न होने पर डाक्टरों ने अपने हाथ खड़े कर दिए। तब परिजनों ने जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह से संपर्क किया। इस मामले को तत्काल संज्ञान में लेते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने दूरभाष के माध्यम से राजनांदगाव जिले के पूर्व सांसद अभिषेक सिंह को इस पीड़ित महिला की हालत से अवगत कराया। पूर्व सांसद अभिषेक सिंह ने तत्काल उस महिला को रायपुर स्थित एम्स हास्पिटल में भर्ती कराया तथा महिला ने विशेषज्ञ डाक्टरों की देखभाल में सुरक्षित बच्ची को जन्म दिया। जच्चा-बच्चा दोनो स्वस्थ होकर अपने गांव लौट आए हैं। इस पुनीत कार्य के लिए महिला सहित उनके परिजनों ने जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह सहित पूर्व सांसद अभिषेक सिंह का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

गरीबों की आड़ लेकर सरकार अपनी विफलता को छिपा रही : मधुसूदन यादव

■ कहा, गलत निर्णय से रोज खराब हो रही है वैक्सीन की डोज

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

भाजपा जिलाअध्यक्ष मधुसूदन यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार एक तरफ तो वैक्सीन की कमी का रोना रो रही है। वहीं दूसरी ओर गरीबो की आड़ ले कर अपनी विफलता को छिपाने के लिए अपनी गलत नीतियों के कारण हजारों वैक्सीन को रोज खराब कर रही है। जिसके आम नागरिकों को वैक्सीन नहीं मिल पा रहा है और वे वैक्सीन केंद्रों से निराश होकर वापस लौटने को मजबूर हो रहे है। इसके लिए छत्तीसगढ़ की सरकार और उसकी गलत नीतियां ही जिम्मेदार है।

उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को 1 मई से प्रारम्भ हुए टीकाकरण के प्रथम दिन मात्र 02 लोगों को ही वैक्सीन लगाया जा सका जबकि 8 वैक्सीन अनीतियों के कारण खराब हो गए। इसी तरह दूसरे दिन भी 2100 युवाओं को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य था और पहुंचे मात्र 281 लोग ही। मतलब दूसरे दिन भी करीब 15त्न लोगों को वैक्सीन ही लग सका जबकि 85त्न लोग वंचित रह गए। बहुत सारे वैक्सीन खराब हो गए। साथ ही सैकड़ों लोग वैक्सीन लगाने के इच्छुक होने के बावजूद वैक्सीन लगवाने से वंचित हो गए। सरकार के इस अवयहारिक निर्णय और अव्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह उठाते हुए जिला भाजपा अध्यक्ष मधुसूदन यादव ने कहा कि कोरोना संक्रमण की रोकथाम करने में सरकार हर स्तर पर विफल रही है और अब जीवनरक्षक वैक्सीन को बर्बाद करने में लगी हुई है।

यादव ने कहा है कि वैक्सीन को लगाने में राज्य सरकार की कोई स्पष्ट नीति नहीं है जिसके कारण वैक्सीन लगातार खराब होते जा रही है जबकि उस वैक्सीन को खराब होने से बचाया जा सकता है। यादव ने कहा कि वैक्सीन के पंजीकरण कराने में यदि अंत्योदय या गरीब परिवार का 18 प्लस का युवा आता है तो उसको निश्चित रूप से फ्री में वैक्सीन लगाना चाहिए किन्तु अन्य वर्ग का भी युवा आये तो उसे अत्यंत न्यूनतम दर पर या बिना किसी भुगतान के वैक्सीन लगाना चाहिए। इससे किसी भी वर्ग का नुकसान नही होगा और ना ही वैक्सीन खराब होगा।

जिला अध्यक्ष यादव ने कहा कि आपदा के इस संकट काल मे भी कांग्रेस दुष्प्रचार करने से बाज नही आ रही है। अपनी निष्क्रियता और लापरवाही को छिपाने के लिए कांग्रेस गरीबों का आड़ लेकर यह दुष्प्रचार कर रही है कि अन्तयोदय वर्ग को पहले टीका लगाने का भाजपा विरोध कर रही है। यह पूर्णतः गलत और कांग्रेस की ओछी राजनीति का हिस्सा है। भाजपा ने किसी भी गरीब को और ना ही वंचित वर्ग का विरोध किया है और ना कभी करेगी। किन्तु प्रत्येक नागरिक को वैक्सीन मिले इसकी चिंता करती है। क्योंकि कोरोना किसी को अपने आगोश में लेने के लिए किसे पहले लेना है या किसको दूसरे या तीसरे क्रम में लेना है यह नही सोचता है। उसके प्रकोप में हर कोई आसानी से आ जाता है।

जनप्रतिनिधियों के समर्थन से हुई आरोपी पर एफआईआर

डॉक्टर व मेडिकल स्टोर्स संचालक के मध्य तीखा तकरार

पायनियर संवाददाता ◄ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

नगर में एक प्रतिष्ठित डॉक्टर व एक मेडिकल स्टोर्स संचालक के मध्य जमकर तकरार हो गई। डॉक्टर द्वारा दवाई लिखने व मेडिकल में दवाई नही मिलने को लेकर तकरार इतनी बढ़ गई कि दोनों के मध्य कहासुनी हो गई। डॉक्टर ने मेडिकल संचालक पर अश्लील गाली व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस में आवेदन दिया है। नगर के अधिकतर जनप्रतिनिधियों के डॉक्टर को समर्थन से मेडिकल स्टोर्स संचालक के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया है।

पुलिस सूत्रों व डॉक्टर के करीबी जनप्रतिनिधियों ने शिकायत आवेदन के आधार पर बताया कि नगर के प्रतिष्ठित डॉक्टर आरके मण्डल ने गत दिवस एक मरीज को दवाई लिखी। उक्त दवाई विजय मेडिकल स्टोर्स में नही मिल सकी। इस वाकये से नाराज मेडिकल स्टोर्स संचालक हरि साहू ने डॉक्टर मण्डल को दूसरी दवाई लिखने कहा। डॉक्टर द्वारा दूसरी दवाई नही मिलने से तिलमिलाए मेडिकल संचालक हरि साहू सीधे डॉक्टर के क्लीनिक तक पहुंच गए। डॉक्टर के निवास स्थित क्लीनिक के सामने आरोपी हरी साहू द्वारा अपने वाहन का हार्न बार बार बजाते हुए डॉक्टर को गाली गलौज करने लगे। डॉक्टर के मुताबिक हरि साहू ने उन्हें रात्रि में भी फोन करके गाली गलौज कर जान से मारने धमकी दी है। इस आशय का मोबाईल आडियो पुलिस को साक्ष्य बतौर सौपा गया है। इस आधार पर पुलिस ने आरोपी विजय मेडिकल स्टोर्स के संचालक हरि साहू के खिलाफ 294, 506 व 507 के तहत एफआईआर दर्ज कर लिया है।

डॉक्टर के समर्थन में थाने में भीड़

नगर के प्रतिष्ठित डॉक्टर आरके मण्डल के साथ वाकये का ऑडियो सोशल मीडिया वाट्सअप में वायरल होते ही नगरभर में सरगर्मी हो गई। नगर के सत्तापक्ष व विपक्ष के अनेक पार्षदों व नेताओं के अलावा अनेक गणमान्यजन सहित व्यापारी संघ पदाधिकारियों के डॉक्टर के समर्थन में पुलिस थाना पहुंच गए थे। घटनाक्रम की गम्भीरता व नजाकत के मद्देनजर पुलिस ने 294, 506 व 507 के तहत एफआईआर दर्ज कर लिया है। इस घटना के राजनैतिक मोड़ लेने के भी आसार हैं।

कोरोना की जंग हार गए पूर्व पार्षद बसंत बहेकर

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

खेल और राजनीति के मंझे खिलाड़ी माने जाने वाले पूर्व पार्षद बसंत बहेकर का रविवार की देर रात निधन हो गया। वह करीब माहभर से शहर के एक निजी अस्पताल में कोविड-19 मरीज के रूप में उपचारार्थ दाखिल थे। तीन बार के पार्षद रहे बसंत बहेकर युवा समयकाल में हॉकी के एक नामचीन खिलाड़ी थे। उन्होंने स्कूल से लेकर कॉलेज स्तर तक कई टीम का प्रतिनिधित्व किया। कॉलेज में अध्ययनरत रहते वह पं. रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी के हॉकी टीम के नियमित सदस्य थे। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर कई टूर्नामेंट में यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व किया। वह अविभाजित मध्यप्रदेश के सीनियर हॉकी टीम के भी सदस्य थे। हैदराबाद में उन्होंने मध्यप्रदेश की ओर से भाग लिया था। बहेकर हॉकी खेल में लेफ्ट आउट पोजिशन पर खेला करते थे। बहेकर स्थानीय स्तर पर मिलचाल इलवेन से खेला करते थे। इसके बाद उन्होंने राजनीति का रूख किया। कांग्रेस से वे तीन बार पार्षद चुने गए। 2010-15 में तत्कालीन महापौर नरेश डाकलिया की एमआईसी में भी वह सदस्य रहे। श्री बहेकर ने कांग्रेस की राजनीति में लंबे समय तक संगठन में कार्य किया। वह गुटीय राजनीति से परे होकर कांग्रेस के निष्ठावान कार्यकर्ता के तौर पर सक्रिय रहे। रविवार देर रात कोरोना से जंग लड़ते वह हार गए।

डॉ. केशव राव नहीं रहे

राजनांदगांव। डॉ. केशव राव (82) ने 02 मई रविवार की देर रात अंतिम साँस ली और शिक्षा जगत का एक दीप हमेशा के लिए शांत हो गया। डॉ. केशव राव ने अपने पीछे पत्नी श्रीमती पी राव सहित दो बेटे, दो बेटियों और नाती-पोतों से भरापूरा परिवार छोड़ा है। वेसलियन अंग्रेजी स्कूल को बुलंदियों पर पहुंचाने वाले डॉ केशव राव ने कभी अपनी उपलब्धियों को प्रचार- प्रसार का साधन नहीं बनाया। वे उस वक्त के भौतिक शास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त थे जब लोग भौतिक के नाम से ही भय खाते थे। डॉ. केशव राव के न भूलने वाले योगदान को याद करते हुए डब्ल्यू बी सी आई के चेयरमैन प्रदीप अब्राहम सहित प्रबंधन समिति के डॉ. पी देवदास, ललित कुमार,जोशी लाल, सीमा लाल, शैलू अब्राहम, जेसी लाल, माइकल मसीह , पास्टर राबिंसन रॉय एवम वर्तमान प्राचार्य तथा सचिव अजीत स्काट ने श्रद्धासुमन अर्पित किए हैं ।

नरेश कुमार साहू का निधन

राजनांदगांव। नरेश कुमार साहू 47 वर्ष लखोली निवासी का 03 मई को देहांत हो गया है, कुछ दिनों से वह अस्वस्थ चल रहे थे, जिसके कारण उन्हें उपचार के लिए उदयाचल में भर्ती किया गया था, उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई, टेस्ट के दौरान निमोनिया बताया गया, उनका अंतिम संस्कार गोकुल नगर के पास बने कोविड -19 मुक्ति धाम में प्रोटोकॉल का पालन करते हुए दाह संस्कार किया गया ।

क्विक न्यूज

जिपं सदस्यों ने एक माह का मानदेय मुख्यमंत्री राहत कोष में प्रदान किया

बिलासपुर। जिला पंचायत बिलासपुर के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सभी सदस्यों ने कोविड महामारी पर नियंत्रण एवं बचाव के लिये सहायता हेतु अपने अप्रैल का माह का मानदेय 1 लाख 45 हजार 750 रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष में प्रदान किया है। जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सिंह चैहान, स्थायी स्वास्थ्य समिति के सभापति अंकित गौरहा, कृषि स्थायी समिति के सभापति राजेश्वर भार्गव, निःशक्तजन एवं समाज कल्याण समिति के सभापति राहुल सोनवानी, सहकारिता समिति के सभापति संदीप योगेश यादव ने आज कलेक्टर डॉ. सारांश मित्तर को उक्त राशि का चेक सौंपा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हैरिश एस. भी इस अवसर पर उपस्थित थे। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री चैहान ने एक माह का मानदेय 15 हजार 500 रुपये, उपाध्यक्ष हेमकुंवर अजीत श्याम कुंवर ने 10 हजार 250 रुपये सहित सदस्य स्मृति त्रिलोक श्रीवास, और पुष्पेश्वरी अर्जुन तंवर ने 6-6 हजार रुपये मुख्यमंत्री सहायता कोष में प्रदान किया है।

तोरवा पुलिस सुबह 4.30 से ही हुई मुस्तैद

बिलासपुर। हेमूनगर मे सामुदायिक केंद्र के सामने ठेला से सब्जी बेचने वाले सुबह 5 से 7 बजे तक भीड़ लगाते हैं, सूचना पर आज तोरवा पुलिस टीम बनाके 4.30 बजे भोर से ही किसी भी ठेला या सब्जी वालों को खड़ा नहीं होने दिया गया.जो लगातार 8 बजे तक पुलिस की उपस्थिति वहाँ रखकर कोरोना संक्रमण के फैलाव की आशंका के मद्देनजर यह सार्थक प्रयास किया गया.निगम जोन कमिश्ननर व स्टाफ ने भी वहाँ आकर व्यवस्था मे सहयोग किया ।

चित्रकूट आईसोलेशन सेंटर में 50 ऑक्सीजननेटेड बेड और बढ़ेंगे, कलेक्टर ने लिया तैयारियों का जायजा

■ **टीकाकरण केंद्र एवं तिफरा फ्लाईओवर का भी किया निरीक्षण**

पायनियर संवाददाता ◄ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना के बढ़ते हुए मामलों को देखते हुए चित्रकूट आईसोलेशन सेंटर में 50 ऑक्सीजनेटेड बेड और बढ़ाया जा रहा है। आज कलेक्टर डॉ. सारांश मित्तर ने आईसोलेशन सेंटर का जायजा लेकर अधिकारियों को जल्द से जल्द सेवा शुरू करने के निर्देश दिए।

चित्रकूट आईसोलेशन सेंटर में वर्तमान में 100 बेड संचालित है। आवश्यकता को देखते हुए 50 ऑक्सीजन बेड और बढ़ाए जा रहे है। जिसकी तैयारी अंतिम चरण में है। कलेक्टर ने आज सेंट्रल ऑक्सीजन पाईप लाइन डालने के कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां कार्यरत कर्मचारियों को दो से तीन दिवस के भीतर ऑक्सीजन बेड के लिए आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए।

आईसोलेशन सेंटर की व्यवस्थाओं को परखा – कलेक्टर ने आईसोलेशन सेंटर में कार्यरत डॉक्टर और स्टाफ से चर्चा करते हुए उनका मनोबल ब?ाया। इस दौरान उन्होंने मरीजों को दिए जा रहे उपचार के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने मरीजों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता को भी परखा। कोरोना को मात देकर डिस्चार्ज हो रहे तारबहार निवासी 68 वर्षीय मरीज श्री जवाहर लाल पाली से चर्चा कर सेंटर में दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली।

बालमुकुंद स्कूल टीकाकरण केंद्र का निरीक्षण – कलेक्टर ने आज बालमुकुंद स्कूल में 18 से 44 वर्ष के लोगों के लिए चलाये जा रहे टीकाकरण का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां कार्यरत टीकाकरण टीम को टीकाकरण कार्य व्यवस्थित तरीके से करने के निर्देश दिए। उन्होंने अंत्योदय कार्डधारी व्यक्तियों की जानकारी निर्धारित प्रारूप में लेकर उनका वैक्सीनेशन करने कहा। टीकाकरण के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन भी करने कहा। टीकाकरण कर रहे कर्मचारियों से वैक्सीन की जानकारी भी ली।

तिफरा फ्लाईओवर का निरीक्षण

कलेक्टर ने आज तिफरा फ्लाईओवर के निर्माण कार्य का भी जायजा लिया। वहां मौजूद इंजीनियर एवं अन्य कर्मचारियों से निर्माण कार्य की जानकारी ली। उन्होंने मजदूरों की संख्या ब?ाते हुए कार्य जल्द करने कहा। मौके पर कार्य की तकनीकी चीजों को भी उन्होंने देखा। बीटी का कार्य दो से तीन दिवस के भीतर करने के निर्देश दिए।

कोरोना महामारी में निशुल्क भोजन देगा साहू समाज

पायनियर संवाददाता ◄ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

कोरोंना महामारी आज पूरे भारत में हाहाकर मचा चुकीं है आज आर्थिक संकट के साथ मरीज़ों को सभी मेडिकल सुविधाओं का अभाव है। इसी अभाव को देखते हुए बेमेतरा साहू समाज के युवा वर्ग मदद करने सामने आए , साथ ही भोज्य पदार्थ मोबाइल यूनिट को झंडा दिखाकर शुरुआत किए जिसमें प्रमुख रूप से साहू समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ एवं संरक्षक युवा प्रकोष्ठ दीपेश साहू , जिला चौपाल प्रभारी संदीप साहू , पार्षद जया साहू , दुर्गेश साहू उपस्थित थे। साहू समाज ने पहल करते हुए कोरोना मरीज़ों के ठहरेने रुकने की व्यवस्था समृद्धि विहार में की गयी साथ ही मोबाइल यूनिट से निशुल्क भोजन , फल , दूध , काढ़ा , वेपोराइसर मशीन , आक्सीमीटर की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। जिलाध्यक्ष रामकुमार साहू ने जानकारी दी बहुत जल्द निशुल्क आक्सीजन की व्यवस्था साहू समाज करेगा .इस अवसर पर दीपेश साहू एवं संदीप साहू ने समाज के प्रमुख लोगों से कोरोना महामरी में मदद करने की अपील की . निशुल्क मोबाइल सेवा के लिए 9303906647 काल किया जा सकता है।

गाडामोड के सरपंच और पूर्व सरपंच पर प्राणघातक हमला व लूटपाट करने वाले युवक चढ़े पुलिस के हत्थे

पायनियर संवाददाता ◄ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

प्रार्थी मनीष परगनिहा उम्र 47 साल साकिन गाडामोड चौकी कंडरका थाना बेरला ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 28.04.2021 को दिगम्बर परगनिहा के साथ मोटर सायकल से गाडामोड़ से सिंगारडीह गये थे, रात्रि सिंगारडीह गाडामोड़ मोटर सायकल से वापस आ रहे थे, सिंगारडीह गाडामोड़ के बीच नाला के पास पहुंचे थे कि गाडामोड़ की ओर से तीन मोटर सायकल से कुछ लोग बैठकर चिल्लाते गाली गुप्तार करते आ रहे थे जिसे देख कर हम लोग रूक गये, हमलोगों को रूकते देख कर अज्ञात तीनों मोटर सायकल वाले भी वहां पर रूक गये, जो मोटर सायकल के चाबी को निकाल लिये, इसी बात को लेकर विवाद कर हाथापाई करने लगे और दो लोग अपने पास रखे चाकू से मेरे पेट के बाएं तरफ तथा दिगम्बर के कमर के बाएं तरफ व दाहिने हाथ की कोहनी में प्राणघातक हमला कर तीनों मोटर सायकल से ग्राम सिंगारडीह की ओर भाग गये। की रिपोर्ट पर चौकी कंडरका थाना बेरला में अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्रमांक

152/2021 धारा 307,147,120 (ब्) , 398 भादवि, 25,27 आर्म्स एक्ट कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान पता चला कि दिनांक 28.04.2021 को ग्राम बोहारडीह निवासी रोहित परघनिया उम्र 23 साल से भी तीन अज्ञात मोटर सायकल सवार व्यक्तियों के द्वारा मोटर सायकल को रोहित परघनिया के मोटर सायकल के सामने ख?ा कर रास्ता रोक कर उनके मोटर सायकल के चाबी को जबरन निकाल लिया, और उसे डरा धमका कर उसके पेंट के जेब में रखे पर्स से ड्रायविंग लायसेंस एवं 2000/-रूपये को लूट कर कोहि?या की तरफ तीनों मोटर सायकल से भाग गये जिस पर चौकी कंडरका थाना बेरला में अपराध क्रमांक 153/2021 धारा 395, 341, 120 (ब्) भादवि कायम किया गया तथा इसी दिनांक 28.04.2021 को ही ग्राम सिंगारडीह के रहने वाले जितेन्द्र यादव उम्र 30 साल से भी तीन अज्ञात मोटर सायकल सवार व्यक्तियों के द्वारा जब जितेन्द्र यादव ग्राम बेरला कला गुधेली होते हुए अपने गांव सिंगारडीह जा रहा था ग्राम गुधेली के बांधा पास तीन मोटर सायकल वाले उसके सायकल के सामने मोटर सायकल को अडाकर रास्ता रोक कर 06 से 07 व्यक्ति जो सभी मूंह में गमछा बांधे हुए थे, उसे डरा धमका कर उससे जियो कम्पनी का बटन वाला मोबाईल कीमती 1200/- रूपये को जबरन लूट लिये तथा गाल में थप्पड़ मारकर भाग गये जिसकी रिपोर्ट पर चौकी कंडरका थाना बेरला में अपराध क्रमांक 154/2021 धारा 395, 341, 120 (ब्) भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया है। उक्त तीनो घटना एक ही रात तथा एक ही रास्ते में घटित होने के कारण प्रकरण की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए बारीकी से विवेचना कार्य प्रारंभ किया गया।

कोरोना योद्धा मानकर पत्रकारों को भी लगे टीका, कोरोना से जंग में सराहनीय रहा योगदान

■ **शैलेष पाण्डेय ने मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री को लिखा पत्र**

■ **18+ पत्रकारों के लिए भी कोरोना वैक्सीन की मांग**

पायनियर संवाददाता ◄ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

देशभर में घातक बीमारी कोविड-19 के खिलाफ राज्य सरकार की जंग लगातार जारी है। इसी के तहत 18+ लोगों को एक मई से कोरोना टीकाकरण अभियान की शुरुआत भी की जा चुकी है। इस बीच बढ़ते कोरोना संक्रमण के प्रकोप को देखते हुए नगर विधायक शैलेष पाण्डेय ने 18+ उम्र के पत्रकारों को टीकाकरण करने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंह देव को पत्र लिखा है। पत्र के जरिये उन्होंने सरकार से मांग की है कि पत्रकारों को भी कोरोना योद्धा माना जाए। उन्होंने कहा कि महामारी के पहले दिन से ही अन्य कोरोना योद्धाओं की तरह पत्रकार भी जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं, जो कि काफी सराहनीय है। बिलासपुर नगर विधायक शैलेष पाण्डेय ने सरकार को लिखे पत्र में कहा कि सरकार को पत्रकारों के लिए टीकाकरण की व्यवस्था करने निवेदन किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के पत्रकारों को कोरोना वॉरियर की श्रेणी में रखते हुए टीकाकरण अभियान में प्राथमिकता देने प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी और स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव जी से मांग की गई है ताकि इससे उनका हौसला बढ़े और वह जमीनी स्तर पर बेहतर रूप से कार्य कर सकें। पत्र में लिखा गया है कि आज राज्य में कोरोना-19 महामारी के दूसरे लहर से पीड़ित है। ऐसे में शुरुआत से ही इस जंग में प्रिंट-इलेक्ट्रॉनिक व वेब मीडिया के पत्रकार साथी कोरोना की रोकथाम और जांच, टीकाकरण आदि से संबंधित पल-पल की खबरों को प्रचारित व प्रसारित कर जनता एवं सरकार के मध्य कड़ी का कार्य कर रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में पत्रकार साथियों एवं उनके परिवार की सुरक्षा का दायित्व बढ़ जाता है। हमें उनके योगदान को भी ध्यान में रखना चाहिए।

जिपं सभापति राहुल टिकरिहा ने सहकारी समितियों में खाद-बीज व ऋण पंजीयन तत्काल प्रारम्भ करने की मांग

■ **लॉकडाउन के चलते पंजीयन प्रारम्भ न होने से किसान चिंतित**

पायनियर संवाददाता ◄ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ प्रदेश कृषि प्रधान राज्य है। जहां के अधिकांश नागरिकों का व्यवसाय कृषि है। गर्मी फसल की कटाई प्रारंभ हो चुका है। अब प्रदेश में बरसात के खेती किसानी का दिन नजदीक आ रहा है। हर वर्ष अप्रैल माह के 15 तारिक के बाद से सेवा सहकारी समितियों (सोसायटी) में खाद-बीज व ऋ्रा का पंजीयन प्रारंभ हो जाता था। लेकिन लॉकडाउन के चलते इस वर्ष अभी तक प्रारंभ नहीं हुआ है।

भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला संयोजक व जिला पंचायत सभापति राहुल योगराज टिकरिहा ने बेमेतरा कलेक्टर शिव अनंत तयाल, नोडल अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, आर. के. वारे, उप पंजीयक सहकारी संस्था सी.एल.

गहिरवारे को पत्र लिखकर पंजीयन तत्काल प्रारंभ करने की मांग किया। जि.पं. सभापति टिकरिहा ने पत्र में लिखा है कि अब कुछ दिन में मानसून का आगमन हो जायेगा जिसके लिए सभी किसान अब खेती किसानी की तैयारी में लग गए है। इस पत्र का आशय मात्र इतना है कि जिले में 1 लाख 15 हजार से अधिक ऐसे किसान है जो सहकारी समितियों में पंजीकृत है और वहां से खाद-बीज व ऋ्रा का लेन-देन करते है।

विगत वर्षों में पंजीयन की यह प्रक्रिया 15 अप्रैल के बाद ही प्रारम्भ हो जाता था। इस वर्ष कोरोना संकट और लॉकडाउन के चलते अभी तक खाद-बीज हेतु पंजीयन की प्रक्रिया अभी तक प्रारम्भ नहीं हुई है, जिससे किसान काफी चिंतित है। सभापति टिकरिहा ने विशेष आग्रह करते हुए कहा पंजीयन की प्रक्रिया को तत्काल प्रारम्भ करें। जिससे लॉकडाउन समाप्त होने के बाद सहकारी समितियों में किसानों की भी? न लगे और यह प्रक्रिया सीमित किसान संख्या व गाँव के हिसाब से सतत रूप से चलती रहे साथ ही कोरोना संकट को देखते हुए टिकरिहा ने सुझाव दिया कि सहकारी समितियों में भीड़ न लगे इसके लिए प्रत्येक गॉव का दिन तय कर दिया जाए व कोटवार व पंचायत के माध्यम से किसानों को जानकारी प्रदान किया जाए।

> सहकारी समितियों में खाद-बीज व ऋ्रा पंजीयन प्रारम्भ न होने से किसान चिंतित है, ज्यादा विलंब होने से किसानों की भीड़ समितियों में बढ़ेगी इससे बचने व किसानों को राहत देने हेतु पंजीयन प्रि या तत्काल प्रारम्भ करने सोशल मीडिया के माध्यम से ज्ञापन संबंधित अधिकारियों को भेजा है।
>
> **राहुल योगराज टिकरिहा**
> **सभापति- जिला पंचायत, बेमेतरा**

नगर की बेटी संयम की राह पर मुमुक्षु श्रद्धा से बनी साध्वी श्रेष्ठता

पायनियर संवाददाता ◄ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

बेमेतरा जिला के नगर पंचायत देवकर एवं जैन समाज की बेटी कुंवारी श्रद्धा सुराना पिता पारसमल सुराना , माता रेशमी बाई सुराना, देवकर नगर की बेटी जीवन का मोह, माया, एवं आसक्ति का त्याग करते हुए संयम की राह पर चलने के लिए दीक्षा लेकर चल चल पड़ी। नगर के इतिहास में यह पहली बार हो रहा है स्थानी जैन समाज की बेटी मुमुक्षु श्रद्धा सुराना से साध्वी श्रेष्ठता बन गई। स्थानी जैन भवन में रविवार को साधु एवं साध्वी जनों की उपस्थिति में दीक्षा का कार्यक्रम कोरोना काल के चलते हुए बहुत ही कम संख्या में लोगों की उपस्थिति के बीच संपन्न हुआ। परम श्रद्धेयआचार्य प्रवर 1008 श्री विजय राज मा.सा , आज्ञा नुवार्तिनी शासन प्रभावी महासती प्रभावती मा.सा. एवं कृति श्रीजी मा. सा. के सानिध्य में मुमुक्षु श्रद्धा बहन को भगवती दीक्षा प्रदान किया गया ।बगैर किसी आडंबर के एवं शासन के नियमों का पालन करते हुए यह कार्यक्रम संपन्न हुआ । जैसे ही दीक्षा समारोह प्रारंभ हुआ एवं मुमुक्षु श्रद्धा सुराना को श्रेष्ठता जी का दीक्षित नाम दिया गया ।संपूर्ण भवन जयकारों के साथ गूंज गया। वहां उपस्थित सभी लोगों ने इस अवसर पर मुमुक्षु श्रद्धा सेश्रेष्ठता जी का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर नगर के समाज प्रमुख के अलावा शांत क्रांति संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश चंद , सुभाष चंद लोढ़ा के अलावा जैन श्री संघ के लोग उपस्थित थे

संपन्न परिवार से श्रद्धा का ताल्लुक- गौरतलब हो कि मूलतः देवकर की जन्मी श्रद्धा-शिक्षित सुराना नगर के प्रतिष्ठित सुराना परिवार से ताल्लुक रखती है । उनके पिता पारसमल जी सुराना, व माता रेशमी बाई जी सुराना हैं । साथ ही घर में दो भाई व एक बहन सहित बड़ा परिवार है । इसके अलावा श्रद्धा बीएससी की प्रथम वर्ष की छात्रा रही है । कई क्षेत्रों में उनकी रुचि रही है। लेकिन उन्होंने सब कुछ छोड़ अध्यात्म को चुन लिया । जिससे अब सभी खुश हैं। साध्वी बनने से पूर्व दुल्हन की तरह सजी हुई थी बेटी श्रद्धा जैन समाज ने किया अभिनंदन जैन समाज के रिवाज के मुताबिक कुमारी श्रद्धा साध्वी बनने से पहले दुल्हन की तरह सजी , आकर्षक जेवर पहन हाथों में मेहंदी लगाई। जिसमें वह पारंपरिक साड़ी पहन कर आई थी । जिसके बाद सफेद वस्त्र धारण कर कर लिए। इस दौरान उन्होंने अपना बाल भी त्याग दिया। उन्होंने इससे पहले अपना मनपसंद खाना खाया एवं अपने परिवार के साथ समय बिताया। जिसके बाद सुश्री श्रद्धा सुराना अब साध्वी मा.सा. श्रेष्ठता जी बन गई।

संयम जीवन अंगीकार का साधना में लीन होना- दीक्षा के दौरान श्रद्धा ने कहा कि उन्होंने इतनी छोटी उम्र में काफी कुछ सीखा अब तक अपनी जिंदगी में काफी आनंद लिया ।लेकिन कहीं भी शांति नहीं मिली। वह शांति चाहती है इसके साथ ही संयम जीवन अंगीकार कर साधना में लीन हो जाना चाहती है । उन्होंने कहा कि वह अभिभूत है । उनका आत्मविश्वास आसमान छू रहा है ।उन्होंने कहा कि मुझे संयम मार्ग पर चलना है। मुझे बेहद अच्छा लग रहा है । श्रद्धा सुराना की दीक्षा दिवस के अवसर पर कोविड-19 के गाइडलाइन के अनुसार सादगी पूर्ण माहौल में दीक्षा ग्रहण हुआ । इस अवसर पर जैन श्री संघ देवकर के सदस्यगण महिलाएं एवं परिजन विशेष रूप से उपस्थित थे जो इनके दीक्षा के साक्षी बने । कोविड-19 महामारी एवं जिले में लॉकडाउन के चलते बाहर से अन्य जैन समाज के लोग नहीं पहुंच सके।

टीके का दूसरा डोज समय पर लेना जरूरी

वैक्सीन से कोरोना के विरुद्ध रोग प्रतिरोधक क्षमता को मिलती है मजबूती

पायनियर संवाददाता ◄ रायगढ़
www.dailypioneer.com

कोरोना से बचाव के लिए टीकाकरण एक अत्यंत महत्वपूर्ण व बेहद जरूरी उपाय है। इससे कोविड के विरुद्ध शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती मिलती है। कोविड का उपचार कर रहे विशेषज्ञ चिकित्सकों के अनुसार कोरोना संक्रमण की रोकथाम में कोविड-19 वैक्सीन अत्यधिक असर कारक है।

वैक्सीन की दोनों डोज लगने से शरीर का इम्यून सिस्टम और मजबूत होता है इसलिए सभी लोगों को जिन्होंने कोविशील्ड की पहली डोज ली है उसके 6 सप्ताह बाद दूसरी डोज और को-वैक्सीन की पहली डोज के 28 दिन बाद दूसरी डोज अवश्य लेना चाहिए। वैक्सीन की दोनों डोज लगाने के बाद संक्रमित होने के

मामले बहुत कम आए हैं। वैक्सीन की दोनों डोज लगने के बाद यदि संक्रमण होता है तो वायरल लोड कम होता है और गंभीर स्थिति की संभावनाएं या अस्पताल में भर्ती होने की संभावना न्यूनतम रहती है। विशेषज्ञों का कहना है कि दूसरी डोज लगाने के 14 दिन बाद शरीर में पर्याप्त मात्रा में एंटीबाडी बनती है और हमारा प्रतिरक्षात्मक तंत्र मजबूत होता है। लेकिन वैक्सीनेशन करवाने के पश्चात भी संक्रमण से बचाव के लिए कोविड अनुकूल व्यवहार का पालन करना बेहद जरूरी है। हमेशा मास्क लगाना, भीड़ से बचना और हाथों को नियमित रूप से साबुन से धोना या सेनेटाइज करना अत्यंत आवश्यक है। कोविड टीकाकरण के तहत फिलहाल कोविशिल्ड और कोवैक्सीन ये दो टीके लगाए जा रहे हैं। लाभार्थी को पहले डोज में जो टीका लगा है दूसरे में भी वही टीका लगाया जाएगा। कोविशील्ड टीके की दूसरी खुराक पहले खुराक के 6 से 8 सप्ताह के बीच तथा को-वैक्सीन टीके की दूसरी खुराक 28 दिन बाद लगवा लेनी चाहिए। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होगी।

दूसरे डोज के लिए फिर से रजिस्ट्रेशन की नहीं पड़ेगी जरूरत

डीआईओ डॉ.भानु पटेल ने बताया कि टीके की दूसरी डोज लेने के लिए फिर से किसी प्रकार के रजिस्ट्रेशन की जरूरत नहीं होगी। दूसरा टीका लगवाने के लिए पहला टीका लगने के बाद जो सर्टिफिकेट मिला है उसके साथ उस दौरान जो फोटो पहचान पत्र लाभार्थी लेकर गए थे, उसे लेकर जाना होगा। उक्त जानकारी तथा मोबाइल नंबर के आधार पर हेल्थ विभाग के डेटाबेस से लाभार्थी की डिटेल मैच कर दूसरा टीका लगाया जा सकेगा। लाभार्थी को अपना फोटो पहचान पत्र अनिवार्य रूप से टीकाकरण के लिए लेकर जाना होगा तथा पहले टीका लगाने के दौरान जो फोन नंबर दिया था उसकी जानकारी भी देनी होगी।

थोक व्यापारी प्रशासन के गाइडलाइन को कर रहे थे दरकिनार 8 लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ◄ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

पुलिस अधीक्षक बिलासपुर प्रशांत अग्रवाल के नेतृत्व में कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए बिलासपुर पुलिस लगातार सक्रिय हो कर कार्यवाही कर रही है ।

इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को धारा 144 का पालन कराने तथा सोशल डिस्टेंसिंग मेंटेन करने का निर्देश दिया गया था साथ ही सभी थाना प्रभारियों को यह भी निर्देशित किया गया था कि जिन स्थानों पर बड़े पैमाने पर व्यापार होती है तथा अधिक भीड़ लगने की संभावना रहती है उन जगहों को चिन्हित कर यहां पर जो व्यक्ति नियमों की अनदेखी कर रहे हैं उन पर कार्यवाही करें । इसी निर्देश के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बिलासपुर उमेश कश्यप नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली निमेष बरैया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिरगिट्टी फैजुल शाह के द्वारा थाने स्तर पर टीम गठित कर थोक सब्जी मंडी तिफरा में दबिश दिया गया जहां पर व्यापारियों के द्वारा ना तो धारा 144 का पालन किया जा रहा था न ही कोरोना काल में शासन द्वारा समय समय पर निर्धारित व्यापार सम्बन्धी गाइडलाइन का पालन किया जा रहा था। साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग का भी खुला उल्लंघ किया जा रहा था इस प्रकार नियमों की अनदेखी करने तथा अनावश्यक रूप से भीड़ लगाने पर संक्रमण फैलने की पर्याप्त संभावनाएं थी संक्रमण का प्रसार ना हो इस बात को ध्यान में रखते हुए सिरगिट्टी पुलिस के द्वारा *थोक सब्जी के कुल 8 व्यापारियों पर महामारी अधिनियम तथा भारतीय दंड संहिता के धाराओं के तहत प्रथम सूचना पत्र दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया ।

मूलभूत सुविधाएं नहीं मिलने से नाराज रावघाट संघर्ष समिति के सदस्यों ने रोका रेलवे लाइन विस्तार कार्य

मामला बिगड़ता देख रावघाट महाप्रबंधक पहुंचे रावघाट क्षेत्रवासियों को मनाने

अखिलेश श्रीवास्तव अन्तागढ़
www.dailypioneer.com

मूलभूत सुविधाये नहीं मिलने से नाराज रावघाट संघर्ष समिति के सदस्यों ने रोका रेलवे लाइन विस्तार कार्य , मामला बिगड़ता देख रावघाट महाप्रबंधक रावघाट क्षेत्रवासियों को मनाने पहुंचे।

रावघाट क्षेत्र में मूलभूत सुविधाये नही मिलने से नाराज रावघाट संघर्ष समिति के क्षेत्रवासियों द्वारा रेलवे लाइन विस्तार कार्य पर रोक लगा दी गई थी जिससे पेड़ों की अंधाधुन कटाई बन्द करना पड़ा जिससे रेलवे लाइन विस्तार कार्य प्रभावित हो गई है। रेलवे लाइन विस्तार कार्य प्रगति नहीं होने से मामला बिगड़ता देख रावघाट महाप्रबंधक रावघाट क्षेत्र पहुंच कर रावघाट क्षेत्रवासियों को मनाने लगे जिससे कई मागो पर सहमति बनी तथा अस्पताल, स्कूल ,एवं अन्य निर्माण कार्यो के लिए स्थल का चयन किया गया है, रावघाट क्षेत्रवासियों का प्रमुख मांग स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल संकट है, ग्रामीण विकास से अब तक अछूते है। इससे पहले भी जनवरी 2021 में निर्माण कार्य के नाम पर पेड़ों की कटाई और बीएसएफ कैम्प के विरोध में अन्तागढ़ ब्लॉक के सैकड़ों गांव के ग्रामीणों ने रैली निकालकर प्रदर्शन किया था ग्रामीणों की मांग थी कि देवी, देवता स्थलों को बदला न जाए और उन्हें सुरक्षित रखा जाए.-नदी, नालों को दूषित न किया जाए. पर्यावरण संरक्षण और वृक्षों की कटाई से पहले उनके बदले फिर से वृक्ष लगाने की पहल की जाए।

चिकित्सा सुविधा विस्तार,सुपर स्पेशलिस्ट अस्पताल की व्यवस्था की जाए

शिक्षा के लिए प्रभावित गांवों में विद्यालय का निर्माण हो.- आईटीआई जैसे संस्थानों में इस क्षेत्र के लोगों की भर्ती सुनिश्चित की जाए, माइनिंग क्षेत्र से बाईपास रोड और अंतागढ़ से नारायणपुर तक मेन रोड का चौड़ीकरण किया जाए. रेलवे लाइन के कारण प्रभावित किसानों को जमीन का मुआवजा और नौकरी तत्काल मिले। माइनिंग क्षेत्र में ही टाउनशिप खोली जाए.माइनिंग क्षेत्र में काम के दौरान दुर्घटना होने पर स्थानीय मजदूरों को इलाज और मुआवजे का प्रावधान किया जाए. इस प्रदर्शन में क्षेत्र के हजारों ग्रामीण शामिल हुए। परगना कोलर से एक बजे अन्तागढ़ के मद्रासी पारा से रैली निकाली गई। रैली मुख्य मार्ग से होते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंची। क्षेत्र के ग्रामीणों ने एसडीएम कार्यालय के सामने जमकर नारेबाजी की। रावघाट परियोजना के तहत प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों ने भिलाई स्टील प्लांट के ऊपर आरोप लगाते हुए कहा कि क्षेत्र में अब तक किसी भी ग्रामीण को परियोजना का लाभ नहीं मिल रहा है। बीएसपी पहले भी क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए हर महीने शिविर का आयोजन करती थी, लेकिन आज ग्रामीणों को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है।

लर्निंग लाइसेंस की अवधि खत्म तो बनवा सकते हैं 30 जून तक

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए जिला प्रशासन ने लाकडाउन लगा दिया है। लाकडाउन के चलते सभी कार्यालय बंद हैं। कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिनके लर्निंग लाइसेंस वाहनों के परमिट और फिटनेस की अवधि समाप्त हो गई है। जिससे चलते वह काफी परेशान हैं। ऐसे में परिवहन विभाग ने इन लोगों के लिए राहत दी है। परिवहन विभाग ने ड्राइविंग लाइसेंस, परमिट और फिटनेस 30 जून तक आरटीओ कार्यालय में बनवा सकेंगे। इसके लिए अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। ज्ञात हो कि प्रदेश में करीब 55 लाख वाहन हैं। प्रतिदिन रायपुर आरटीओ कार्यालय में 50 गाड़ियों के परमिट, 140 गाड़ियों के फिटनेस, सौ लर्निंग लाइसेंस और करीब 50 लाइसेंस नवीनीकरण का काम किया जाता है। लॉकडाउन में पंजीकृत व्यावसायिक वाहनों का संचालन बंद है, केवल अति आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों का ही संचालन हो रहा है। परिवहन सेवा पूरी तरह से ठप है। परिवहन कार्यालय भी बंद था, जिस कारण बहुत से लोगों का फिटनेस, टैक्स, लर्निंग लाइसेंस और परमिट का काम नहीं हो सका। इसे देखते हुए परिवहन विभाग ने इसकी समय सीमा 30 जून तक बढ़ा दी है। परिवहन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक लर्निंग लाइसेंस छह माह के अंदर नियमित करना पड़ता है। छह माह के अंदर यदि आवेदन नहीं कर पाए तो वह निरस्त हो जाता है। अवधि समाप्त होने के बाद अभ्यर्थी को दोबारा लर्निंग लाइसेंस बनवाना पड़ता है। लेकिन लाकडाउन के चलते जिन अभ्यर्थियों कालर्निंग लाइसेंस अवधि इस दौरान समाप्त हो रही है।

अतिरिक्त शुल्क नहीं देना पड़ेगा

-लॉकडाउन के दौरान जिनका लर्निंग लाइसेंस, परमानेंट लाइसेंस, फिटनेस प्रमाणपत्र और परमिट आदि नहीं बन पाया है, उनको घबराने की जरूरत नहीं है। वह अब 30 जून तक आसानी से लर्निंग लाइसेंस बनवा सकेंगे। इससे लिए उनको अतिरिक्त शुल्क नहीं देना पड़ेगा।

- शैलाभ साहू, आरटीओ रायपुर

छग जनरेशन कंपनी के ताप–जल विद्युतगृहों ने रचा सर्वाधिक उत्पादन का कीर्तिमान

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के ताप एवं जल विद्युत गृहों ने कोरोना वायरस के संक्रमण काल में भी उत्कृष्ट कार्य निष्पत्ति का प्रदर्शन किया है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के प्रतिवेदन के अनुसार वार्षिक विद्युत उत्पादन कुल 18857.847 मिलीयन यूनिट हुआ।

जिसमें कोरबा पश्चिम विस्तार ताप विद्युत गृह (क्षमता500 मेगावाट)ने 92.82 प्रतिशत संयंत्र उपयोगिता गुणांक की भागीदारी दी गई, जोकि इस ताप विद्युत गृह के जीवनकाल का सर्वाधिक पीएलएफ. है। इसी तरह डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह ने 94.38 प्रतिशत प्लांट उपलब्धता घटक को दर्ज कर सर्वकालिक सर्वाधिक विद्युत उत्पादन का कीर्तिमान बनाया। उक्त जानकारी पावर कम्पनी के अतिरिक्त महाप्रबंधक(जनसंपर्क) विजय मिश्राने दी। उन्होंने ने बताया कि जनरेशन कंपनी के ताप विद्युत गृहों के अलावा जल विद्युत गृहों ने भी प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद वित्तीय वर्ष 2020-21 में 462.526 मिलीयन यूनिट विद्युत उत्पादन किया, जोकि छत्तीसगढ़ राज्य गठनोपरांत अब तक सर्वाधिक होने का कीर्तिमान है। विदित हो कि जनरेशन कंपनी के जल विद्युत गृहों का पिछला अधिकतम विद्युत उत्पादन का कीर्तिमान वित्तीय वर्ष 2001-02 में 403.25 मिलीयन यूनिट दर्ज हुआ था। एजीएम मिश्रा ने बताया कि ताप एवं जल विद्युत गृहों की उत्कृष्ट कार्य निष्पत्ति की बदौलत छत्तीसगढ़ जनरेशन कंपनी के विद्युत गृहों को देश भर के स्टेट सेक्टर के विद्युत गृहों की तुलना में सर्वोच्च स्थान पर होने का गौरव प्राप्त हुआ। कंपनी के विद्युत गृहों ने 70.08 प्रतिशत पीएलए. का प्रदर्शन किया जबकि स्टेट सेक्टर के विद्युत गृहों का औसत पीएलए 42.12 प्रतिशत ही रहा। इसी तरह राष्ट्रीय ताप विद्युत गृहों का औसत पीएलए. 51.49 प्रतिशत रहा। भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय अधीन कार्यरत केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण नई दिल्ली के प्रतिवेदन (दिसम्बर 2020) में दर्ज उक्त उपलब्धियों से छत्तीसगढ़ को जहां राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित होने का ऐतिहासिक अवसर प्राप्त हुआ वहीं पॉवर कंपनीज के अधिकारियों/कर्मचारियों की टीम का मनोबल भी ऊंचा हुआ है।

कोविड वार्ड में ड्यूटी करने में अब नहीं होती घबराहट : गीतांजलि नैयर

रायपुर। जब दिल में किसी भी कार्य को करने का जज्बा हो तो कोई रोक नहीं सकता है। कुछ इसी तरह की कहानी है डॉ. भीमराव आंबेडकर अस्पताल में कार्यरत नर्स गीतांजलि नैयर की है। उन्होंने बताया कि पहली लहर से कोविड वार्ड में बारी-बारी से ड्यूटी निभा रही हैं। उन्होंने बताया कि शुरुआत जुलाई 2020 से हुई है। उस समय कोविड वार्ड में ड्यूटी का निर्देश मिलते ही डर गई। परिवार के सदस्य एक समय सोचने को मजबूर हो गए। अंतः सेवा भावना को देखते हुए कोविड वार्ड में ड्यूटी शुरू कर दी है, जो आज भी निरंतर जारी है। उन्होंने बताया कि शुरूआत में ही घबराहट थी।

नेता प्रतिपक्ष कौशिक ने सिम्स प्रबंधन को लगाई फटकार

उपचार के आभाव में किसी की भी मौत दुखद

स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव से सिम्स के अव्यवस्था पर की चर्चा

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने उपचार के आभाव में युवती मालती हियाल के मौत के संबंध मे खुद ही बिलासपुर के सिम्स पंहुचकर पूरे मामले की जानकारी ली। इस घटना को लेकर बढ़ते जनाक्रोश के बीच उन्होंने तत्काल स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव चर्चा से वस्तुस्थिति के बारें में विस्तार से चर्चा की है। उन्होंने कहा कि उपचार के आभाव में किसी की मृत्यु हो जाये, यह बेहद ही दुखद और चिंताजनक है। बीमार युवती मालती हियात को सही समय पर उपाचार नहीं मिलने से मौते हो गयी। इस घटना से सभी दुखी व आक्रोशित है। इस संबध में नेता प्रतिपक्ष कौशिक ने स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव से दूरभाष पर चर्चा कर घटना के सबंध में उन्हें अवगत कराया है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल सभी सहभागिता से हम कोरोना को परास्त करेंगे।जिसमें सबकी भूमिका अहम् है। नेता प्रतिपक्ष ने सिम्स प्रबंधन को कोरोना को लेकर आवश्यक तैयारी के जल्द ही पूरे करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही सुविधा के आवश्यक संसाधन के लिये स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव से आग्रह किया है। इस बात को लेकर भी चर्चा हुई कि सिम्स में इस समय सिम्स पर में 750 बेड संचालित है। यहां पर मेडिकल टीम की तैनाती पार्यप्त नही है और कुछ तो कोरोना संक्रमित हैं। मेडिकल टीम की कमी से जांच भी प्रभावित रहा है। जिसकी भर्ती जल्द किया जाना चाहिये। इसके साथ ही एक और तत्काल ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने के सबंध में चर्चा हुई। नेता प्रतिपक्ष कौशिक ने कहा कि कोरोना मुक्ति अभियान में किसी से भी लापरवाही नही हो चाहिये।इस कोरोना काल को परास्त करने के लिये व्यापक जन समर्थन मिल रहा है। प्रदेश सरकार को भी जन स्वास्थ्य चिंता करते हुए स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर करने के लिये तत्काल व्यवस्था करना चाहिये ताकी हम इस विपदा की घंड़ी से लड़ सके।

कोरोनाकाल में स्प्रिट बना मौत का फरमान,तीसरे युवकों की मौत

रायपुर। कोरोनाकाल में मौत कोई न कोई बहाना बनाकर लोगों को शिकार बना रही है। स्प्रिट पीने के मामले में तीसरे युवक की भी मौत हो गई है। मृतक युवक का चंदन तिवारी है। चंदन का मेकाहारा अस्पताल में इलाज चल रहा था। वहीं अब तक स्प्रिट पीने वाले चार युवकों में से तीन की मौत हो चुकी है। यह पूरा मामला गोलबाजार थाना क्षेत्र का है। रायपुर के लालगंगा शॉपिंग मॉल के पीछे राजीव आवास स्थित विजय कुमार चौहान, चंदन तिवारी, अनिल छेडया, राजू छुरा ने स्प्रिट पी लिया था। जिसके बाद चारों की हालात गंभीर हो गई। जानकारी मिलने के बाद चारों को अस्पताल ले जाया गया था। जहां विजय कुमार चौहान ने दम तोड़ दिया. इसके बाद इलाज के दौरान चंदन तिवारी, राजू छुरा की भी मौत हो गई. जबकि अनिल छेड़िया की हालात गंभीर है।

कांग्रेस विधायक शकुंतला ने नरेंद्र मोदी और भाजपा पर निशाना साधा

शकुंतला ने कांग्रेस संगठन को भी नसीहत दे डाली

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में परिणाम नहीं आने के बाद अब छत्तीसगढ़ में नेताओं के संगठन विरोधी बोल सामने आ रहे हैं। कसडोल विधायक शकुंतला साहू ने चुनाव परिणाम आने तक इंटरनेट मीडिया पर करीब एक दर्जन पोस्ट की। शुरुआती पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर निशाना साधा, लेकिन देर शाम होते-होते शकुंतला ने कांग्रेस संगठन को भी नसीहत दे डाली। शकुंतला ने कहा कि दूसरों की जीत पर हम लोग कब तक जश्न मनाएंगे। हमें और हमारी पार्टी को आत्ममंथन करने की जरूरत है। शकुंतला साहू भी असम में कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करने पहुंची थी। कांग्रेस पार्टी ने मंत्री अनिला भेड़िया, राज्यसभा सदस्य छाया वर्मा सहित एक दर्जन से ज्यादा महिला नेत्रियों को चुनाव प्रचार के मोर्चे पर उतारा था। शकुंतला की टिप्पणी के बाद कांग्रेस नेताओं ने इंटरनेट मीडिया पर जवाब भी दिया। शुभम ने कहा- हमें इस चुनाव से सबक लेकर छत्तीसगढ़ में जमीनी स्तर पर सभी विधायकों और कांग्रेस के छोटे से छोटे कार्यकर्ता को महत्व देते हुए काम करना होगा, तभी हम आगे बढ़ेंगे। हिमांशु दुबे ने कहा- सही बोली, कब तक मोदी की हार में अपने आपको दिलासा देंगे। कभी अपनी जीत का भी जश्न मना लें।

अमर मंडले ने कहा- कांग्रेस के हार का सबसे बड़ा कारण मेहनती कार्यकर्ताओं की कोई पूछ परख नहीं होना है। एनएसयूआई कार्यकर्ता जयवर्धन बघेल ने कहा- छत्तीसगढ़ कांग्रेस में संगठन के लोगों की कोई पूछ परख नहीं है। बस नेताओं के चमचों की ही चल रही है। इसका नतीजा आपको आने वाले चुनाव में पता चल जाएगा। रवि शर्मा ने कहा- वाह मैडम जी आज आपके अंतरात्मा की आवाज निकली है। राजा मालिक ने कहा- ये तो बड़े नेताओं को समझना है कि कार्यकर्ताओं को कैसे खुश रखें और कार्यकर्ताओं को कैसे आगे लेकर जाए।

कांग्रेस के प्रत्याशी जनता के मुद्दों पर डटे और अड़े रहे

इससे पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट किया था। उनके द्वारा सांप्रदायिक ध्रुवीकरण, लोकतंत्र विरोधी षड्यंत्रों, तमाम अनैतिक कोशिशों के बावजूद इन विधानसभा चुनावों में हमारे कांग्रेस के प्रत्याशी जनता के मुद्दों पर डटे और अड़े रहे। विचलित नहीं हुए, योद्धा की तरह लड़े। हमें इस बात का गर्व है। पक्ष-विपक्ष के सभी विजेताओं को बधाई।

टाइम टू गो फ्रॉम माइंडफुल टू माइंडफुल

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

छात्रों के मनोबल को बनाए रखने के लिए कई उपाय करते हुए, मैट्स विश्वविद्यालय रायपुर के कुलाधिपति गजराज पगारिया और विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रियेश पगारिया हमेशा विभिन्न कार्यक्रमों के संचालन के लिए प्रोत्साहित करते हैं। स्कूल ऑफ साइंसेज, मैट्स यूनिवर्सिटी ने जर्नी फ्रॉम माइंडफुल टू माइंडफुल, गाइड टू ए हैपियर एंड प्रॉस्पेरेंट लाइफ पर एक प्रेरक लेक्चर का आयोजन किया जिसमें डॉ मनीषा व्यास, आर्ट ऑफ़ लिविंग फ़ाउंडेशन की होनोररी फैक्लटी ने उतकृष्ट लेक्चर दिया जहाँ उन्होंने इस महामारी के दौरान दिमाग को शांत रखने के लिए विभिन्न तकनीकों को बहुत अच्छी तरह से समझाया। यूजी और पीजी स्तर के 90 से अधिक छात्रों ने भाग लेकर वक्ता से विभीन्न प्रश्न पूछे । विश्ववविद्यालय के रजिस्ट्रार, गोकुलानंदा पंडा ने सभी छात्रों को सम्बोधित करते हुए, बधाई दी। आयोजकों डॉ. आशीष सराफ और डॉ प्रशांत मुंडेजा ने छात्रों के उत्साह की सराहना की और भविष्य में भी इस तरह की गतिविधियों का संचालन करने का आश्वासन दिया। डॉ. भाग्यश्री देशपांडे, फैकल्टी ऑफ स्कूल ऑफ साइंसेज ने वेबिनार का संचालन किया। विभाग के संकायों डॉ संध्या रानी पांडा, डॉ. राधा कृष्णन, वीनू प्रभा साहू, डॉ मनोज कुमार बंजारे, डॉ. बिंदूश्री बघेल और डा. मेघना श्रीवास्तव ने भी वेबिनार में भाग लिया।

गंभीर मरीजों को 10 दिनों के भीतर लगे तो असर होने की संभावना

रेमडेसिविर रामबाण नहीं, असर होने का भी कोई प्रमाण नहीं : चिकित्सकों की राय

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

जहां एक ओर रेमडेसिविर इंजेक्शन की मांग लगातार सामने आ रही है। वहीं, राज्य के चिकित्सा विशेषज्ञों का साफ कहना है कि यह इंजेक्शन कोई रामबाण नहीं है। रेमडेसिविर कोरोना मरीज को लगने के बाद इसका असर बेहतर हो रहा है या नहीं। अब तक इसका भी कोई प्रमाण नहीं है। बावजूद इसे मरीजों के लिए धड़ल्ले से लिखा जा रहा है।

चिकित्सकों ने बताया कि यह इंजेक्शन एंटीवायरल ड्रग है। परिस्थितियों को देखते सेंट्रल ड्रग एंड स्टेंडर्ड कंट्रोल अथारिटी आर्गनाइजेशन ने ट्रायल की अनुमति दी गई है। कोरोना मरीजों के लिए इसे सिर्फ विकल्प के रूप में रखा गया है। यह सिर्फ गंभीर और अतिगंभीर मरीजों को ही लगाया जाना है।

डब्ल्यूएचओ ने भी रेमडेसिविर को सटीक नहीं माना

यह एंटीवायरल ड्रग है। जिसे अमेरिका की दवा कंपनी मिलियड साइंसेज ने बताया है। इसका उपयोग कोरोना मरीजों के लिए के लिए किया जा रहा है। इसे प्रभावी रूप से मान्यता नहीं मिली है। डब्ल्यूएचओ ने भी रेमडेसिविर से कोरोना का सटीक इलाज नहीं माना है।

विशेषज्ञों की राय

1. रेमडेसिविर को सेंट्रल ड्रग आर्गनाइजेशन ने परिस्थितियों को देखते हुए ट्रायल की अनुमति दी है। गंभीर मरीजों की स्थिति को देखते हुए इसे लगाया जा रहा है। एम्स ने इसे विकल्प के रूप में रखा है। इसके लिए चिकित्सकों की टीम भी बनाई गई है। जरूरत पर ही दिया जाता है। कितना कारगर है। इसका अभी कोई प्रमाण नहीं है।

–डाक्टर अजॉय बेहरा, नोडल अधिकारी (कोरोना), एम्स रायपुर

2. यह एक्सपेरिमेंटल ड्रग है। इसे देना जरूरी नहीं है। जरूरत पड़ने पर गंभीर मरीजों को शुरू के 10 दिन के भीतर यदि दें तो कारगर होने की संभावना रहती है। यह कोरोना के लिए काम की दवा है या नहीं इसका अब तक कोई प्रमाणिकता नहीं है।

-डाक्टर ओपी सुंदरानी, नोडल अधिकारी (कोरोना), आंबेडकर अस्पताल

3. रेमडेसिविर ट्रायल बेस पर है। गंभीर या अतिगंभीर मरीज को 10 दिनों के भीतर देने पर हो सकता है। उसकी स्थिति में सुधार हो। लेकिन इसकी गारंटी भी नहीं है। इसे रामबाण न समझें। उपयोग के बाद यह मरीजों के किडनी और लीवर को क्षति पहुंचाने की आशंका को बढ़ा देता है।

–डाक्टर महेश सिन्हा, अध्यक्ष, आइएमए छत्तीसगढ़

मरीजों से नहीं मंगाएंगे अस्पताल

रेमडेसिविर इंजेक्शन बाहर न मिलने के बावजूद अस्पतालों द्वारा कोरोना मरीजों के स्वजनों को पर्ची लिखकर बाहर से लाने के लिए कहा जा रहा था। चूंकि इसकी आपूर्ति प्रशासन की देखरेख में अस्पतालों को सीधे की जा रही है। समस्या को देखते हुए अब स्वास्थ्य विभाग ने निर्देश जारी किया है। इसमें अस्पताल में भर्ती कोरोना मरीजों के लिए रेमडेसिविर इंजेक्शन स्वजनों से मंगाने की बजाय खुद इंतजाम करना होगा। जिन मरीजों को इंजेक्शन लगाया जाना है। इसकी जानकारी भी अस्पतालों को प्रशासन को देना है। वहीं, मरीजों के स्वजनों से बिना शपथ पत्र भरवाएं इसे नहीं लगा सकेंगे।

गुरुजी बने संकटमोचक रायपुर जिले में अफसर–शिक्षक जी–जान से जुटे कर्तव्य परायण में

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

गुरुर ब्रह्मा गुरुर विष्णु गुरुर देवो महेश्वरः, गुरुः साक्षात्परब्रह्मा तस्मै गुरुवे नमः। संस्कृत के इस श्लोक में वह सबकुछ छिपा है, जो कि गुरुजनों की महत्वा है। गुरु सृष्टिकर्ता, संरक्षक और संकटमोचक हैं। कल तक जिन गुरुजी के हाथ में डंडी और एक हाथ में चाक था, श्यामपट पर वह बच्चों को ककहरा सिखाते दिख रहे थे, उन गुरुजी के जिम्मे इन दिनों लोगों की सांस बचाने की जिम्मेदारी है। सकोरोना महामारी के खिलाफ स्कूल शिक्षा विभाग के जिले के अफसर समेत सैकड़ों शिक्षक जी-जान से कर्तव्य परायण में जुटे हैं।

यह दुखद भी है कि जिले में अब तक 51 शिक्षकों ने अपनी जान भी गंवा दी है। इसके बाद भी शिक्षक-शिक्षिकाएं लगातार शहर और ग्रामीण दोनों ही इलाकों में मोर्चा संभाल लिया है। रायपुर के जिला शिक्षा अधिकारी एएन बंजारा पल-पल हर शिक्षकों से फीडबैक ले रहे हैं। वे कहते हैं कि हमारे शिक्षका कोरोना योद्धा की तरह मोर्चे पर डटे हैं।

शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अपना जीवन दांव पर लगा रखा

कोरोना काल में कोरोना मरीजों के संपर्क जुटाने से लेकर अन्य कई कामों में शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अपना जीवन दांव पर लगा रखा है। कांटेक्ट ट्रेसिंग में सर्किट हाउस में 220, नालंदा परिसर में 200 शिक्षक काम कर रहे हैं।

घर-घर फैला रहे जागरूकता

शिक्षक लोगों के घर-घर जाकर जागरूकता फैला रहे हैं, चाहे वह टीकाकरण को लेकर हो या फिर लोगों को कोरोना के प्रति सचेत करने की बात हो, हर मामले में शिक्षकों ने अपनी अहम भूमिका निभाई और लगातार निभा भी रहे हैं। हम इनके हौसले से कोरोन से जीत के करीब पहुंच रहे हैं।

- एएन बंजारा, डीईओ रायपुर

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी*
समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2021-23, दूरभाष नंबर 0771, 2972403